THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 222 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.2, 2079 गुरुवार, 27 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अनिल देशमुख पहुंचे बॉम्बे हाईकोर्ट सीबीआई कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

मुंबई , 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। 100 करोड़ रुपये की वसूली मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख ने विशेष सीबीआई अदालत द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका पर सुनवाई 11 नवंबर को होगी। इससे पहले मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व मंत्री अनिल देशमुख को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले वित्तीय अपराध पर गंभीरता से गौर किया जाना चाहिए। राकांपा नेता देखमुख को दो नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया था।

खड़गे कांग्रेस के सुपर बॉस

अध्यक्ष बनते ही खड़गे का ऐलान-आधे पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को देंगे

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खड़गे आधिकारिक तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष बन गए हैं। पार्टी मुख्यालय दिल्ली में चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले भाषण में खड़गे ने पार्टी में 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने का ऐलान किया। खड़गे ने कहा- उदयपुर अधिवेशन में पार्टी के 50% पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को दिए जाने के प्रस्ताव पर अमल किया जाएगा। भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर तंज कसते हुए खड़गे ने कहा-अपने मुताबिक नया भारत बनाने के नाम पर वे कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का नारा देते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि जब तक कांग्रेस मौजूद है, तब तक वे ऐसा नहीं कर सकते। हम ऐसा नहीं होने देंगे और इसके लिए लगातार लड़ाई जारी रखेंगे।

खड़गे ने कहा-कांग्रेस झूठ और नफरत का दायरा तोड़ेगी। लोगों से अपील है कि वे पार्टी के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने के लिए साथ आएं। खड़गे ने कहा कि मैं जानता हूं कि यह कठिन समय है, कांग्रेस ने जिस लोकतंत्र की स्थापना की थी, उसे बदलने की कोशिश की जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद, इससे पूरे देश में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इस मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने कहा कि खड़गे को अध्यक्ष पद की कमान सौंपकर वे राहत महसूस कर रही हैं। उनके सिर से बड़ा बोझ उतर गया है। उन्होंने कहा- मैं नए पार्टी अध्यक्ष खड़गे जी को बधाई देती हूं। सबसे अधिक संतोष इस बात का है कि जिन्हें अध्यक्ष चुना है, वे एक अनुभवी और धरती से जुड़े हुए नेता हैं। एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए अपनी मेहनत और समर्पण से इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं। सोनिया ने अपने कार्यकाल के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी दिया।

सोनिया ने कहा सिर से बोझ उतरा

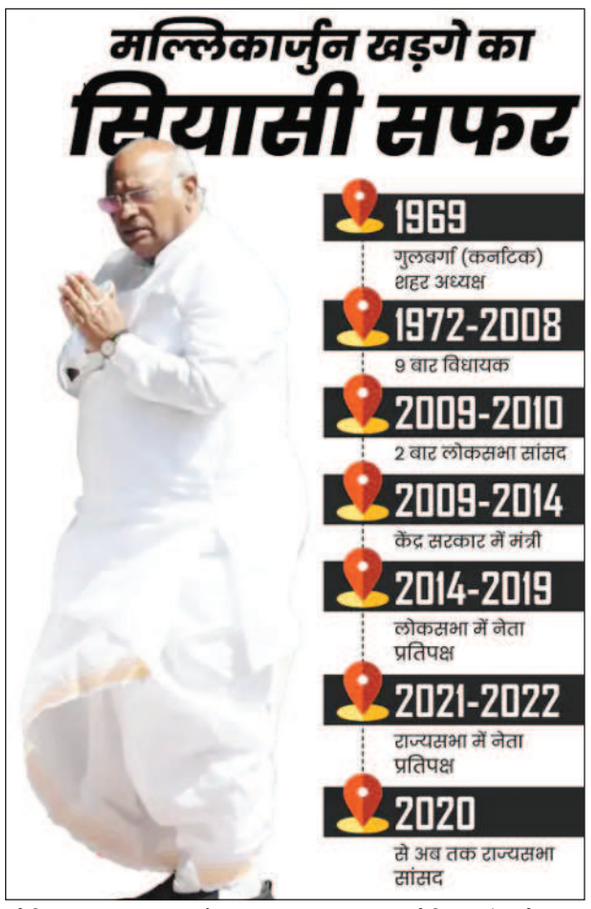

गांधी परिवार की तीन पीढ़ियों को नमन किया

कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने के लिए पार्टी मुख्यालय पहुंचने से पहले खड़गे ने राजघाट में गांधीजी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की समाधि पर गए। इस तरह खड़गे ने पद संभालने से पहले गांधीजी के साथ कांग्रेस की तीन पीढ़ियों को नमन किया। एआईसीसी पहुंचने पर सोनिया और राहुल ने मंच पर खड़गे को गुलदस्ता सौंपकर उनका स्वागत किया।

खड़गे ने पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और दलित नेता बाबू जगजीवन राम की समाधि पर भी फूल चढ़ाए। खड़गे ने मंगलवार शाम को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से भी मुलाकात की थी। हेडक्वार्टर में शपथ के लिए सुबह 10 बजे का समय तय किया गया था। इसमें थोड़ी देर हुई है।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने सौंपा इस्तीफा

मल्लिकार्जुन खड़गे के अध्यक्ष बनते ही कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसकी जानकारी कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने दी।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, सभी सीडब्ल्यूसी सदस्यों, एआईसीसी महासचिवों और प्रभारी ने कांग्रेस अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अब नए सिरे से कार्यकारिणी का गठन होगा।

पार्टी संभालने और चुनाव जीतने की चुनौती

खड़गे की जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी चुनौतियां भी उनके सामने हैं। वे जिस समय पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी लेने आगे आए हैं, तब केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही कांग्रेस की सरकार बची है। वहीं, झारखंड और तमिलनाडु में पार्टी गठबंधन सरकार में शामिल है, लेकिन मुख्यमंत्री दूसरे दलों के हैं।

खड़गे जब अध्यक्ष बने हैं तो इसी साल हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव हैं। वहीं, अगले साल यानी 2023 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों में चुनाव होने हैं। ऐसे में खड़गे के सामने पार्टी को एकजुट करने और चुनाव मैदान में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी।

अमेरिका में हादसे में तेलुगू राज्यों के तीन छात्रों की मौत

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलुगू राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के तीन छात्रों की अमेरिका में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। कनेक्टिकट राज्य में मंगलवार को एक ट्रक और एक मिनी वैन की टक्कर में तीनों भारतीय छात्रों की मौत हो गई।

मृतक के परिजनों तक पहुंची जानकारी के अनुसार, मिनी वैन में आठ लोग सवार थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं एक अन्य व्यक्ति को मामूली चोट आई। मरने वालों में एक महिला समेत दो तेलंगाना के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा छात्र पड़ोसी आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। मृतकों की पहचान प्रेम कुमार रेड्डी (हैदराबाद), पवनी (वारंगल) और वी. साई नरसिम्हा (पूर्वी गोदावरी) के रूप में हुई है।

साईं नरसिम्हा के रिश्तेदारों को उनके दोस्तों से सूचना मिली कि दुर्घटना क्षेत्र में घने कोहरे के कारण सुबह 5 से 7 बजे (स्थानीय समयानुसार) के बीच हुई है। इसी साल अगस्त में अमेरिका गए 23 वर्षीय साई नरसिम्हा एमएस कर रहे थे। चेन्नई के हिंदुस्तान इंजीनियरिंग कॉलेज से उसकी भर्ती एक कंपनी ने की थी। बाद में उसने यह नौकरी छोड़ दी और कनेक्टिकट के एक विश्वविद्यालय में एमएस की पढ़ाई शुरू की। साई नरसिम्हा की मौत की खबर सुनकर उसके माता-पिता सदमे में हैं। उन्होंने उनसे और परिवार के अन्य सदस्यों से वीडियो कॉल के जरिए दिवाली के दिन बात की थी। उसी गांव के एस. ईश्वर्या भाग्यशाली रहे। उन्हें दुर्घटना में मामूली चोट आई।

मृतकों के परिवारों ने केंद्र और तेलुगु राज्यों की सरकारों से अपील की है कि वे शवों को वापस लाने में उनकी मदद करें।

बांग्लादेशी मछुआरों की नाव पलटी कोस्ट गार्ड ने 20 की जान बचाई

कोलकाता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) ने चक्रवात सितरंग के मद्देनजर बंगाल की खाड़ी में एक ज्वाइंट ऑपरेशन में बीस बांग्लादेशी मछुआरों की जान बचाई। कोलकाता में कोस्ट गार्ड बल के उत्तर पूर्व मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास मंगलवार को बल के डोर्नियर विमान ने मछुआरों को मुसीबत में फंसे देखा। यह जगह बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में सागर द्वीप से लगभग 90 समुद्री मील (लगभग 167 किमी) की दूरी पर थी। मछुआरे पानी में तैर रहे थे और नावों के उलट जाने से मलबे में फंस गए थे। अधिकारी ने कहा कि हमारे डोर्नियर ने तुरंत एक लाइफ राफ्ट गिरा दिया। फिर उस इलाके के एक एक व्यापारी जहाज एमवी नंता भुम को इन मछुआरों को अपनी जहाज में लेने का निर्देश दिया गया। यह मलेशिया के पोर्ट क्लैंग से कोलकाता बंदरगाह की ओर जा रहा था। बाद में 20 बांग्लादेशियों को आईसीजीएस विजया ने अपने कब्जे में ले लिया। जहाज पर उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया और उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया। अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेशी अधिकारियों को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है और मछुआरों को जल्द पड़ोसी देश के तटरक्षक बल को सौंप दिया जाएगा।

पीएम करेंगे गृह मंत्रियों, गृह सचिवों, डीजीपी की बैठक को संबोधित

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली पर्व के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गृह मंत्रियों और राज्यों के डीजीपी के चिंतन शिविर को संबोधित करेंगे। पीएमओ ने कहा कि यह कार्यक्रम हरियाणा के सूरजकुंड में 27 और 28 अक्टूबर को होगा।राज्यों के गृह सचिव, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के महानिदेशक भी इसमें शामिल होंगे। प्रधान मंत्री कार्यालय ने कहा कि मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में घोषित 'पंच प्राण' (पांच प्रतिज्ञा) के अनुसार आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नीति निर्माण के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करने का एक प्रयास है।

असम में 'मिया संग्रहालय' मामले में तीन हिरासत में, आतंकियों से जुड़े होने का शक

गुवाहाटी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के गोलपाड़ा में पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए मकान में 'मिया संग्रहालय' खोलने का विवाद गहराता जा रहा है। इस बीच, पुलिस ने असम मिया परिषद के अध्यक्ष व महासचिव समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनके आतंकी संगठनों से जुड़े होने का शक है।

गोलपाड़ा जिले में स्थित विवादित मिया म्यूजियम को मंगलवार को सील कर दिया गया था। रविवार को इसके उद्घाटन के तत्काल बाद भाजपा ने इसे सील करने की मांग की थी। मिया परिषद के पदाधिकारियों के खिलाफ आज यह कार्रवाई की गई। असम मिया परिषद के अध्यक्ष एम मोहर अली को दपकाभिता में संग्रहालय से उस समय पकड़ा गया जब वह धरने पर बैठे थे। संगठन के महासचिव अब्दुल बातेन शेख को मंगलवार रात धुबरी जिले के आलमगंज स्थित आवास से हिरासत में लिया गया था। इस तरह रविवार को मिया संग्रहालय का उद्घाटन करने वाली तनु धादुमिया को डिब्रूगढ़ के कावामारी गांव में उनके आवास से हिरासत में लिया गया। इन तीनों को अल कायदा (एक्यूआईएस) भारतीय उपमहाद्वीप इकाई और अंसारुल बांग्ला टीम (एबीटी) के साथ कथित संबंधों के चलते गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत घोगरापार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के संबंध में पूछताछ व जांच के लिए नलबाड़ी लाया गया है।

मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया के बाद हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि इसमें नया क्या है? वहां रखे गए उपकरण और उपकरण 'लुंगी' को छोड़कर असमिया लोगों के हैं। उन्हें सरकार को यह साबित करना होगा कि 'नंगोल' का उपयोग केवल मिया लोग करते हैं, अन्य नहीं।

साजिशबाज आतंकी कार ब्लास्ट में मरा

घर से मिला 75 केजी विस्फोटक, 5 साथी पकड़े गए

अब एनआईए करेगी जांच

कोयंबटूर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। 23 अक्टूबर को तमिलनाडु के कोयंबटूर में कार ब्लास्ट में मारा गया उक्कड़म का जेमिशा मुबीन दक्षिण भारत में 5 जगह ब्लास्ट करने वाला था। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके घर से भारी मात्रा में विस्फोटक मिला है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़े गए मुबीन के 5 साथियों को भी यूएपीए के तहत 15 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। ब्लास्ट के दूसरे दिन एनआईए टीम जांच के लिए पहुंच गई है। पकड़े गए लोगों के नाम मोहम्मद थलका, मोहम्मद असरुद्दीन, मोहम्मद रियाज, फिरोज इस्माइल और मोहम्मद नवाज हैं।

अकेले कोयंबटूर में 5 जगह ब्लास्ट करने वाले थे

फुटेज के मुताबिक आईएस से जुड़े के तीन संदिग्धों रियाज, फिरोज और नवाज को मुबीन की कार में 2 सिलेंडर और 3 ड्रम रखते हुए देखा गया था। इन्होंने शनिवार रात करीब 11.30 बजे कार में विस्फोटक रखे थे। चौथे संदिग्ध मोहम्मद थलका ने मुबीन और उसके एक रिश्तेदार को कार दी थी। ये सभी कोयंबटूर के उक्कड़म के पास जीएम नगर के रहने वाले थे। तलाशी के दौरान मुबीन के घर से 75 किलो पोटेशियम नाइट्रेट, चारकोल और एल्युमीनियम पाउडर भी बरामद हुआ था। इसके अलावा एक कागज का टुकड़ा मिला था, जिसमें कोयंबटूर की 5 जगहों पुलिस कमिश्नरेट, कलेक्ट्रेट, विक्टोरिया हॉल, कोयंबटूर रेलवे स्टेशन और रेस कोर्स के नाम लिखे थे। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से एक इस्माइल को भारत के अनुरोध पर 2020 में यूएई से प्रत्यर्पित किया गया था।

चीनी राजदूत से जयशंकर की दो टूक

बोले-सीमा पर अमन और शांति जरूरी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में चीन के राजदूत सुन विडोंग ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। यह एक विदाई भेंट थी। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति जरूरी है। यह भारत तथा चीन के बीच सामान्य संबंधों के लिए अनिवार्य है। जयशंकर ने मुलाकात की तस्वीर के साथ ट्वीट में कहा कि चीन के राजदूत सुन विडोंग से विदाई भेंट हुई। उन्होंने कहा कि इस बात पर जोर दिया कि भारत-चीन संबंधों का विकास तीन साझा बिंदुओं पर टिका है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति जरूरी हैं। भारत-चीन के बीच संबंधों का सामान्य होना दोनों देशों, एशिया और दुनिया के लिए फायदेमंद है।

दरअसल, चीन के राजदूत सुन विडोंग का भारत में तीन साल से अधिक समय का कार्यकाल रहा। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दों को लेकर 29 महीने से अधिक समय से गतिरोध चल रहा है। जून 2020 में गलवां घाटी में संघर्ष के बाद से दोनों देशों के रिश्ते काफी तनावपूर्ण हैं। इससे पहले चीन के राजदूत सुन विडोंग ने मंगलवार को अपने विदाई समारोह में कहा था कि पड़ोसी होने के नाते चीन और भारत के बीच कुछ मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन विकास के लिए साझा आधार तलाशने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने भारतीयों के लिए चीन की वीजा पॉलिसी पर भी चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि चीन ने भारतीय नागरिकों के लिए चीन की यात्रा के लिए वीजा आवेदन प्रक्रिया को अनुकूलित कर दिया था।

इस दौरान भारत में चीनी राजदूत सुन वेइदॉन्ग ने रवींद्रनाथ टैगोर का भी जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि प्रसिद्ध भारतीय कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा है कि हम पूर्वी न तो पश्चिम के दिमाग और न ही पश्चिम के स्वभाव को उधार ले सकते हैं। हमें जन्म लेने के अपने अधिकार की खोज करने की जरूरत है। मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं।

हनीट्रैप में फंसाए गए कंचुगल मठ के पुजारी

ब्लैकमेलर्स ने 4 अश्लील वीडियो बनाए थे

महिला के साथ मठ से जुड़े 2 लोग भी शामिल

रामनगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सोमवार को आत्महत्या करने वाले 45 साल के कंचुगल मठ के स्वामी बसवलिंगेश्वर को हनीट्रैप के जरिए ब्लैकमेल किया जा रहा था। यह बात उनके 3 पेज के सुसाइड नोट में भी लिखी है। पुजारी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वालों में मठ के ही 2 लोग शामिल हैं।

इन लोगों ने बसवलिंगेश्वर के अनजान महिला के साथ 4 अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए थे। इन्हें ही वायरल करके वे मठ के पुजारी को ब्लैकमेल कर रहे थे। पुलिस फिलहाल उस महिला और अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है। कर्नाटक की राजनीति में संप्रदायों और धर्म की भूमिका है। ऐसे में बसवलिंगेश्वर की मौत के पीछे किसी राजनेता का हाथ भी है, इस पर पुलिस सूत्रों ने कहा कि सुसाइड नोट में किसी राजनेता का नाम नहीं है। लेकिन मठ के ही कुछ लोग मठ के पुजारी को पद से हटाना चाहते थे। गौरतलब है कि पिछले 25 साल से बसवलिंगेश्वर ही 400 साल पुराने कंचुगल मठ के मुख्य पुजारी थे।

रूसी रक्षा मंत्री ने की राजनाथ से बात

यूक्रेन के डर्टी बम के इस्तेमाल की धमकी पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन में स्थिति पर चर्चा की। सर्गेई शोइगु ने यूक्रेन द्वारा डर्टी बम के इस्तेमाल से संभावित उकसावे के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में भी बात की। रूसी दूतावास के हवाले से यह जानकारी दी गई है।

रूस के रक्षा मंत्री से फोन पर बातचीत में राजनाथ सिंह ने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए बातचीत के रास्ते को अपनाने को कहा। उन्होंने कूटनीति के रास्ते को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री से कहा कि किसी भी पक्ष को परमाणु हमले के विकल्प पर विचार नहीं करना चाहिए।

रूस और यूक्रेन में बढ़ते तनाव के बीच रूस के रक्षा मंत्री की पहल पर बातचीत की गई। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने संघर्ष के जल्दी समाधान के लिए संवाद और कूटनीति के मार्ग को अपनाने की जरूरत पर भारत के रुख को दोहराया।

मंत्रालय ने बताया कि राजनाथ सिंह ने संकेत दिया कि किसी भी पक्ष को परमाणु विकल्प को नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परमाणु या रेडियोलॉजिकल हथियारों के इस्तेमाल की संभावना मानवता के मूलभूत सिद्धांत के खिलाफ है। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर भी चर्चा की। दरअसल, रूस ने करीब दो सप्ताह पहले क्रीमिया में एक बड़े विस्फोट के जवाब में यूक्रेन के अनेक शहरों को निशाना बनाकर मिसाइल हमले शुरू कर दिए हैं।

इसके बाद दोनों के बीच टकराव बढ़ गया है। विस्फोट के लिए रूस ने यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया था। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों से जल्द से जल्द देश छोड़ने को भी कहा है।

'पार्थ चटर्जी का मामला अनुब्रत से अलग, कैश बरामदगी बेहद शर्मनाक'

कोलकाता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने बुधवार को अलग-अलग घोटालों में अपने नेताओं पार्थ चटर्जी और अनुब्रत मंडल की गिरफ्तारी पर पार्टी की अलग-अलग प्रतिक्रियाओं को सही ठहराने की मांग की। सौगत ने कहा कि बड़ी मात्रा में नकदी की जब्ती पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी के लिए शर्मनाक है। तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस पर जोर देते हुए रॉय ने कहा कि दोनों मामले एक जैसे नहीं हैं।

उन्होंने कहा, पार्थ चटर्जी का मामला साफ है क्योंकि उनकी सहयोगी के आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। इसलिए, पार्टी ने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। लेकिन अनुब्रत मंडल या टीएमसी विधायक माणिक भट्टाचार्य के लिए ऐसा नहीं है क्योंकि अब तक उनके खिलाफ केवल भ्रष्टाचार के आरोप हैं जो साबित नहीं हुए हैं।

राज्य के पूर्व उद्योग मंत्री और टीएमसी के महासचिव चटर्जी को इस साल जुलाई में गिरफ्तारी के एक सप्ताह के भीतर कैबिनेट से हटा दिया गया था और पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया था।

सौतेले व्यवहार से परेशान हैं रक्षा क्षेत्र के चार लाख कर्मी, वित्त मंत्रालय ने क्यों रोका 'बोनस'

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा क्षेत्र के सिविल कर्मियों के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। रक्षा मंत्रालय का बजट 5.25 लाख करोड़ रुपये का है। अगर इस राशि को यूनियन बजट के संदर्भ में देखें तो उसका 13.3 प्रतिशत है। इसके बावजूद रक्षा मंत्रालय उस तरह खुद से निर्णय नहीं ले पाता, जैसे रेल मंत्रालय लेता है। एआईडीईएफ के महासचिव सी.श्रीकुमार ने बताया कि रक्षा मंत्रालय में खासतौर से कर्मियों के हितों से जुड़े मामलों की फाइलें, वित्त मंत्रालय या डीओपीटी के पास भेजी जाती हैं। वहां से नब्बे फीसदी फाइलें रिजेक्ट हो जाती हैं या उन्हें वर्षों तक ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। ताजा उदाहरण बोनस का है।

रक्षा क्षेत्र के सिविल कर्मियों को जो बोनस दशहरे से पहले मिलता रहा है, इस बार दीवाली का पर्व बीतने के बाद भी वह बोनस नहीं मिल सका है। बाकी विभागों में वह बोनस दीवाली से पहले ही जारी कर दिया गया था। अगर रक्षा क्षेत्र के कर्मियों को यह बोनस मिलता है तो चार लाख से ज्यादा सिविल कर्मियों को 7 हजार रुपये से 9 हजार रुपये तक का आर्थिक फायदा हो सकता है।

'पीएलबी' के लिए वित्त मंत्रालय से नहीं मिल रही मंजूरी

बता दें कि इस बार नेवी, एयरफोर्स, ईएमई, एओसी, डीजीक्यूए, डीजीएक्यूए, डायरेक्ट्रेट ऑफ ऑर्डिनेंस (सीएंडएस) और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री अस्पताल के कर्मियों को अभी तक प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (पीएलबी) नहीं दिया गया है। लाखों कर्मियों को उम्मीद थी कि दीवाली तक यह बोनस मिल जाएगा, लेकिन वह अभी तक जारी नहीं हो सका।

बता दें कि इस तरह के बोनस के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने एक फार्मूला तैयार कर रखा है। उसी आधार पर वह बोनस मिलता है। इसके बावजूद रक्षा मंत्रालय खुद से निर्णय नहीं ले रहा। बोनस की फाइल वित्त मंत्रालय को एक माह पहले ही भेज दी गई थी, लेकिन वहां से पीएलबी फाइल बिना मंजूरी के लौट आई। दस दिन पहले दोबारा से वह फाइल वित्त मंत्रालय को भेजी गई। अभी तक उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

जामिया के 12 छात्रों को मिली प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जामिया मिलिया इस्लामिया के बारह शोधार्थियों को "लेटरल एंट्री स्कीम' के तहत प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप (पीएमआरएफ) दी गयी है, जो पिछले साल की तुलना में दोगुनी हैं। इस बार फेलोशिप की संख्या में बढ़ोतरी की सराहना करते हुए जामिया मिलिया इस्लामिया की कुलपति नजमा अख्तर ने कहा कि जामिया उत्कृष्टता का प्रतीक है और अपने छात्रों को ऊंचाइयां प्राप्त करने में हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करता है। यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान पर ध्यान दिये जाने को झलकाता है और मुझे विशेष रूप से खुशी है कि 12 छात्रों में से छह लड़कियां हैं। मुझे उम्मीद है कि यह विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों, विशेष रूप से छात्राओं को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

ओवैसी बोले-हिजाब वाली महिला को प्रधानमंत्री देखना चाहता हूं

भाजपा ने पूछा-अपनी पार्टी की कमान महिला को कब सौंपेंगे

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतवंशी ऋषि सुनक के पीएम बनने के बाद भारत में एक अलग बहस छिड़ गई है कि क्या देश में कोई अल्पसंख्यक समुदाय का प्रधानमंत्री बन सकता है। इस बीच एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि वे भारत की प्रधानमंत्री के रूप में हिजाब वाली महिला को देखना चाहते हैं। उन्होंने ये बातें कर्नाटक के बीजापुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। वहीं, ओवैसी के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने पूछा-हिजाबी महिला एआईएमआईएम चीफ कब बनेगी?

मुसलमानों की जो पहचान है, उसे हमेशा के लिए खत्म करना ही BJP का असली मकसद है।
असदुद्दीन ओवैसी, AIMIM चीफ

ओवैसी ने शशि थरूर के ट्वीट पर दी है प्रतिक्रिया

दरअसल, ओवैसी ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के उस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने पूछा था- मुझे लगता है कि हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि ब्रिटेनियों ने दुनिया में कुछ बहुत ही दुर्लभ काम किया है, अपने सबसे पावरफुल हाउस में अल्पसंख्यक समुदाय के मेंबर को मौका दिया है। हम भारतीय ऋषि सुनक के लिए जश्न मना रहे हैं, आइए ईमानदारी से पूछें- क्या यह यहां हो सकता है?

देश से मुसलमानों को हटाना भाजपा का मकसद-ओवैसी

एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ है, उसका असली मकसद देश से मुसलमानों को हटाना है। ओवैसी ने कहा कि देश के लिए हलाल मांस खतरा है, मुसलमान की दाढ़ी खतरा है, मुसलमान की टोपी खतरा है, मुसलमान का खाना-पीना, ओढ़ना-सोना सब खतरा है। यही भाजपा का एजेंडा है। उन्होंने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि मोदी कहते हैं सबका साथ और सबका विकास, लेकिन यह सिर्फ जुबानी बातें हैं। उनका असली मकसद मुसलमान की जो पहचान है, उसे हमेशा के लिए खत्म कर दो।

सोशल मीडिया पर एक दिन पहले ट्रेंड हुआ था-मुस्लिम पीएम

ब्रिटेन में ऋषि सुनक के पीएम बनने की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर मुस्लिम पीएम ट्रेंड हुआ था। इसमें शशि थरूर को भी ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था। दरअसल, ब्रिटिश म्यूजियम के प्रेसिडेंट जॉर्ज ओसबोर्न ने ऋषि सुनक के पीएम बनने को लेकर एक ट्वीट किया।

उन्होंने कहा- दिन के अंत तक ऋषि सुनक प्रधानमंत्री होंगे। कुछ सोचते हैं, मेरी तरह, वह हमारी समस्याओं का समाधान है; दूसरों को लगता है कि वह समस्या का हिस्सा हैं, लेकिन आपकी राजनीति जो भी हो, आइए हम सभी पहले ब्रिटिश एशियाई के पीएम बनने का जश्न मनाएं और अपने देश पर गर्व करें जहां ऐसा हो सकता है।

सरकारी दफ्तरों से निकले कबाड़ से केंद्र सरकार ने कमाए 254 करोड़

37 लाख वर्ग फुट जमीन हुई खाली

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली की साफ-सफाई के दौरान केंद्र सरकार को मोटी रकम मिली है।

केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालयों से निकले कबाड़ को बेचने से ही करीब 254 करोड़ रुपये मिले हैं। बड़ी बात यह भी है कि 37 लाख वर्ग फुट जमीन भी खाली हुई है। हालांकि, अभी सफाई अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा।

जमीन पर रखा हुआ था कबाड़

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, दिवाली पर तीन सप्ताह तक चले सफाई अभियान के दौरान करीब 254 करोड़ की रकम मिली है। इसके अलावा 37 लाख वर्ग फुट जमीन भी खाली हुई।

जिसपर कबाड़ रखा हुआ था। अब इस जमीन का इस्तेमाल दूसरे कामों के लिए हो सकेगा। बता दें कि, पिछले साल चले अभियान के तहत सरकार ने कबाड़ बेचकर 62 करोड़ रुपये कमाए थे।

केंद्र सरकार से जुड़े सभी विभागों में 31 अक्टूबर तक सफाई अभियान चलेगा। इस दौरान जिन चीजों का कोई इस्तेमाल नहीं हो सकता है, उन्हें बेचा जा रहा है। उनमें बेकार पड़ी फाइलें भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री का स्वच्छता अभियान जन आंदोलन बन चुका है।

40 लाख फाइलों की की गई समीक्षा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बीच करीब 40 लाख फाइलों की समीक्षा की गई। इनमें करीब 3 लाख शिकायतों का निपटारा किया गया। बता दें कि केंद्र सरकार 10 लाख भर्तियां करने का फैसला डेढ साल में करने का लिया है। इस बार धनतेरस पर पीएम ने 75 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे।

इलेक्ट्रॉनिक कचरा से भी हुई कमाई

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक सरकारी ऑफिसों में बेकार हो चुकी फाइलों के अलावा कंप्यूटर और अन्य तरह के इलेक्ट्रॉनिक कचरे को हटाया जा रहा है। अभी तक केंद्रीय सचिवालय से ही 40 लाख से जयादा फाइलों को हटाया जा चुका है।

भाजपा ने शुरू की महाविकास अघाड़ी से मुकाबले की तैयारी

राज ठाकरे के साथ बन सकता है नया गठबंधन

मुंबई, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में बीते कुछ महीनों से कुछ न कुछ चल ही रहा है। अब खबर है कि उद्धव गुट वाली शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी को कड़ी टक्कर देने के लिए भाजपा ने भी कमर कसनी शुरू कर दी है। ऐसे में भाजपा ने एकनाथ शिंदे के बाद अब मनसे प्रमुख राज ठाकरे पर भी डोरे डालने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे ने उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राज्य में सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, कुछ समय पहले खुद सीएम शिंदे व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मनसे प्रमुख से मुलाकात की थी। सीएम शिंदे का भी कहना है कि दीपावली के मौके पर राज ठाकरे साथ उनके बेटे की मुलाकात शिष्टाचार भेंट थी। वहां कोई राजनैतिक चर्चा नहीं हुई।

मनसे के साथ गठबंधन कर सकती है भाजपा

राज्य की सियासी अटकलों पर कब विराम लगेगा, यह तो भविष्य जाने। लेकिन इस बात की चर्चा जोरों पर है कि भाजपा आने वाले समय में शिंदे गुट व मनसे के साथ मिलकर गठबंधन बना सकती है। हालांकि, मनसे और शिंदे खेमे के नेता इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट बता रहे हों लेकिन राज ठाके की पार्टी के इकलौते विधायक राजू पाटिल का कहना है कि शिंदे गुट, भाजपा और मनसे के विचार मिलते हैं।

गढ़ बचाने को फिर आमने-सामने चौटाला परिवार

अभय का बेटा जिला परिषद चुनाव लड़ रहा; मंत्री रणजीत ने भी बेटे को मुकाबले में उतारा

हिसार, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की राजनीति में चर्चित चौटाला परिवार के बीच एक बार फिर चुनावी जंग छिड़ गई है। इस बार परिवार जिला परिषद के चुनावों में एक दूसरे के खिलाफ उतरेगा। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब चौटाला परिवार के सदस्य जिला परिषद के चुनाव में एक दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतर रहे हो।

इससे पहले तीन बार चौटाला परिवार जिला परिषद के अध्यक्ष पद के लिए एक दूसरे के लिए खिलाफ उतर रहा है।

सिरसा जिला परिषद के चुनावों में रानियां विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 6 से अभय चौटाला के बेटे कर्ण चौटाला ने नामांकन भरा है। अब इसी वार्ड से बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला अपने बेटे गगनदीप चौटाला को उतारने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि बेटे गगनदीप को सक्रिय राजनीति में उतारकर उनका लक्ष्य जिला परिषद का अध्यक्ष पद पाना नहीं है, बल्कि अपने गढ़ रानियां विधानसभा को बचाना है।

दादा के लिए पोता बन सकता है चुनौती

रानियां विधानसभा हलका 2009 में परिसीमन में बना। 2009 और 2014 का विधानसभा चुनाव रणजीत चौटाला ने कांग्रेस की टिकट पर लड़ा और दोनों बार इनेलो के उम्मीदवारों से हार गए। रणजीत कांग्रेस की टिकट कटने पर पहली बार 2019 के विधानसभा चुनाव जीते और भाजपा को समर्थन देकर मंत्री बने। रणजीत सिंह लंबे अर्से बाद चुनाव जीते थे। दूसरी ओर इनेलो पूरे प्रदेश में एकमात्र ऐलनाबाद सीट पर काबिज है। अभय सिंह के बेटे कर्ण चौटाला ने अब तक विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ा। 2 साल बाद आने वाले विधानसभा चुनावों में इनेलो कर्ण को इस सीट से अपना उम्मीदवार घोषित कर सकती है। ऐसे में रणजीत सिंह इसे अभी से अपने लिए चुनौती समझ रहे हैं। इसलिए अपना गढ़ बचाने के लिए पोते के सामने बेटे गगनदीप को उतार रहे हैं।

नगर पालिका चेयरमैन में हार चुका है रणजीत समर्थक

हाल ही में हुए रानियां नगर पालिका के चुनावों में रणजीत सिंह का समर्थक उम्मीदवार इनेलो समर्थक उम्मीदवार से भारी अंतर से हार गया।

इससे बिजली मंत्री की अपने हलके पर पकड़ ढीली महसूस होने की चर्चाएं चल पड़ी। लेकिन बेटे को जिला परिषद में उतार कर बिजली मंत्री अपने विरोधियों को अपनी राजनीतिक मजबूती का संदेश देना चाहते हैं।

2022 में कर्ण चौटाला के समक्ष चाचा गगनदीप

जिला परिषद का चेयरमैन पद सामान्य है। अबकी बार चौटाला परिवार से कर्ण चौटाला ही सबसे बड़े दावेदार है। कर्ण चौटाला ने रानियां विधानसभा क्षेत्र के जोन से नामांकन दाखिल किया। ओमप्रकाश चौटाला के छोटे भाई और रिश्ते में कर्ण के दादा लगने वाले रणजीत सिंह इसी विधानसभा से विधायक है। रणजीत सिंह ने इसे अपने लिए एक चुनौती समझा। इसलिए सक्रिय राजनीति से दूर अपने बेटे गगनदीप को चुनाव मैदान में उतार दिया।

केजरीवाल का सुझाव-करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर हो

दिल्ली सीएम बोले-दोनों का आशीर्वाद रहा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की है कि भारतीय करेंसी के पीछे की तरफ श्रीलक्ष्मी-गणेश की तस्वीर छापी जाए। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिवाली पर लक्ष्मी पूजन करते हुए उनके मन में ऐसे भाव आए थे, जिन्हें वे सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

देवी-देवताओं का आशीर्वाद रहा तो नतीजे मिलेंगे

उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि देश की अर्थव्यवस्था कमजोर है। हम आज भी विकासशील ही हैं, गरीब ही हैं। हम सब चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने। हम सब चाहते हैं कि सब भारतवासी अमीर परिवार बनें। हमें बहुत सारे प्रयास करने की जरूरत है। हमें स्कूल, अस्पताल, बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रचर तैयार करना होगा। हम कोशिशें भी करते हैं, लेकिन हम देखते हैं कि नतीजे नहीं आ रहे हैं। इसके लिए हम कई तरीके की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन अगर देवी-देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे आते हैं।

विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी

केजरीवाल ने आगे कहा कि हम सब ने दिवाली पर प्रार्थना की। सब ने लक्ष्मी मां और गणेश जी की पूजा की होगी। बिजनेसमैन तो अपने दफ्तर में, अपने कमरों में श्री लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति रखते हैं। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। करेंसी पर गांधी जी की तस्वीर वैसी ही रहनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ लक्ष्मी जी और गणेश जी की तस्वीर होनी चाहिए, ताकि अर्थव्यवस्था को इनका आशीर्वाद मिले। गणेश जी को विघ्नहर्ता माना जाता है। उनका आशीर्वाद रहा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। पुरानी करेंसी तो जैसी है, वैसी रहे लेकिन नए छपने वाले नोटों पर लक्ष्मी-गणेश की फोटो छापी जानी चाहिए।

केजरीवाल के सुझाव पर बीजेपी का पलटवार

अरविंद केजरीवाल के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि केजरीवाल की पॉलिटिक्स यू-टर्न ले रही है। यह वही शख्स है जिसने अयोध्या के राम मंदिर जाने से इनकार कर दिया था और उसका कारण बताया था कि भगवान वहां की गई प्रार्थना को स्वीकार नहीं करेंगे। यह वही इंसान है जिसने संसद में कश्मीरी पंडितों के विस्थापन को झूठ बताते हुए उसका मजाक उड़ाया था।

मनोज तिवारी का केजरीवाल पर पलटवार बोले-वोट के लिए कर रहे धर्म का ढोंग

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि भारतीय करेंसी पर गांधीजी के साथ लक्ष्मी-गणेश की फोटो होनी चाहिए। इस पर भाजपा नेता मनोज तिवारी ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने केजरीवाल के बयान को हास्यास्पद बताते हुए इसे वोट के लिए धर्म का ढोंग कहा है।

केजरीवाल ने केंद्र से की अपील

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार से एक अहम अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये पर गांधीजी के साथ लक्ष्मी-गणेश की फोटो होनी चाहिए। इसे सुख समृद्धि आएगी और पूरे देश को उनका आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि नए नोटों से इसकी शुरूआत की जा सकती है। इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखेंगे। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता जा रहा है। आम आदमी पर इसका असर साफ नजर आ रहा है। इसकी मार आम आदमी को भुगतनी पड़ रही है। हम चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने, लोग अमीर बने। इसके लिए हमें कई सार कमद उठाने पड़ेंगे। हमें बड़ी तादात में अस्पतालों का निर्माण करना है, स्कूल खोलने हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है। केजरीवाल ने कहा कि हमारी कोशिश तभी कामयाब होगी जब हम पर भगवान का आशीर्वाद होगा। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि काफी मेहनत करने के बाद भी कोई नतीजा नहीं आता। ऐसे में भगवान के आशीर्वाद की जरूरत होती है। जब देवी देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे आने लगते हैं।

क़ुल्लू की ईशानी जम्बाल ने रचा इतिहास

7200 मीटर ऊंचे माउंट चो ओयू पीक को किया फतेह, दुनिया की बनी पहली महिला

कुल्लू, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल के क़ुल्लू की ईशानी सिंह जंबाल ने नेपाल और चीन के मध्य की 7200 मीटर ऊंची माउंट चो ओयू पीक को फतेह किया है। यह पीक दक्षिण की ओर से दुनिया की छठी सबसे ऊंची व कठिन चोटी है। जहां तक क़ुल्लू की ईशानी की पहुंचने में कामयाबी मिली है। जानकारी के अनुसार माउंट चो ओयू के अत्यंत चुनौतीपूर्ण दक्षिण की ओर की अधिकतम ऊंचाई तक पहुंचने के लिए वह दुनिया भर के पर्वतारोहियों में एकमात्र महिला बन गई है।

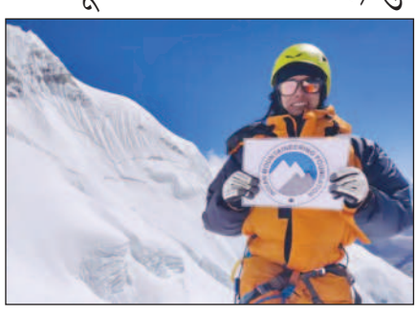

ईशानी ने कहा कि वह खुद को चुनौती देने और देश के लिए अपने शिखर पर चढ़ने में सक्षम थी। ईशानी ने कहा कि उसका उद्देश्य पर्वतारोहण को एक साहसिक कार्य के रूप में बढ़ावा देना है और साथ ही सरकार से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभियानों के लिए पर्वतारोहियों को आर्थिक रूप से समर्थन देने का अनुरोध किया है।

ईशानी के पिता की अपील

ईशानी के पिता शक्ति सिंह व माता नलिनी जंबाल ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है और उन्होंने सरकार से अपील की है कि इस तरह के साहसिक बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

रोचक खबरें

जलनखोर कुत्ते ने मालिक के पास से उठाकर पपी को डस्टबिन में फेंका

सोशल मीडिया पर जानवरों से जुड़े वीडियोज खूब पसंद किए जाते हैं. उसमें भी डॉग्स के वीडियो सबसे ज्यादा डिमांड में रहते हैं. उसकी वजह ये है की एक कुत्ते इंसानों के बेहद करीब होते हैं दूसरा ये कि वो सबसे समझदार और पालतू जानवर होते हैं. और तो और उनकी शरारतें और मस्ती देखकर भी आपका दिल खुश हो जाएगा. तो कभी कभी कुत्तों की जलनखोरी देखकर आप दंग रह सकते हैं। ट्विटर के @goldenloverzone पर शेयर एक वीडियो में गोल्डन रिट्रिवर की जलनखोरी देखकर आप हंस पड़ेंगे. मालिक के पास पपी सोया था जिसे देख बिग डॉग को इतना गुस्सा आया कि उसने हाव देखा ना ताव. बस बेचारे ब्लैक पपी को मुंह से पकड़कर खींचा और सीधे डस्टबिन में डाल दिया. वीडियो को 14 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिले हैं।

मालिक के पास पपी को देख चिढ़ गया गोल्डेन रिट्रिवर

इंटरनेट पर गोल्डन रिट्रीवर डॉग का एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें उसकी जलनखोरी देखकर आप अपना सिर पकड़ लेंगे और खूब ठहाके भी लगाने को मजबूर हो जाएंगे. वीडियो में आप एक बिग डॉग के भीतर मालिक के प्रति एकाधिकार वाला प्रेम, असुरक्षा का भाव और जलनखोरी की फितरत देख आप हैरान रह जाएंगे. मालिक के पास एक ब्लैक पपी सोया हुआ था. जिसे देख गोल्डेन रिट्रिवर डॉग को ऐसी चिढ़ और जलन हुई कि उसने बिना देर किए पपी को मुंह से पकड़कर नीचे घसीट दिया और अगले ही पल उसे डस्टबिन में डालकर खुद मालिक के पास जाकर बैठ गया।

'जो तुमको ना हो पसंद उसे कचरे में फेंक दो'

इंटरनेट यूज़र्स डॉग की ऐसा हरकत देखकर बेहद हैरान हो गए. कुछ का तो कहना था कि वो अभी तक गोल्डेन रिट्रिवर को बहुत ही जेंटल डॉग समझते थे. लेकिन उसने जिस तरह छोटे पपी को कचरे के डिब्बे में फेंका उसे देख लोगों की धारणा बदल गई. वहीं कुछ यूज़र ने कहा कि डॉग ने अपनी हरकत से ये समझा दिया कि जब कोई पसंद ना आए तो उसे गार्बेज में डाल सकते हैं. वीडियो लोगों को खूब पसंद आया जिसे 14 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं।

खुद ही अपना हाथ काटकर फेंकता दिखा केकड़ा, नहीं देखी होगी जानवर की ऐसी हरकत

ट्विटर के @OTerrifying पर शेयर वीडियो में केकड़े की अजीब हरकत ने हैरान कर दिया जब चलते चलते उसने एक हाथ से दूसरे हाथ को उखाड़कर फेंक दिया. कुछ यूजर्स के मुताबिक केकड़े अपने अंग दोबारा पैदा कर सकता है. वीडियो को 16 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं।

सोशल मीडिया केवल एंटरटेनमेंट या मस्ती का ही प्लेटफार्म नहीं. यहां बहुत सी ऐसी जानकारियां मिल जाती है, जिसके बारे में इंसान सोच भी नहीं सकता और हमेशा से अनजान रहा है. यहां सबसे ज्यादा जानवरों से जुड़े वीडियोज देखना पसंद किया जाता है लेकिन क्या हम हर जानवर के बारे में सारी जानकारी रखते हैं बेशक नहीं? तो चलिए केकड़े से जुड़े एक रोचक तथ्य से रूबरु हो जाइए।

ट्विटर के @OTerrifying पर शेयर वीडियो में दिखी केकड़े की अजीब हरकत. चलते चलते ज़ख्मी हाथ रास्ते का रोड़ा बना तो केकड़ा दूसरे हाथ से उसे उखाड़कर फेंकता दिखा तो लोग हैरान रह गए. कुछ यूजर्स के मुताबिक केकड़े अपने अंग दोबारा पैदा कर सकता है लिहाजा जो अंग खराब होने लगा या रुकावट बनने लगा, उसे वो उसे अलग कर देते हैं. वीडियो को 16 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिलें.

दाहिना हाथ रास्ते का रोड़ा बना तो केकड़े ने उखाड़ फेंका

वायरल वीडियो में एक केकड़ा चलता हुआ दिखाई दे रहा है तभी कुछ ऐसा हुआ की केकड़े ने अपने बाएं हाथ से दाहिने हाथ को तोड़कर फेंका और आगे की तरफ बढ़ चला. इतना देखते ही लोग हैरान रह गए. कुछ पल के लिए हर कोई इस सोच में पड़ गया कि आखिर केकड़े ने ऐसा क्यों और कैसे कर लिया, अपने ही हाथ को शरीर से उखाड़कर उसने कैसे फेंक दिया, क्या उसे दर्द नहीं हुआ. लेकिन कुछ यूज़र्स ने अपनी जानकारी साझा कर बहुत से सवालों का जवाब दे दिया. दरअसल केकड़े में अपने अंगों को पुनर्जीवित करने की काबिलियत कुदरत ने बख्शी है. लिहाजा वो बेकार और रुकावट पैदा करने वाले अंगों को यूं ही उखाड़ फेंकते हैं।

रंग बिरंगे पंख फैलाकर नाचती दिखी मकड़ी तो लोगों ने कहा 'पीकॉक स्पाइडर'

इंस्टाग्राम wildanimalia पर शेयर एक वीडियो में रंगीन मकड़ी को देखकर लोग चकित रह गए. क्लोजअप वीडिओ में मकड़ी किसी मोर की तरह रंगीन पंख फैलाकर दाएं बाएं नाचती दिखी. तो लोगों ने इसे कहा पीकॉक स्पाइडर. नए प्रकार की रंगीन मकड़ी देख लोग उत्साहित हो गए। सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसके जरिए हमें बहुत कुछ ऐसा देखने और सुनने को मिल जाता है, जो हमारी समझ और पहुंच से बहुत दूर होता है. अतरंगी दुनिया की बहुत सी ऐसी खासियत, कुदरत का बहुत सा ऐसा करिश्मा, जो शायद हम कभी नहीं देख पाते. वो हमे सोशल मीडिया पर देखने को मिल जाता है. एक ऐसे ही मकड़ी का वीडियो वायरल हो रहा है जो मोर की तरह रंगीन पंखों को फैलाकर नाचती दिखी तो लोग दंग रह गए।

इंस्टाग्राम पर शेयर एक वीडियो में रंगीन मकड़ी को देखकर लोग चकित रह गए. क्लोजअप वीडिओ में मकड़ी किसी मोर की तरह अपने रंगीन पंख फैलाकर दाएं बाएं झूमते हुए दिखाई दी. जिसे देखते ही लोगों ने कहा 'पीकॉक स्पाइडर'. वीडियो में नए प्रकार की रंगीन मकड़ी देखकर लोग उत्साहित हो गए। इंटरनेट पर शेयर होते ही हैं वीडियो जबरदस्त वायरल हो रहा है जिसमें एक मकड़ी ने जैसे ही उत्साह में अपने पंख फैलाए देखने वाले चकित रह गए. वजह थी मकड़ी के रंगीन पंख जो बिल्कुल किसी मोर की तरह दिखाई दे रहे थे।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 27 अक्टूबर, 2022 3

सु वि चा र

ईर्ष्या करने वाले के पास लक्ष्मी नहीं रह सकती, वह उसको अपनी बड़ी बहन (दरिद्रता) के हवाले करके चली जायेगी।

सरदार पपन्ना गौड़ के योगदान के बारे में युवा पीढ़ी को जागरूक करना जरूरी : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने सरदार पपन्ना गौड़ का डाक कवर लॉन्च किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तत्कालीन तानाशाही और निरंकुश ताकतों के खिलाफ सरदार सर्वाई पपन्ना गौड़ की लड़ाई के योगदान के बारे में युवा पीढ़ी को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। बुधवार को त्यागराज गानसभा में तेलंगाना गौड़ संगला ऐक्या वेदिका द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सरदार सर्वई पपन्ना गौड़ के डाक कवर का शुभारंभ करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि यह दुखद है कि पिछली सरकारों ने मुगल काल के दौरान निरंकुश ताकतों के खिलाफ लड़ाई के लिए सरदार सर्वाई पपन्ना गौड के योगदान की अनदेखी की।

केंद्रीय मंत्री ने महान योद्धा के सम्मान में सरदार सर्वाई पपन्ना गौड़ के डाक कवर को प्रकाशित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरदार पपन्ना की स्मृति में डाक कवर के मेरे अनुरोध को स्वीकार करने के लिए मैं पीएम का बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि वह केंद्र से भोंगीर किले को नया रूप देने के लिए कदम उठाने के लिए कहेंगे, जिस पर सरदार पपन्ना गौड़ ने कब्जा कर लिया था। इस अवसर पर हैदराबाद रीजन पोस्टमास्टर जनरल पीवीएस रेड्डी भी मौजूद थे।

पूर्व सांसद आनंद भास्कर रापोलू ने बीजेपी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यसभा सांसद आनंद भास्कर रापोलू ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। आनंद भास्कर ने बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे एक पत्र में कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना के प्रति सौतेला व्यवहार दिखाया और तेलंगाना से कई सही अवसरों को छीन लिया। पूर्व सांसद ने भाजपा से आत्मनिरीक्षण करने का आह्वान करते हुए कहा कि अजीब विभाजन को बढ़ावा दिया जा रहा है और सहकारी संघवाद पर दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की सलाह का पालन करने का कोई प्रतीकवाद भी नहीं है।

दिवाली पर मिठाई वितरण का दूसरा चरण संपन्न

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा मिठाई वितरण का दूसरा चरण संपन्न हुआ। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन की अध्यक्षता में दिवाली के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय प्रकल्प आनंद सबके लिए के तहत दूसरे चरण में मोंडा मार्केट स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल के बच्चों में मिठाई और अल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने मे शाखा की रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, कविता मांडण, संतोष गुजरानी, पुष्पा कोठारी आरती जैन रिद्धि बोहरा का सराहनीय सहयोग रहा। शाखा के कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एफसीआई ने कस्टम मिल्ड चावल की आपूर्ति के लिए समय सीमा बढ़ाई

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिल मालिकों के साथ-साथ राज्य सरकार को एक बड़ी राहत में, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने पिछले (2021-22) वनकलम (खरीफ) से संबंधित धान के लिए कस्टम मिल्ड चावल (सीएमआर) की आपूर्ति की समय सीमा बढ़ा दी है। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर और उनकी टीम के प्रयासों के बाद, एफसीआई ने सीएमआर की आपूर्ति की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

पिछले साल लगभग 70 लाख टन धान का उत्पादन हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप मिलिंग के बाद लगभग 50 लाख टन सीएमआर होगा। एफसीआई पूरे धान की खरीद के लिए सहमत हो गया और अब तक लगभग 25 लाख टन की आपूर्ति की जा चुकी है। मिल मालिकों की ओर से देरी को ध्यान में रखते हुए, एफसीआई ने 30 नवंबर तक मिल मालिकों को सीएमआर की आपूर्ति करने की समय सीमा बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा, एफसीआई पिछले (2021-22) यासांगी (रबी) सीजन से संबंधित लगभग चार लाख टन फोर्टिफाइड उबले हुए चावल खरीदने पर भी सहमत हुआ। यह पहले से सहमत आठ लाख टन के उबले हुए चावल के अतिरिक्त होगा, जिससे 2021-22 यासांगी सीजन के लिए फोर्टिफाइड उबले चावल की कुल मात्रा 12 लाख टन हो जाएगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I MOHAMMED SALEEM R/O H NO 19-2-239/37/A, F NO 501, ICON TOWER CHANDULAL BARADARI, HYD, T.S. HAVE CHANGE NAME *MOHAMMED SALEEM HARFA*

I, TAHA JAMEEL D/O MOHAMMED JAMEEL UDDIN, R/O 17-1-223 TO 227, M.B.HAT, SANTOSH NAGAR, HYD-500059, T.S. HAVE TO ADD SURNAME AS *JAMEEL* AND GIVEN NAME *TAHA* IN PASSPORT .

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

वेश्यालय में छापेमारी, तीन गिरफ्तार

हनमकोंडा, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्कफोर्स और हनमकोंडा पुलिस ने संयुक्त अभियान में हनमकोंडा के रेड्डी कॉलोनी में एक वेश्यालय में छापा मारा और मंगलवार को आयोजक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों में आयोजक कुथाती नंदिनी और श्यामपेट के जीवन नगर निवासी मैरिपेली स्टीफेन और मारिपेली पेट्रे के ग्राहक थे।

टास्कफोर्स पुलिस ने एक प्रेस नोट में कहा कि नंदिनी पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों की महिलाओं को लाकर पिछले एक साल से गुप्त रूप से वेश्यालय चला रही थी। पुलिस ने दो महिलाओं को वेश्यालय से भी छुड़ाया। आयोजक और ग्राहकों के खिलाफ हनमकोंडा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

वारंगल के पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर आयोजकों को पीडी एक्ट के तहत बुक करेंगे।

टीआरएस विधायकों को खरीदने के गुप्त अभियान का भंडाफोड़

नकदी के साथ भाजपा के तीन एजेंट गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के चार विधायकों को खरीदने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक गुप्त अभियान का बुधवार को भंडाफोड़ किया गया, जिसमें विधायकों ने खुद पुलिस को फोन किया, जिन्होंने अजीज नगर के मोइनाबाद रोड पर एक फार्महाउस से भारी मात्रा में नकदी के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र के अनुसार, चार विधायकों रेगा कांताराव, जी. बलाराजू, बीरम हर्षवर्धन रेड्डी और पायलट रोहित रेड्डी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद फार्महाउस पर छापेमारी की गई। पकड़े गए तीन लोगों में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के करीबी बताए जाने वाले शहर के डेक्कन प्राइड होटल के मालिक नंदा कुमार और दिल्ली के पास फरीदाबाद के स्वामी रामचंद्र भारती उर्फ एस. सतीश शर्मा और तिरुपति के सिम्हायाजुलु हैं।

स्टीफन रवींद्र ने कहा कि विधायकों ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि वे भाजपा से हैं, उन्हें टीआरएस से अलग होने और भाजपा में शामिल होने के लिए कह रहे हैं। उन्हें प्रमुख पदों, अनुबंधों और बदले में भारी नकदी की पेशकश की गई है। हालांकि पुलिस ने अभी तक तीनों के पास से जब्त की गई राशि का खुलासा नहीं किया है, लेकिन शुरुआती रिपोर्टों में 15 करोड़ रुपये का सुझाव दिया गया है, जिसमें अंतिम सौदा कथित तौर पर चार विधायकों के लिए 100 करोड़ रुपये का था। कहा जाता है कि नंद कुमार ने पूरे ऑपरेशन का समन्वय किया और अन्य दो को हैदराबाद लाया। पुलिस ने एक कार और कई बैग नकदी जब्त की है।

हालांकि यह पहला उदाहरण है, जब प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को खरीदने की कोशिश में तीन लोगों को नकदी के साथ पकड़ा गया है, पुलिस ने अब तक हैदराबाद और मुनुगोड़े से विभिन्न मामलों में 2.49 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। मुनुगोड़े उपचुनाव इनमें से कम से कम दो बरामदगी भाजपा नेताओं की है, जिसमें करीमनगर के एक भाजपा पार्षद के पति से 1 करोड़ रुपये शामिल हैं।

टीआरएस ने राज्य सरकार को गिराने के भाजपा के प्रयासों की निंदा की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ टीआरएस (बीआरएस) ने बुधवार को अपने विधायकों को खरीदने और राज्य सरकार को गिराने के भाजपा के प्रयासों की निंदा करते हुए अजीज नगर में भंडाफोड़ किए गए ऑपरेशन को लोकतंत्र का मजाक बताया। पार्टी ने अपने चार विधायकों की सराहना की जिन्होंने भाजपा के प्रयासों का पर्दाफाश किया और पुलिस को सूचित किया, जिससे भाजपा के तीन मध्यस्थों की गिरफ्तारी हुई।

यहां मीडिया से बात करते हुए, सरकारी सचेतक बालका सुमन ने कहा कि गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के बाद भाजपा सस्ती राजनीति का सहारा ले रही है। हालांकि, टीआरएस विधायक तेलंगाना के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने भाजपा की योजनाओं को विफल कर दिया है। भाजपा कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को खरीदने में सफल हो सकती है, लेकिन यह टीआरएस विधायकों को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और तेलंगाना राज्य के लोगों के प्रति वफादार होने का लालच देकर इसे हासिल नहीं कर सकती है। भाजपा को इस तरह की पिछले दरवाजे की राजनीति बंद करनी चाहिए या तेलंगाना के लोगों के गुस्से का सामना करने के लिए तैयार होना चाहिए।

सरकार के मुख्य सचेतक डी. विनय भास्कर ने टीआरएस विधायकों को खरीदने के भाजपा के प्रयासों की निंदा की और चेतावनी दी कि इस तरह के किसी भी प्रयास की कीमत भाजपा को चुकानी पड़ेगी। उन्होंने भाजपा पर प्रमुख पदों के साथ करोड़ों रुपये नकद, ठेके और अन्य संपत्ति की पेशकश करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि टीआरएस इस तरह के प्रयासों को विफल करेगी और राष्ट्रीय स्तर पर मुंहतोड़ जवाब देगी।

बिहार एसोसिएशन तत्परता से कर रहा है छठ पूजा की तैयारी

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसोसिएशन द्वारा नगर के समस्त क्षेत्रों में महापर्व छठ की तैयारी की जा रही है। अन्य वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी बिहार एसोसिएशन के कर्मठ कार्यकर्ता नगर में महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। छठ घाटों की सफाई युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार एवं प्रेस प्रभारी दिलीप कुमार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि इस बार महापर्व छठ की छवि छटा कुछ अलग ही रहेगी। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद ने राज्य के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन के सहयोग से हैदराबाद के समस्त

भागों में अपने सभी स्वयंसेवी सदस्यों के साथ मिल कर छठ घाटों को सौंदर्यीकरण करना शुरू कर दिया है। एसोसिएशन अध्यक्ष हरेराम सिंह ने बताया कि हसमतपेट बतुकम्मा घाट पर एसोसिएशन के युवा शक्ति के हरेराम यादव, दीपक यादव व विनोद गुप्ता नए जोश के साथ काम कर रहा है, वहीं शमीरपेट लेक पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष उत्तम यादव डटे हुए हैं। टैंकबंड हरेराम सिंह, उपल बतुकम्मा छठ घाट के लिए दिलीप कुमार, रविशंकर सिंह, प्रभास कुमार, काटे दान के लिए मनोज साही, मियांपुर बोलाराम के लिए अखिलेश सिंह, गोपाल साह, विक्की, जीडीमेटला बतुकम्मा घाट के लिए दिनेश सिंह, दरगाह बतुकम्मा घाट के लिए आरके शुक्ला, नालागंडला बतुकम्मा घाट के लिए नागौल में एके मोरिया, शमशाबाद संजय कुमार यादव इत्यादि के द्वारा जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दी गयी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह एवं बिहार फाउंडेशन चैप्टर हैदराबाद के अध्यक्ष श्री मानवेंद्र मिश्रा ने कई क्षेत्रों का दौरा कर छठ पूजा तैयारी की जानकारी ली एवं तैयारी पर अपना संतोष व्यक्त किया।

टीआरएस कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक का पुतला फूंका

हरीश राव के खिलाफ की गई टिप्पणी का मामला

सिद्दीपेट, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को थोगुटा मंडल में भाजपा विधायक एम रघुनंदन राव का पुतला फूंका, जब विधायक ने मुनुगोड़े में मीडिया से बात करते हुए वित्त मंत्री टी. हरीश राव के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की।

पार्टी मंडल अध्यक्ष जीदीपल्ली राम रेड्डी ने कहा कि रघुनंदन राव को हरीश राव जैसे दिग्गज नेताओं का सम्मान करना चाहिए। जबकि हरीश राव सिद्दीपेट के लोगों द्वारा भारी बहुमत के साथ लगातार छह बार विधानसभा के लिए चुने गए, रेड्डी ने कहा कि रघुनंदन राव केवल एक बार विधानसभा के लिए चुने गए, वह भी कम बहुमत के साथ।

एनआईएसए ने प्रतिष्ठित केंद्रीय गृह मंत्री ट्रॉफी जीती

सीवी आनंद के निदेशक रहते हासिल की थी उपलब्धि

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (एनआईएसए), हकीमपेट ने वर्ष 2020-21 के लिए राजपत्रित अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण संस्थान के लिए केंद्रीय गृह मंत्री की ट्रॉफी हासिल की है। यह उपलब्धि वर्तमान हैदराबाद पुलिस आयुक्त, सीवी आनंद के अकादमी के निदेशक रहने के दौरान हासिल की गई थी। सीआईएसएफ की केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी सीएपीएफ के सहयोगी संगठनों, राज्य पुलिस संगठनों, विदेशी पुलिस संगठनों, सिविल सेवकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों को औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और विमानन सुरक्षा में प्रशिक्षण प्रदान करने वाला संस्थान है। गृह मंत्रालय केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय स्तर पर स्क्रीनिंग करता है और तदनुसार बीपीआरएंडडी वर्ष के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण संस्थान के लिए एक सर्वेक्षण करता है। विभिन्न मापदंडों पर

बीपीआरएंडडी द्वारा गठित समिति द्वारा सावधानीपूर्वक जांच के बाद, एनआईएसए को वर्ष 2020-21 के लिए अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थान के रूप में चुना गया था। सीपी आनंद बीपीआरएंडडी, दिल्ली में पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके, इसलिए डीआईजी, एनआईएसए श्रीनिवास बाबू ने उनकी ओर से अमित शाह से ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और गृह मंत्री की डिस्क प्राप्त की और उन्हें उन्हें सौंप दिया। श्री आनंद ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान अकादमी अपने उत्कृष्टता का केंद्र बनने के अपने मिशन के प्रति समर्पित थी। शारीरिक प्रशिक्षण, अधिकारियों के संवारने और उनके नैतिक और प्रेरणा को बनाए रखने में कई वैज्ञानिक तरीके पेश किए गए।

प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे को अद्यतन किया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए उपकरणों का आधुनिकीकरण किया गया कि अधिकारी प्रशिक्षुओं को सर्वोत्तम प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान की जाएं। कोविड -19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद, अधिकारी प्रशिक्षुओं को पहली बार घुड़सवारी, रॉक-क्लाइम्बिंग और व्यापक जंगल-युद्ध रणनीति में प्रदर्शन दिया गया।

उपचुनाव के तहत गृह मंत्री महमूद अली की कार की भी जांच

नलगोंडा जिला, 26 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु उप चुनाव मे गृह मंत्री महमूद अली की कार की भी जांच की गयी। इस संदर्भ में, टीएस सरकारी सूत्रों ने बताया कि, चूंकि अगले माह की 3 तारीख को मुनुगोडु उप चुनाव हो रहे हैं तथा इसके चलते लगभग मुख्य राजनीतिक दलों जैसे टीआरएस, कांग्रेस, जन सेना टीडीपी व स्वतंत्र उम्मीदवारों द्वारा जोरशोर से चुनाव प्रचार किया जा रहा है एवं इन विविध पार्टियों में आपसी तनाव का माहौल चल रहा है तथा इन नेताओं द्वारा दूसरे पार्टी के नेताओं पर अनाप शनाप आरोप लगाया जा रहा है, ताकि यहां की जनता उनकी पार्टियों को वोट देकर जीता सके। इसमें चुनाव प्रचार समाप्त होने चलते सभी मुख्य राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा भारी संख्या में मुनुगोडु को रवाना हो रहे हैं।

जुआ खेलने आरोप में 14 गिरफ्तार, 80 हजार नकद बरामद

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर कोटी, पूतलीबाबली में एक कॉमन गेमिंग हाउस पर छापा मारा। पुलिस टीम ने छापे के दौरान 14 लोगों को जुआ खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोगों के पास से 80,135 रुपए नकद आदि बरामद हुई है। गिरफ्तार लोगों में चंडी शेखर, बाजा साईबाबा, उपाध्याय राजाराम,

सुशील यादव, मल्लेपुला, करनाला मल्लेश, गोविंद यादव, मोगिला गणेश, कावले विशाल, सिल्वर रघु. एमडी हुसैन, कीर्ति प्रवीण, टी. विनोद कुमार, बुसा संतोष शामिल है।

अमावस्या के उपलक्ष्य में विश्वमंगल गौशाला में काफी गो भक्तों ने तन मन धन से सेवा दी। इसमें शामिल हैं केराराम, पेपाराम, ताराराम, छोलाराम, लुंबाराम सीरवी, कैलाश, पवन, जीवाराम, भरत मोहन सीरवी, प्रभुजी विश्नोई गौशाला मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, सचिव धर्माराम सुथार आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने मनाया दीपावली पर्व

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज के कार्यालय में दीपावली के पर्व पर दीपावली की पूजा की गई। पूजा में उपस्थित समाज के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान, केंद्रीय समिति सदस्य सुभाष गर्ग, संतोष टांटिया, मुकेश केडिया, श्रीमती दीपा अग्रवाल, पवन डोकानिया, रोहित अग्रवाल, मुदित पित्ती आदि उपस्थित थे।

अनंत सिंह की पत्नी के लिए कैंप करेंगे ललन सिंह

लोकसभा चुनाव में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ चुनाव लड़ी थी नीलम देवी

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बैटल ऑफ मोकामा का असली मिजाज अब दिखने लगा है। बाहुबली बनाम बाहुबली की लड़ाई में अब यहां नेताओं के बनते-बिगड़ते नए रिश्तों के परिदृश्य भी देखने को मिलेंगे। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं महागठबंधन के नए स्वरूप का असली प्रयोग इसी मोकामा में होगा।

इसी के तहत अब जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह मोकामा में कैंप करेंगे। यहां वे अलग-अलग क्षेत्रों में जनसंपर्क और छोटी जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां के बाद 28 और 29 अक्टूबर को ललन सिंह गोपालगंज जाएंगे।

ललन सिंह के मोकामा जाने के मायने, यहां सवर्ण वोटर्स जिस पाले में, जीत उसी की

मोकामा विधानसभा क्षेत्र में कुल 2.68 लाख वोटर हैं। इस सीट पर अहम भूमिका भूमिहार, कुर्मी, यादव, पासवान की है। राजपूत और रविदास जैसी जातियां भी यहां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस सीट पर साल 2000 में सबसे अधिक मतदान 76.70 प्रतिशत हुआ था। इस दौरान 83.4 पुरुषों और 69.01 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया था। इस विधानसभा क्षेत्र के बारे में कहा जाता है कि सवर्ण वोट जिस पाले में उस पार्टी की जीत होनी तय है।

मुंगेर से ललन सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ी थी नीलम

ललन सिंह यहां जिस अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी के पक्ष में कैंपेन करेंगे, कभी वही उन्हें चुनाव में हराने पर अमादा थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में मुंगेर से ललन सिंह को नीलम देवी ने कड़ा टक्कर दिया था। मुकाबला इतना जोरदार था कि मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में आने वाले इसी मोकामा में अनंत सिंह पिछड़ भी गए थे। हालांकि बाकी जगह वे भारी पड़े थे।

पिछले 20 वर्षों से इस सीट पर जेडीयू का एकछत्र राज रहा है। पहले जब वे नीतीश कुमार के करीबी थे तब यहां से तीर का बोलाबाल रहता था। उनके आरजेडी में जाने के बाद यहां लालटेन जली। दशकों बाद यहां से बीजेपी की प्रत्याशी बाहुबली ललन सिंह की पत्नी सोनम देवी मैदान में हैं। इलाके के जानकारों की मानें तो चेहरा भले ललन सिंह हों लेकिन। असली मुकाबला सूरजभान सिंह और अनंत सिंह के बीच ही है।

2005 के चुनाव से ही मोकामा मतलब अनंत सिंह हो गया है। इससे पहले कुल 16 चुनाव में 7 बार कांग्रेस, तीन बार जेडीयू, तीन बार निर्दलीय उम्मीदवार, दो बार जनता दल, एक बार रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया यहां से जीत चुकी है। आज तक बीजेपी यहां से नहीं जीती है, वहीं 1985 में आखिरी बार कांग्रेस ने यहां से जीत दर्ज की थी। हालांकि अब बदले हुए समीकरण में बीजेपी यहां भी अपनी पूरी ताकत लगाएगी।

अनंत सिंह को ललन सिंह का श्रेय भी कहा जाता है। अनंत सिंह को क्राइम की दुनिया से राजनीति की चौखट पर लाने का श्रेय ललन सिंह को ही जाता है। ये ललन सिंह के सहारे ही कभी अनंत नीतीश के करीबी बने थे और बिहार में उन्हें छोटे सरकार का दर्जा दिया गया। हालांकि 2015 के बाद दोनों के बीच रिश्ते बिगड़ते चले गए। इसके बाद पहले अनंत सिंह ने जेडीयू का दामन छोड़ यहां से निर्दलीय चुनाव जीता।

साल 2015 के विधानसभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार से उनके संबंध बिगड़ गए। चुनाव से ठीक पहले अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पटना के सरकारी मकान से छापेमारी में कई अवैध सामग्री बरामद हुई।कई बड़े मामले में उनका नाम सामने आया। इसके बाद भी वे 2015 में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी अपनी दावेदारी ठोकी और जीत भी हासिल की। साल 2020 चुनाव के दौरान अनंत सिंह जेल में बंद होते हुए भी राजद प्रत्याशी के रूप में खड़े हुए और चुनाव जीते।

2005 से लगातार जीतते रहे चुनाव, नीतीश भी जोड़ते थे हाथ

साल 2005 में नीतीश कुमार की जेडीयू ने अनंत सिंह को मोकामा से उम्मीदवार बनाया। उन्होंने लोजपा के नलिनी रंजन शर्मा उर्फ ललन सिंह को हराकर जीत का ताज पहना।

साल 2010 में भी अनंत सिंह ने जेडीयू के टिकट पर जीत हासिल की।इस बीच नीतीश के साथ अनंत सिंह का कद भी बढ़ते चला गया। स्थिति ये थी कि नीतीश कुमार भी अनंत सिंह के सामने हाथ जोड़ते थे।

डेंगू के मरीज को 'मौसम्बी जूस' चढ़ाने वाले अस्पताल पर चलेगा बुलडोजर!

प्रशासन ने दिया डिमॉलिशन नोटिस

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक अस्पताल में डेंगू मरीज को प्लेटलेट्स की जगह मौसम्बी जूस चढ़ाए जाने के मामले में आरोपी अस्पताल पर बुलडोजर चलने की तैयारी है। इसको लेकर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अस्पताल प्रबंधन नोटिस जारी किया है। विकास प्राधिकरण ने जांच में पाया कि आरोपी के अस्पताल की बिल्डिंग का नक्शा पास नहीं हुआ था।

बता दें, प्रयागराज के झलवा इलाका स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल पर प्लेटलेट्स की जगह मौसम्बी जूस चढ़ाए जाने का आरोप लगाया गया था। डेंगू मरीज की जब हालत बिगड़ने लगी तो उसको दूसरे अस्पातल में ले जाया गया। वहां उसकी मौत हो गई थी। मामला सामने आने के बाद प्रदेश सरकार एक्शन में आई। राज्य के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने जांच के आदेश दिए। जिसके बाद अस्पातल की जांच शुरू हुई। जांच में पाया गया कि ग्लोबल हॉस्पिटल के भवन के नक्शे को मंजूरी नहीं मिली है। इसके बाद इसे ध्वस्त करने का नोटिस जारी कर दिया गया है।

बता दें, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ट्वीट करते सख्त कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा था कि जिला प्रयागराज में डेंगू के मरीज को मौसम्बी जूस चढ़ाने के वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए अस्पताल को तत्काल सील कर दिया गया और प्लेटलेट्स के पैकेट को जांच के लिए भेज दिया गया है। दोषी पाए जाने पर अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' इससे पहले अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके तिवारी ने कहा था कि प्रारंभिक जांच में कुछ अनियमितताएं पाए जाने के बाद अस्पताल को सील कर दिया गया था। प्रयागराज में एक डेंगू मरीज जिसका नाम प्रदीप पांडेय था। उसको इलाज के लिए ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां मरीज की मौत का कारण प्लेटलेट्स की जगह मौसम्बी का जूस चढ़ाया जाने का आरोप झलवा में स्थित ग्लोबल हॉस्पिटल लगाया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि प्लेलेट्स चढ़ाने के बाद मरीज की तबीयत बिगड़ने लगी। मरीज को तत्काल दूसरे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मरीज के परिजनों ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया था।

उन्होंने मरीज को चढ़ाए गए प्लेटलेट्स को फर्जी करार दिया। कहा था कि यह मौसम्बी का जूस है। इसे मरीज को गलत तरीके से चढ़ाया गया।

पत्नी फंदे पर झूली, पति वीडियो बनाता रहा

ससुराल वालों को क्लिप भेजी, महिला के माता-पिता पहुंचे तो बेड पर पड़ा था शव

कानपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के गुलमोहर विहार नौबस्ता इलाके में एक महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि फांसी लगाते समय पति उसी कमरे में मौजूद था। वह पत्नी को रोकने या बचाने के बजाय उसका वीडियो बनाता रहा।

पति ने वीडियो पत्नी के घर वालों को भेज दिया। वीडियो देखकर कानपुर में ही रहने वाले महिला के माता-पिता घर पहुंचे। वहां बेटी बेसुध हालत में बेड पर पड़ी थी। माता-पिता बेटी को आनन-फानन में हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लिया है।

पत्नी का फंदा लगाने का वीडियो बनाया

कानपुर के किदवई नगर ई-ब्लॉक निवासी राजकिशोर गुप्ता ने बताया, 18 फरवरी 2017 को बेटी शोभिता की शादी हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के गुलमोहर विहार निवासी संजीव गुप्ता से की थी। शादी के बाद से ही पति और ससुराल के लोग दहेज के लिए मारपीट और प्रताड़ना दे रहे थे।

25 अक्टूबर को बेटी को इतना प्रताड़ित किया कि उसने फांसी लगाकर जान दे दी। दामाद संजीव वीडियो बनाता रहा। इसके बाद उसने हमको वीडियो भेज दिया। पिता राजकिशोर समेत अन्य परिवार के लोग बेटी के ससुराल पहुंचे तो उसका शरीर पूरी तरह से ठंडा पड़ चुका था। इसके बाद उसे हॉस्पिटल ले गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पति बोला- उसकी हरकतें दिखाने के लिए बनाया वीडियो

पूछताछ के दौरान आरोपी पति संजीव ने बताया कि 25 अक्टूबर को दोनों के बीच झगड़ा हो गया था। इसके बाद वह फांसी लगाने की बात कहकर पंखे में फंदा बना रही थी, तो उसका वीडियो बनाकर मायके वालों को भेज दिया। इस दौरान उसने फांसी नहीं लगाई और उतर आई।

ससुराल वालों को वीडियो भेजते हुए कहा कि अपनी बेटी की हरकतें देख लो। संजीव का दावा है कि इसके बाद फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और पत्नी ने दोबारा फांसी लगाकर जान दे दी। पति यही सोचता रहा कि पत्नी फांसी लगाने की धमकी या फिर नाटक कर रही है और कुछ ही देर में शोभिता ने दम तोड़ दिया।

मायावती ने किया योगी सरकार से सवाल

अगर गैर सरकारी मदरसे बोझ नहीं बनना चाहते तो इसमें दखल क्यों?

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मदरसों के सर्वे पर सवाल उठाया है। मायावती ने कहा कि गैर सरकारी मदरसे सरकार पर बोझ नहीं बनना चाहते तो फिर इनमें दखल क्यों? उन्होंने कहा कि सरकारी मदरसा बोर्ड के मदरसों के टीचर व स्टाफ के वेतन आदि के लिए बजट प्रावधान हेतु खास तौर से सर्वे कराया जाता है, तो क्या यूपी सरकार इन प्राइवेट मदरसों को अनुदान सूची में शामिल करके उन्हें सरकारी मदरसा बनाएगी? बीएसपी सरकार ने 100 मदरसों को यूपी बोर्ड में शामिल किया था।

मायावती ने कहा कि यूपी सरकार द्वारा विशेष टीम गठित करके लोगों के चंदों पर आश्रित प्राइवेट मदरसों के बहुचर्चित सर्वे का काम पूरा, जिसके अनुसार 7,500 से अधिक 'गैर-मान्यता प्राप्त' मदरसे गरीब बच्चों को तालीम देने में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस सरकार ने 'मदरसा आधुनिकीकरण' के नाम पर वहां के छात्रों को उनकी पसंद की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के बजाय उन्हें ड्राइविंग, मैकेनिक, कारपेंटर आदि की ट्रेनिंग के जरिए छात्रों की तालीम व उन मदरसों का भी अपमान किया और अब आगे देखिए बीजेपी सरकार में उनका क्या होता है? उन्होंने कहा कि वैसे यूपी व देश के अन्य सभी राज्यों में भी सरकारी स्कूलों के साथ-साथ पूरी शिक्षा व्यवस्था के हालात जो लगातार बदतर होते चले जा रहे हैं वह किसी से भी छिपा नहीं है, फिर भी सरकारें लापरवाह व उदासीन क्या इसलिए हैं कि वहां ज्यादातर गरीब व कमजोर वर्गों के बच्चे ही पढ़ते हैं?

20 साल पुराने हत्या केस में यूपी सरकार की अपील को ट्रांसफर करने से एससी का इनकार

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें 20 साल से अधिक पुराने हत्या के मामले में मिश्रा को बरी करने के खिलाफ दायर उत्तर प्रदेश सरकार की अपील को ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश यू ललित और बेला एम त्रिवेदी की पीठ को बताया गया कि ट्रांसफर की मांग इस आधार पर की गई थी कि वरिष्ठ वकील, जिन्हें लखनऊ में मामले की बहस करनी है, आमतौर पर इलाहाबाद में रहते हैं और उनकी उम्र के कारण यह संभव नहीं होगा कि वह तर्क-वितर्क के लिए लखनऊ तक जाए। पीठ ने कहा कि हम इन सभी मुद्दों में नहीं जाते हैं क्योंकि हमारे विचार में, उच्च न्यायालय से 10 नवंबर 2022 को निपटान के लिए अपील पर सुनवाई करने का अनुरोध, उच्च न्यायालय द्वारा दी गई तारीख और दोनों वरिष्ठ वकील द्वारा सहमति न्याय के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि वरिष्ठ वकील लखनऊ आने में असमर्थ हैं, तो उक्त वकील को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत करने की अनुमति देने के अनुरोध पर हाई कोर्ट द्वारा विचार किया जा सकता है।

छठ पर्व की धूम शुरू

बिहार के गंगा घाटों पर उमड़ा छठव्रतियों का सैलाब, एनएच 28 पर महाजाम

कटिहार, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में छठ महापर्व की धूम शुरू हो गई है। बुधवार सुबह से ही सूबे के विभिन्न गंगा घाटों पर छठव्रतियों की भीड़ उमड़ पड़ी। गंगा जल भरने के साथ ही श्रद्धालुओं ने छठ पर्व की शुरुआत की। कई जगहों पर भीड़ ज्यादा होने और प्रशासन की व्यवस्था नाकाफी होने की वजह से श्रद्धालुओं को दिक्कत का सामना करना पड़ा। छठ पूजा का पर्व 31 अक्टूबर तक चलेगा। बेगूसराय में एनएच 28 पर 10 किलोमीटर लंबा महाजाम लग गया है। कटिहार जिले के प्रसिद्ध मनिहारी गंगा घाट पर बुधवार अलसुबह से गंगा स्नान करने वाले हजारों की संख्या में छठव्रती इकट्ठा हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल, निजी वाहन, ऑटो ट्रेक्टर आदि से मनिहारी गंगा घाट पहुंच रहे हैं। अंबेडकर चौक से गंगा घाट तक लोगों की लंबी कतारे लगी थी। यहां पर कटिहार जिले के अलावा पूर्णिया, मधेपुरा, सुपौल, किशनगंज, अररिया सहित पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल के छठ व्रती पतीत पावनी गंगा मे स्नान कर पूजा अर्चना कर अपने गंतव्य के लिए निकल रहे हैं। नहाय खाय तक मनिहारी गंगा घाट पर श्रद्धालुओ की भीड़ रहेगी। भीड़ को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन सख्त है। एसडीएम कुमार सिद्धार्थ एसडीपीओ मनोज कुमार खुद भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे हैं।

बुखार व जुकाम के साथ इस बीमारी से जकड़े लोग

आंख और नाक पर हो रहा असर

आगरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा के बदलते मौसम, आतिशबाजी के धुएं ने लोगों को बीमार कर दिया है। पारा गिरने से सर्दी, खांसी, जुकाम के साथ बुखार आ रहा है। साथ ही धुएं से आखें और नाक बहने की शिकायतें हैं। एसएनएमसी की ओपीडी में मंगलवार को ऐसे ही मरीजों की अधिकता रही। सोमवार को अवकाश के बाद ओपीडी मंगलवार को खोली गई। इसमें सामान्य दिनों की अपेक्षा मरीज कम आए। लेकिन ज्यादातर मरीज मौसम और पटाखों के धुएं की मार के पीड़ित सबसे ज्यादा रहे। मेडिसिन विभाग में सबसे ज्यादा 177 मरीज रिकार्ड किए गए। इनमें बुखार, सर्दी, खांसी के पीड़ित थे। इसके बाद त्वचा रोग विभाग में 118 मरीज देखे गए। इनमें एलर्जी के मरीज थे। साफ-सफाई के दौरान धूल, पेंट आदि के त्वचा पर पड़ने के बाद दिक्कतें हो रही हैं। दाने निकल आए हैं और खराश, त्वचा का सूखापन जैसी दिक्कतें हैं। तीसरे नंबर पर हड्डी रोग विभाग में 100 मरीज थे। इनमें से ज्यादातर सड़क हादसों के घायल और पुराने फालोअप मरीज रहे। कुल मिलाकर ओपीडी में 917 मरीज देखे गए। इनमें 113 पुराने थे। टीबी मरीजों की दिक्कतें बढ़ीं ऐसे मौसम में टीबी मरीजों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। उन्हें अस्पताल आना पड़ रहा है। मंगलवार को टीबी विभाग में 14 नए और 53 पुराने मरीज आए। खराब हवाओं से इनकी तबीयत बिगड़ गई। पांच मरीजों को भर्ती भी करना पड़ा है।उनका दवा छोड़ना घातक होगा। बता दें कि इस समय यूपी में 6 बुखार का खतरा मंडरा रहा है। रोजाना सैकड़ों लोग वायरल, डेंगू, चिकनगुनिया, टायफाइड, मलेरिया और सीजनल बुखार से ग्रस्त होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा डेंगू का खतरा है। इनके अलावा कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों में उतार चढ़ाव जारी है।

बेटी का अफेयर था, चलती कार में गला घोंटा

घर से 80 किमी शव फेंक कर भागे पुलिस पर नजर रखने पहुंचे तो पकड़े गए

हाजीपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैशाली में पिछले तीन दिन पूर्व लड़की की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। उसकी हत्या अफेयर के चलते परिवार ने ही की थी। लड़की अपने प्रेमी के साथ 2 बार घर से भाग गई थी। इसलिए परिवार ने चलती कार में लड़की का गला घोंट दिया। शव को 80 किलोमीटर दूर वैशाली जिले में लाकर फेंक दिया, ताकि पहचान न हो सके, लेकिन एक गलती से आरोपी पकड़े गए।

पुलिस की जांच पर नजर रखने पहुंचे पिता और उसके साथी मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान चेकिंग में पुलिस ने दोनों को रोक लिया। पिता बाइक छोड़कर भाग गया, जबकि उसका साथी पैक्स अध्यक्ष पकड़ा गया। पुलिस की पूछताछ में हत्या का पूरा मामला खुल गया। पुलिस ने इस मामले में लड़की के भाई और मां को भी गिरफ्तार किया है।

भगवानपुर थाना अध्यक्ष परमहंस कुमार ने बताया कि लड़की सोनी कुमारी छपरा जिले के भेलदी थाने के मदारपुर गांव की रहने वाली थी। उसका गांव के ही एक लड़के से अफेयर था। इसकी वजह से वह घर से दो बार भाग गई थी। बदनामी की वजह से परिवार नाराज था। पिता मनोज सिंह, अपने बेटे-पत्नी और पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। 21 अक्टूबर की रात को लड़की को उसके परिजन अपने रिश्तेदार के यहां लेकर निकले। छपरा से भगवानपुर थाना क्षेत्र के हरपुर गांव के पास सभी ने मिलकर लड़की की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को बानथू गांव के चौर में फेंक कर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने अब तक मदारपुर के पैक्स अध्यक्ष राजीव कुमार, लड़की की मां रंजू देवी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, घटना को अंजान देने वाली गाड़ी के मालिक गोलू कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि लड़की का पिता मनोज सिंह फरार है। सदर एसडीपीओ ओम प्रकाश ने बताया कि इस मामले में पुलिस उस कार को भी बरामद कर लिया है, जिससे घटना को अंजाम दिया गया था। साथ ही एक बाइक को भी जब्त किया गया है।

सिगरेट को लेकर दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे, एक की मौत, दूसरा जख्मी

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक पान-मसाले की दुकान पर युवकों के दो गुट में विवाद हो गया। जिसके बाद युवकों के बीच ईंट-पत्थर और लाठी-डंडा चलने लगा। जिससे एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे युवक की हालत गंभीर है। कैंट थाना ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी युवकों की तलाश शुरू कर दी है। ये मामला कैंट थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक टीपी नगर निवासी अंकित यादव सिविल लाइंस स्थित के होटल में काम करता था। मंगलवार को वह अपने साथियों के साथ सिविल लाइंस आ रहा था। देर रात अंकित महिला ग्राम इंटर कॉलेज के पास एक चाय की दुकान पर बाइक से पहुंचा। उसके साथ अन्य छह लड़के थे। तभी एक अन्य स्कूटी से तीन लड़के उस दुकान पर आ गए। स्कूटी पर सवार लड़कों की अंकित से सिगरेट को लेकर झगड़ा हो गया। यहां तक कि लड़कों ने अंकित को मारने की धमकी दे डाली। थोड़ी देर बाद बाइक से अंकित अपने दोस्त गोविंद और अमन के साथ सिविल लाइंस होटल जाने के लिए निकला। तभी स्कूटी सवार युवकों ने आगे से अंकित को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिए। इससे बाइक पर बैठे 19 साल का अंकित और अमन नीचे गिर गए।

घाट के निरीक्षण के दौरान सीएम नीतीश को लगी चोट, पेट और पैर हुए थे जख्मी

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बीते 15 अक्तूबर को छठ घाट के निरीक्षण के दौरान चोट लगी थी। यह जानकारी अब उन्होंने खुद ही मीडिया को दी है। मुख्यमंत्री ने दानापुर के नासरीगंज से पटना शहर के गायघाट तक का निरीक्षण किया था। उसी दौरान खबर सामने आई थी कि नीतीश कुमार अपना संतुलन को बैठे और एक पिलर से जाकर टकरा गए। हालांकि यह खबर किसी तरह दब गई थी। अब उन्होंने मंगलवार को मीडिया को जानकारी दी कि उनके पेट और पैर में चोट लगी थी। पेट में अभी भी पट्टी बंधी हुई हैं। मीडिया के कैमरों के सामने उन्होंने अपना कुर्ता हटाकर जख्म दिखाया। उन्होंने यह भी बताया कि वो गाड़ी की आगे की सीट पर तबस नहीं बैठ रहे हैं, क्योंकि आगे की सीट में सीट बेल्ट लगाना होगा। डॉक्टर ने जख्म वाली जगह को ठीक से रखने के लिए कहा है। पटना के छठ घाटों का जायजा लेने के दौरान वह स्टीमर पर सवार हुए थे। इसी बीच यह हादसा हुआ। हादसे में मुख्यमंत्री कुमार को काफी चोटें लगी थीं। तब अफसरों ने मामूली चोट बताते हुए इनकार कर दिया था।

पुलिस और बदमाशों के बीच चलीं गोलियां

गोली लगने से दो आरोपी घायल, तीन को भेजा जेल

मेरठ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ में दौराला पुलिस की टोल प्लाजा के पास तीन बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। बदमाश साधारणपुर से एक किसान को बंधक बनाकर तीन भैंस लूटकर भाग रहे थे। बदमाशों ने घेराबंदी होते देख दौराला पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। वहीं पुलिस की ओर से हुई फायरिंग में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस ने तीन बदमाशों को हिरासत में लिया है। वहीं पुलिस ने घायलों को उपचार दिलाने के बाद तीनों बदमाशों को जेल भेज दिया।

थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह उन्हें सूचना मिली की तीन बदमाश इंचौली थाना क्षेत्र के साधारणपुर गांव से एक किसान को बंधक बनाकर तीन भैंस लूटकर भाग रहे हैं। इस पर दौराला पुलिस ने हाईवे पर चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस को टोल प्लाजा के पास बदमाशों के होने की सूचना मिली थी। जिस पर बदमाशों की पुलिस ने घेराबंदी की।

वहीं खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस पर दौराला पुलिस ने भी फायरिंग की। फायरिंग में गांव भानवाड़ा, थाना रतनपुरी जिल मुजफ्फरनगर निवासी जीशान पुत्र सोफिन व गांव खरदौनी थाना इंचौली निवासी खलील पुत्र आसी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों के अलावा पुलिस ने हरथला थानाा सिविल लाइन मुरादाबाद निवासी अजीम पुत्र शमी खान को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने बदमाशों के पास से लूटी गई भैंस, दो तमंचे 315 बोर, चार खोखा कारतूस, 10 जिंदा कारतूस, एक गाड़ी बरामद की। पुलिस ने बदमाशों से पूछताछ की। जिसमें अन्य बदमाशों के नाम प्रकाश में आए। पुलिस अन्य बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

झुमके में बम-गोले : मौत के सामान से श्रृंगार

ब्रिटिश अखबार में स्टोरी छपी तो दुनिया भर से डिमांड

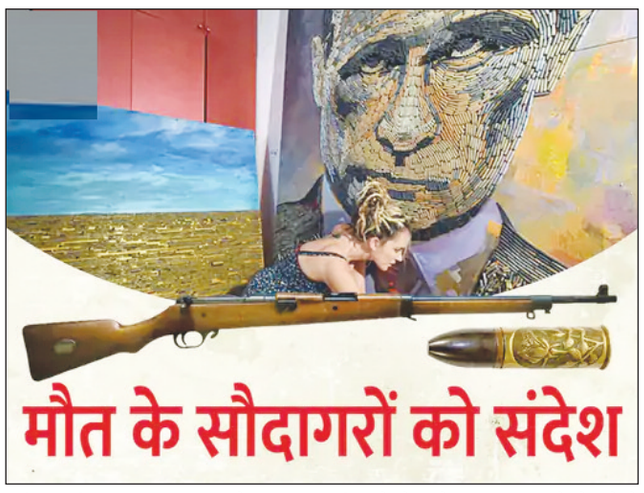

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंदूक से निकली गोलियों का काम क्या होता है? जाहिर सी बात है- जान लेना और तबाही मचाना। 18वीं सदी के फ्रांसीसी सैनिक 'हेनरी गुस्ताव डेलविग्ने' ने यही सोच कर मॉडर्न बुलेट्स बनाई थीं कि ये उनके दुश्मनों की जान लेगी। डाइनामाइट की खोज करने वाले अल्फ्रेड नोबेल हों या हथगोले बनाने वाले विलियम मिल्स; इनमें एक चीज कॉमन है, ये सभी पुरुष थे, जो तबाही का सामान बनाकर चले गए। आने वाली पीढ़ियों ने उसे चलाकर करोड़ों लोगों की जान लीं।

क्या आप यह भी यकीन करेंगे कि कुछ महिलाएं इन गोलियों से गहने बना रही हैं। जी हां; मौत के सामान से श्रृंगार। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के थमने की कोई सूरत नहीं दिख रही है। लेकिन इसी जंग में एक और मोर्चा खुला है; जहां हथियारों की जगह 'कलाकारों' का बोलबाला है।

केवल यहीं नहीं : बल्कि अफगानिस्तान, सोमालिया, आर्मेनिया-अजरबैजान सहित दुनिया के जिन इलाकों में जंग छिड़ी है; वहां युद्ध के साथ-साथ इस्तेमाल हुए हथियारों से कलाकारी भी की जा रही है। अब आपके मन में यह सवाल उठ रहा होगा कि युद्ध के मैदान में असलहों से आर्ट बनाने का ख़याल कहां से और क्यों आता है? इसे बनाने की शुरुआत कहां से हुई और इसे बनाने वाले की सोच क्या है? बहरहाल, साफ-सीधे शब्दों में कहें तो युद्ध के दौरान हथियारों से बनी आर्ट को 'ट्रेंच आर्ट' कहते हैं।

रूस ने 2014 में हमला करके यूक्रेनी इलाके क्रीमिया को अपने साथ मिला लिया था। जिसके बाद एक यूक्रेनी कलाकार ने 5 हजार कारतूसों से रुसी राष्ट्रपति पुतिन की एक तस्वीर बनाई। पुतिन के जंगी जुनून को दिखाती इस तस्वीर ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। जिसके बाद पश्चिमी देशों और यूएन ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए। वहीं, अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद वहां की महिलाओं की आजादी एक बार फिर छिन गई है। हर कदम पर तालिबान और उनकी बंदूकों का साया है। ऐसे में तालिबानियों को आइना दिखाने के लिए वहां की महिलाएं गोलियों और बमों के सेल से झुमके, छल्ले और कान की बालियां बना रही हैं। ब्रिटिश अखबार 'द संडे टाइम्स' ने इन महिलाओं की स्टोरी छापी। जिसके बाद गोलियों से गहने बनाने वाली इन महिलाओं के प्रोडक्ट की मांग दुनिया भर में होने लगी। जंग और हथियारों के मुखर विरोधी भी गोलियों से बने आर्ट पीस को अपने ड्रॉइंग रूम में सजाना चाहते हैं। ट्रेंच आर्ट के बारे में जानने के लिए अब जरा इतिहास के पन्नों को उलटते हैं।

जब पहला विश्वयुद्ध चल रहा था। दुनिया भर के नौजवानों को उनकी सरकारें मोर्चों पर भेज रही थीं। इनमें शायर, आर्टिस्ट और टीचर भी शामिल थे। अपने घर से हजारों किलोमीटर दूर जब ये कलाकार जंग के मैदान में पहुंचे, जो इनके मिजाज से बिल्कुल उलट था, तब अपने अंदर की कला को जिंदा रखने के लिए उन्होंने वॉर वेस्ट जैसे खाली कारतूसों, बमों के खोल जैसी चीजों को कलात्मक रूप देना शुरू किया। यही नहीं उन्होंने इस वार वेस्ट से जूलरी तक डिजाइन की। इससे एक और नई कला का जन्म हुआ जिसे 'ट्रेंच आर्ट' कहा गया। दरअसल, इन सैनिकों को जबरदस्ती जंग में झोंका गया था। ये किसी की जान नहीं लेना चाहते थे। ऐसे में इन्होंने गोलियों और बमों की कलाकृतियां बनाकर अपने मन की भड़ास निकाली।

हथियार से सजने-संवरने की कला है ट्रेंच आर्ट

ट्रेंच आर्ट का मतलब है जंग में इस्तेमाल होने वाली चीजों को आर्टिस्टिक रूप देना। लंबे समय से इस कला का इस्तेमाल जंगी जुनून को आइना दिखाने के लिए किया जाता रहा है। वैसे तो युद्ध के सामान से कलाकृतियां सैकड़ों सालों से बनाई जाती रही हैं, पर पहली बार 'ट्रेंच आर्ट' शब्द का इस्तेमाल पहले विश्वयुद्ध में हुआ। युद्ध के मोर्चे पर खाली समय में सिपाहियों ने गोलियों, तलवारों और बंदूकों के साथ कलाकारी की। कुछ ने इन कलाकृतियों को बतौर गिफ्ट अपनी पत्नियों और प्रेमिकाओं को भेजा। जिसके बाद पूरी दुनिया में 'ट्रेंच आर्ट' पॉपुलर हो गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	में
चंद्र-		में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	कन्या	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	तुला	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारभ समय		
कन्या...	03-30	बजे
तुला-	05-36	बजे
वृश्चिक	07-46	बजे
धनु---	10-01	बजे
मकर-	12-06	बजे
कुंभ-	14-56	बजे
मीन...	15-34	बजे
मेष--	17-10	बजे
वृष--	18-54	बजे
मिथुन..	20-56	बजे
कर्क...	23-07	बजे
सिंह...	01-20	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **12-45** तक उपरान्त, तृतीया
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष ,गुरूवार, **27 Oct**
नक्षत्र -विशाखा - **12 -10** - तक उपरान्त,
योग - आयुष्मान **-07 - 26** - तक उप- सौभाग्य
करण- कौलव - **12 - 45** - तक उप- तैतिल
विशेष:- विश्वकर्मा पूजा,चित्रगुप्त पूजा
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि योग-१२~१० से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:26 से 14:53 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:16 - 07:40	शुभ	अमृत	17:46 - 19:19	शुभ
रोग	07:40 - 09:07	अशुभ	चंचल.	19:19 - 20:53	शुभ
उत्पात	09:07 - 10:33	अशुभ	रोग	20:53 - 22:26	अशुभ
चंचल	10:33 - 11:59	शुभ	काल	22:26 - 00:00	अशुभ
लाभ	11:59 - 13:26	शुभ	लाभ.	00:00 - 01:34	शुभ
अमृत	13:26 - 14:53	शुभ	उत्पात	01:34 - 03:07	अशुभ
काल	14:53 - 16:19	अशुभ	शुभ.	03:07 - 04:41	शुभ
शुभ	16:19 - 17:43	शुभ	अमृत	04:41 - 06:15	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है।हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी। आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा।आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते। आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा।आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं।कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी।आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी।आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा।विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी।अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें।इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं।आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे।समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है।आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी। अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी। साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे। अपनी मेल देख लें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें। आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं। आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा।अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं।अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये आपको काफी अच्छा महसूस होगा। ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है। इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है।थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें।जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें।ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं। लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें। आपके पास अच्छी संचार कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें।तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

ऋषि सुनक की नियुक्ति पाकिस्तान के लिए आश्चर्य की बात

आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने की भारत की तारीफ

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की जितनी चर्चा ब्रिटेन में है। उससे कहीं ज्यादा भारत में। कांग्रेस और भाजपा के बीच इस पर वाकयुद्ध जारी है। इस बीच आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने भारतीय लोकतंत्र की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक की नियुक्ति पाकिस्तान के लिए आश्चर्य की बात हो सकती है, जहां अल्पसंख्यक व्यक्ति सरकार में शीर्ष पदों पर नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, भारतीय लोकतंत्र में ऐसा नहीं है। बता दें, ऋषि सुनक की नियुक्ति के बाद से भाजपा और कांग्रेस के बीच वाक युद्ध जारी है। एक तरफ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम, शशि थरूर ने बहुसंख्यकवाद पर घेरा है तो भाजपा नेताओं ने मनमोहन सिंह, अब्दुल कलाम और द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण पेश कर कांग्रेस नेताओं का मुंह बंद कराने की कोशिश की।

ऐसा केवल भारत में ही संभव

आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने कहा, भारतीय मुसलमानों को किसी अन्य तथाकथित इस्लामी देश में ऐसी स्वतंत्रता मिलना असंभव है। लेकिन यह केवल भारत में संभव है कि कश्मीर का एक मुस्लिम युवा भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष पर जा सकता है, सरकार के शीर्ष पदों पर पहुंच सकता है, फिर सरकार से अलग हो सकता है और फिर भी उसी सरकार द्वारा वापस लिया जा सकता है।

चिदंबरम-थरूर की सलाह : भारत में भी हो अल्पसंख्यक पीएम

भाजपा बोली-मनमोहन सिंह को बहुत जल्दी भूल गए क्या?

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऋषि सुनक ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री चुन लिए गए हैं। इस पद पर पहुंचने वाले वे पहले एशियाई और भारतवंशी हैं। सुनक के पीएम बनने पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम और शशि थरूर ने एक नई बहस छेड़ दी है। लगे हाथ भाजपा को भी मौका मिला और उसने भी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। जानिए, दोनों नेताओं और भाजपा ने क्या कहा और कांग्रेस ने खुद को कैसे इनके बयान से अलग किया।

सबसे पहले जानते हैं चिदंबरम और थरूर ने क्या कहा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के तौर पर जैसे ही ऋषि सुनक का ऐलान हुआ, कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने ट्वीट किया- पहले कमला हैरिस और अब ऋषि सुनक। अमेरिका और UK के लोगों की तरह भारत को भी अल्पसंख्यकों को सत्ता में लाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में हार चुके शशि थरूर ने भी चिदंबरम के बयान का समर्थन किया और कहा- अगर ऐसा होता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। यह मजबूत लोकतंत्र के लिए अच्छा संदेश होगा।

भाजपा बोली-क्या मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री नहीं मानते

भाजपा ने पी. चिदंबरम और शशि थरूर के बयान पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा- कांग्रेस में अल्पसंख्यक का मतलब एक वर्ग विशेष है। उनके अलावा ये किसी को अल्पसंख्यक नहीं मानते। जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब ये दोनों नेता उनके मंत्रिमंडल में थे। लेकिन, कांग्रेस के लोग शायद मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री मानते ही नहीं हैं।

कांग्रेस ने दोनों के बयान को गलत बताया

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी की ओर से बयान जारी करते हुए कहा- भारत को किसी भी देश से सबक लेने की जरूरत नहीं है। भारत में कई अल्पसंख्यक राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उन्होंने जाकिर हुसैन, फखरुद्दीन अली अहमद और एपीजे अब्दुल कलाम के राष्ट्रपति बनने का उदाहरण दिया। उनका बयान चिदंबरम और थरूर को फटकार के रूप में देखा जा रहा है।

कनाडा में तिरंगे का अपमान

खालिस्तानी समर्थकों ने राष्ट्रीय ध्वज को पांवों से रौंदा, भारत विरोधी नारे भी लगाए

जालंधर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की एक घिनौनी हरकत सामने आई है। बंदी छोड़ दिवस पर कनाडा के शहर ब्रैम्पटन में जहां जमकर खालिस्तानी नारे लगाए, वहीं पर उन्होंने भारत की शान तिरंगे का अपमान भी किया। कार में तिरंगा झंडा लेकर जा रहे लोगों के हाथ से छीन कर उसका अपमान किया गया। दरअसल, भारत से ब्लैक लिस्टेड खालिस्तानी समर्थक कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में बंदी छोड़ दिवस की रात को हाथों में अपने खालिस्तानी झंडे लेकर पहुंच गए। वहां पर वह नारेबाजी करने लगे। इतने में जब वहां रहते भारतीयों को पता चला तो वह भी गाड़ियों में तिरंगे लेकर मौके पर पहुंच गए। गाड़ियों में तिरंगे झंडे देख कर खालिस्तानी समर्थक भड़क उठे। कारों के आगे खड़े हो गए।

इसके बाद जोर-जोर से खालिस्तानी नारे लगाने लगे। कारों में बैठे लोग भी हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लग पड़े। खालिस्तानी सड़क पर ओपन में खड़े थे जबकि तिरंगे लेकर भारतीय कारों में थे। खालिस्तानी समर्थक तिरंगे झंडे पर टूट पड़े। विदेशी धरती पर भी भारतीयों से मिली चुनौती पर बौखलाहट में खालिस्तानी समर्थकों ने कारों की खिड़कियों से तिरंगा फहरा रहे लोगों के हाथ से राष्ट्रीय ध्वज छीन कर जमीन पर फेंक कर दिया। उन्होंने पांवों के नीचे कुचल कर भारतीय तिरंगे का अपमान किया। जिससे कनाडा में रह रहे भारतीयों में खासा रोष है। उन्होंने वहां पर इसकी शिकायत भी की है।

अर्चना नाग सेक्स स्कैंडल में घिरे बीजद के कई नेता

अब मामले में ईडी की भी एंट्री

भुवनेश्वर, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। डिशा के चर्चित अर्चना नाग सेक्स स्कैंडल में सत्तारूढ़ बीजद सरकार के कई नेता घिरते चले जा रहे हैं। आए दिन अर्चना नाग के साथ बीजद के नेताओं की तस्वीरें सामने आ रही हैं। ऐसे में अब इस हाईप्रोफाइल मामले में प्रवर्तन निदेशालय की भी एंट्री हो गई है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय जांच एजेंसी ने ओडिशा पुलिस से इस मामले में प्राथमिकी की कॉपी मांगी है।

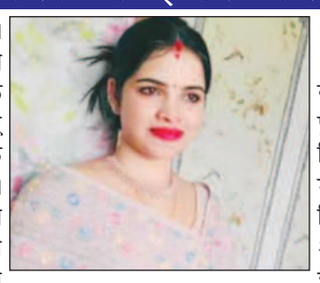

पुलिस आयुक्त सौमेंद्र प्रियदर्शी ने बताया कि ईडी अधिकारियों ने अर्चना नाग मामले में दर्ज प्राथमिकी की कॉपी मांगी है। संभव है कि जल्द ही ईडी नए सिरे से मामले की जांच शुरू करे।

दरअसल, पुलिस ने हाल ही में अर्चना नाग के घर से मोबाइल फोन, लैपटॉप, पेन ड्राइव व कम्प्यूटर जब्त किया था। इसके बाद मामले में वित्तीय लेनदेन और अनियमितताओं का एंगल सामने आया, जिसके बाद आने के बाद पुलिस ने कहा था कि अगर मामले में निजी लोग शामिल हैं तो ईडी या फिर आयकर विभाग जांच कर सकता है।

महिला की शिकायत पर दर्ज हुई थी प्राथमिकी

बता दें, हाल ही में एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ साल पहले अर्चना नाग ने उसके ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ मिलाया था। इसके बाद उसकी अश्लील तस्वीरें ली गईं, जिनका इस्तेमाल कर सेक्स वीडियो बनाए गए। महिला ने बताया था कि इन वीडियो का इस्तेमाल कई राजनैतिक व बड़े लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए किया गया था।

कई बड़े नेताओं के साथ अर्चना की तस्वीरें

जैसे-जैसे यह मामला आगे बढ़ता जा रहा है, नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अभी तक बीजद के कई नेताओं के साथ अर्चना नाग की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं, जिसके चलते पुलिस के लिए भी यह मामला उलझता जा रहा है। ऐसे हैं भाजपा सरकार ने मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। उधर, इस मामले में ईडी की एंट्री के बाद संभावना है कि अर्चना के पति जगबंधु चंद के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच शुरू करे।

आतंकी हमलों के बाद मई से 17 कश्मीरी पंडित परिवारों ने छोड़ी घाटी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने कहा है कि कश्मीरी पंडितों के 17 परिवारों ने अपने समुदायों पर टारगेट आतंकवादी हमलों के बीच मई के बाद दक्षिण कश्मीर में अपना घर छोड़ दिया है। इस साल पूरे कश्मीर में नागरिकों, अल्पसंख्यकों और प्रवासियों पर टारगेट हमलों में कम से कम 17 लोग मारे गए हैं। इनमें से तीन कश्मीरी पंडित थे।

केपीएसएस ने कहा कि नौ परिवार सोमवार को घाटी से चले गए। केपीएसएस ने कहा, आज कश्मीरी पंडितों के 9 और परिवार दक्षिण कश्मीर से घाटी छोड़ गए। 5 सितंबर 2022 से 17 कश्मीरी पंडित के परिवारों ने कश्मीर छोड़ दिया। केपीएसएस अध्यक्ष सजय टिक्कू ने कहा कि वह घाटी छोड़ने वाले परिवारों से बात करेंगे। उन्होंने कहा, "मैं उनसे (परिवारों) बात करूंगा कि 32 साल बाद उन्हें कश्मीर छोड़ने के लिए क्या मजबूर किया?" 15 अक्टूबर को 56 वर्षीय कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण की शोपियां जिले में उनके आवास के पास आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आतंकी संगठन कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स जिसे व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा के एक अंग के रूप में देखा जाता है, उन्होंने हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस घटना के दो दिन बाद पूरे जम्मू कश्मीर में व्यापक विरोध शुरू हो गया था। इसी वर्ष 16 अगस्त को शोपियां जिले में एक अन्य कश्मीरी पंडित सुनील कुमार भट की हत्या कर दी गई थी, जबकि उसका भाई घायल हो गया था।

पुलिस ने बताया था कि दोनों अपने सेब के बाग में काम कर रहे थे, जब हमला हुआ। इसी तरह 12 मई को समुदाय के एक सरकारी कर्मचारी राहुल भट की आतंकवादियों ने बडगाम में उनके कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पंजाब में सीएम और किसान आमने-सामने

संगरूर में धरनास्थल पर मनाई दिवाली; भगवंत मान बोले-राज्य सरकार से जुड़ी मांगें पूरी कर चुके

चंडीगढ़, 27 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में आप सरकार के सीएम भगवंत मान और किसान संगठन आमने-सामने हो गए हैं। सीएम के संगरूर आवास के समक्ष अनिश्चितकालीन समय के लिए धरने पर बैठे किसानों ने अपने बच्चों के साथ धरनास्थल पर ही दिवाली मनाई। इस दौरान किसानों ने पटाखे चलाए और मिठाइयां बांटी। किसानों ने 17वें दिन जारी इस धरना प्रदर्शन के दौरान राज्य सरकार द्वारा मांगे नहीं मानने के विरोध में पंजाब सरकार मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि मांगे नहीं मानी गई तो 29 अक्टूबर को बड़े एक्शन की घोषणा की जाएगी।

वहीं इस मुद्दे पर सीएम भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार से जुड़ी सभी मांगे पूरी की जा चुकी हैं। जो मांगे केंद्र से संबंधित हैं, उन्हें वहां भेज दिया गया है। राज्य सरकार लगातार उनकी पैरवी भी कर रही है। किसानों से कई बार मीटिंग भी हो चुकी है।

सीएम भगवंत मान को पूरी करनी

वहीं किसान नेता जोगिंदर उगराहां ने कहा कि उनकी मांगे सीएम भगवंत मान को पूरी करनी हैं। उनके साथ कई बार मीटिंग करनी पड़ती हैं। पहली बार मांग मनवाने और फिर उसे लागू करवाने के लिए भी धरना देना पड़ रहा है।

इंकलाबी नाटक और गीत पेश किया

लोक कला मंच मुल्लापुर की टीम ने इंकलाबी नाटक और गीत पेश किया। भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रांतीय प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि सीएम भगवंत मान ने झूठे वादे कर लोगों को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि धरने के दौरान जान गंवाने वाले 2 किसानों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजे की मांग पर अभी तक सरकार ने कोई फैसला नहीं किया है।

मुख्य मार्ग पर 3 किलोमीटर तक बैठे हैं किसान

संगरूर में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन संगरूर-पटियाला मुख्य मार्ग पर चल रहा है। पटियाला बाइपास से फ्लाईओवर तक करीब 3 किलोमीटर के रास्ते पर किसान बैठे हैं। किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली और लंगर का सामान सड़क के दोनों किनारों पर रखा है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 अक्टूबर, 2022

हथियारों से खेलती महाशक्तियां

आज पाकिस्तान में लश्कर-ए-झांगवी, पाकिस्तानी तालिबान, अफगान तालिबान और कुछ अन्य आतंकवादी गुट पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार के लिए चुनौती बन गए हैं।

ये चुनी हुई सरकार को गिरा कर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है और परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं, तो तय है कि पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरनाक देश बनने में देर नहीं लगेगी।

पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चिंता जताते हुए कहा कि परमाणु हथियार संपन्न पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक देश है। भारत ऐसा अनेक बार कह चुका है। इस चेतावनी के बावजूद बाइडेन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस वाजिब चिंता को दूर करने के लिए अमेरिका क्या कदम उठाएगा। जब तक इस चिंता को दूर करने के लिए कोई पहल नहीं की जाएगी, ऐसे बयानों का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है।

वैसे अमेरिका का यह बयान कुटिल चतुराई लगता है, क्योंकि हाल ही में उसने पाकिस्तान को सोलह लड़ाकू विमान और उनके रखरखाव के लिए पैंतालीस करोड़ डालर की आर्थिक मदद की है। 2018 के बाद से यह पाकिस्तान को की गई सबसे बड़ी मदद है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद पर यह कह कर रोक लगा दी थी कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में कोई सहायता नहीं कर रहा है। दरअसल, बाइडेन ने यह मदद देकर भारत के संदर्भ में जले पर नमक छिड़कने का काम किया है।

बाइडेन ने यह बयान लास एंजिलिस में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए चीन, रूस और पाकिस्तान से जुड़ी समस्याओं को अमेरिका की विदेश नीति के समक्ष तीन चुनौतियों के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग को मालूम है कि वे क्या चाहते हैं, लेकिन उनके साथ कई तरह की समस्याएं भी हैं। मुझे लगता है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं और वहां कोई सामंजस्य नहीं है।

बाइडेन ने चीन की तरफ से अमेरिका को मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा और यूक्रेन-रूस संकट से उपजे वैश्विक हालात को भी रेखांकित किया। दरअसल, हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु युद्ध की परोक्ष धमकी दी है। इधर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर भारत समेत कई पश्चिमी देश चिंता जता चुके हैं। उन्हें आशंका है कि पाकिस्तानी परमाणु हथियार कहीं आतंकियों और जिहादियों के हाथ लग गए, तो संकट खड़ा हो सकता है।

परमाणु हथियारों पर नजर रखने वालों की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास इस समय 140 से 150 परमाणु हथियार हैं। अगर परमाणु अस्त्र निर्माण की उसकी यही गति जारी रही तो 2025 तक इनकी संख्या बढ़ कर 220 से 250 हो जाएगी। इस तरह पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाएगा। अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआइए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट ने भी कहा कि पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है।

पाकिस्तान की यह खुंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में बढ़ रहे हैं। आतंकवाद, ढह रही अर्थव्यवस्था और परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण। आर्थिक संकट के ऐसे ही बदतर हालात से उत्तर कोरिया भी जूझ रहा है। ये दोनों देश भारत और अमेरिका पर परमाणु हमला करने की धमकी देते रहते हैं।

पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरनाक देश हो या न हो, लेकिन भारत के लिए जरूर है। दशकों से वह भारत पर हमला करने के लिए आतंकियों का इस्तेमाल करता रहा है। मुंबई और संसद पर हमले के सरगना दाऊद और हाफिज सईद को पाक ने शरण दे रखी है। इसके अलावा वह कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करा कर भारत की नाक में दम किए हुए है।

हालांकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को संरक्षण देने के उपाय अब उसके लिए भी संकट बन रहे हैं। वहां आतंकी संगठनों का संघर्ष शिया बनाम सुन्नी अतिवाद में तब्दील होने लगा है। इससे पाक में अंतर्कलह और अस्थिरता बढ़ी है। बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में इन आतंकियों पर नियंत्रण के लिए सैन्य अभियान चलाने पड़े हैं। बावजूद इसके, पाकिस्तान की एक बड़ी आबादी सेना और खुफिया तंत्र तालिबान, अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी गुटों को खतरनाक नहीं मानते। इन आतंकियों को 'अच्छे सैनिक' माना जाता है, जो धर्म के लिए अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं।

आज पाकिस्तान में लश्कर-ए-झांगवी, पाकिस्तानी तालिबान, अफगान तालिबान और कुछ अन्य आतंकवादी गुट पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार के लिए चुनौती बन गए हैं। ये चुनी हुई सरकार को गिरा कर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है और परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं, तो तय है कि पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरनाक देश बनने में देर नहीं लगेगी। इस नाजुक परिस्थिति में सबसे ज्यादा जोखिम भारत को उठाना होगा।

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे। इन बमों से हुए विस्फोट और उसके रेडियोधर्मी विकिरण के कारण लाखों लोग मरे और हजारों लोग अनेक वर्षों तक लाइलाज बीमारियों की गिरफ्त में रहे। विकिरण प्रभावित क्षेत्रों में दशकों तक अपंग बच्चे पैदा होते रहे। तब आणविक हथियार निर्माण की प्रारंभिक अवस्था में थे, पर तब से लेकर अब तक परमाणु हथियार निर्माण की दिशा में बहुत प्रगति हो चुकी है। लिहाजा, अब इन हथियारों का इस्तेमाल होता है तो बर्बादी की विभीषिका हिरोशिमा और नागासाकी से कहीं ज्यादा भयावह होगी। इसलिए कहा जा रहा है कि आज दुनिया के पास इतनी बड़ी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि समूची धरती को एक बार नहीं, अनेक बार नष्ट किया जा सकता है।

जापान के आणविक विध्वंस से विचलित होकर ही 9 जुलाई, 1955 को अलबर्ट आइंस्टीन और प्रसिद्ध ब्रिटिश दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी करके आणविक युद्ध से फैलने वाली तबाही की ओर इशारा करते हुए शांति के उपाय अपनाने का संदेश देते हुए कहा था, 'यह तय है कि तीसरे विश्व-युद्ध में परमाणु हथियारों का प्रयोग निश्चित किया जाएगा। इस कारण मनुष्य जाति के लिए अस्तित्व का संकट पैदा हो जाएगा, मगर चौथा विश्वयुद्ध लाठी और पत्थरों से लड़ा जाएगा।' इस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया था कि जनसंहार की आशंका वाले सभी हथियारों को नष्ट कर देना चाहिए।

तय है, भविष्य में दो देशों के बीच हुए युद्ध की परिणति अगर विश्व-युद्ध में बदलती है और परमाणु हमले शुरू हो जाते हैं तो हालात कल्पना से कहीं ज्यादा डरावने होंगे। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस भयावहता का अनुभव कर लिया था, इसीलिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में आणविक अस्त्रों के समूल नाश का प्रस्ताव रखा था। मगर परमाणु महाशक्तियों ने इस प्रस्ताव में कोई रुचि नहीं दिखाई, क्योंकि परमाणु प्रभुत्व में ही उनकी शक्ति अंतनिर्हित है। अब तो परमाणु शक्ति संपन्न देश, कई देशों से असैन्य परमाणु समझौते करके यूरेनियम का व्यापार कर रहे हैं। परमाणु ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा की ओट में ही कई देश परमाणु-शक्ति से संपन्न देश बने हैं और हथियारों का जखीरा इकट्ठा करते जा रहे हैं।

दुनिया में फिलहाल नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं- अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और ब्रिटेन के पास परमाणु बमों का बड़ा भंडार है। हालांकि ये पांचों देश परमाणु अप्रसार संधि में शामिल हैं। इस संधि का मुख्य उद्देश्य परमाणु हथियार और इसके निर्माण की तकनीक को प्रतिबंधित रखना है। हालांकि ये देश इस मकसद को पूरा नहीं कर पाए। पाकिस्तान ने ही तस्करी के जरिए उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार निर्माण तकनीक हस्तांतरित की और वह आज परमाणु शक्ति संपन्न नया देश बन गया है।

-प्रमोद भार्गव

ब्रिटेन के नए वायसराय

जिस ब्रिटेन ने अपने वायसराय के जरिए भारत में कभी राज किया था आज उसी ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक वायसराय बन कर राज कर रहे हैं। स्वाभाविक ही यह भारत के लिए बहुत ही खुशी की बात है। भारत में आज उनके हिंदू होने के तरह-तरह के तर्क गढ़े जा रहे हैं। बता दें कि सुनक के पूर्वजों की जड़ें अविभाजित भारत से जुड़ी हैं। उनका परिवार गुजरांवाला जो अब पाकिस्तान में है वहां के हैं। वे और उनके परिवार का हिंदू धर्म में बडी आस्था है। समय के फेर देखिए कि औपनिवेशिक सत्ता के बरक्स एक भारतीय मूल के व्यक्ति ने ब्रिटिश हुकूमत के शीर्ष स्थान पर पहुंच कर राज करना शुरू किया है। अमेरिका में तमिलनाडु मूल की कमला हैरिस उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचीं थीं तब भी ऐसा ही गर्व महसूस किया गया था। अब यदि भारत ने सुनक से कुछ उम्मीदें पाल ली हैं तो वह स्वाभाविक ही हैं। मगर ब्रिटेन वाले भी सुनक से दूसरी उम्मीदें पाले बैठे हैं। वहां के सांसदों ने उनमें एक ऐसे कुशल प्रशासक के गुण देखे हैं, जो एकता और स्थायित्व की दिशा में ब्रिटेन को आगे बढ़ा सकता है। क्योंकि पीएम लिज ट्रस मात्र पैंतालीस दिनों में ही वहां की चरमरा चुकी अर्थव्यवस्था को संभालने से जवाब दे दिया कि उनके वश की बात नहीं है। बता दें कि ब्रिटेन अर्थव्यवस्था के मामले में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। महंगाई ने सारे रिकार्ड तोड दिए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ऊर्जा मामलों में उसे अपनी जरूरतें पूरी करने में भी मुश्किलें पेश आ रही हैं। बिजली के बढ़े दाम आम लोगों की क्षमता से बाहर निकल चुके हैं। ऐसी स्थिति में ब्रिटिश सरकार के पास दो ही रास्ते बचे हैं। चाहे तो वह करों में बढ़ोतरी करे या फिर खर्चों में कटौती। सरकार के लिए ये दोनों ही कदम जोखिम भरे हैं। सुनक वित्तमंत्री रह चुके हैं और उनके पास अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के कुछ नुस्खे हैं, जिन पर वहां के लोगों को भरोसा किया है। हालांकि किसी भी नए शासक के पास कोई जादू की छड़ी नहीं होती, जिसे घुमा कर एकदम से खराब अर्थव्यवस्था को सुधार दे। सुनक के पास कुछ बेहतर उपाय हो सकते हैं, लेकिन ब्रिटेन को वर्तमान स्थितियों से बाहर निकालना उनके लिए आसान नहीं होगा। उनके सामने सबसे बडी चुनौती देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ ही पार्टी की छवि भी सुधारने का दारोमदार है। अगर उनकी सरकार खर्चों में कटौती का फैसला करती है, तो आम लोग विद्रोह में सडक पर उतर सकते हैं। ब्रिटेन की हालत यहां तक खस्ता हो चुकी है कि लोगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। बड़ी संख्या में छोटे कारोबार बंद हो गए हैं जो बचे हैं वे भी तेजी से बंद होते जा रहे हैं। पौंड की कीमत चिंताजनक स्तर पर लुढ़क चुकी है, जिससे वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। लोगों को चिंता है कि सर्दी में घर गरम करने के लिए वे बिजली का खर्च कैसे जुटाएंगे। फिर भी उम्मीद है कि व्यापारिक संबंधों को बेहतर बना कर वे इस दलदल से जल्दी बाहर निकल आएंगे। बताना जरूरी है कि कुछ सालों में भारत और भारतीय मूल के लोगों के प्रति वहां के नागरिकों में कुछ नकारात्मक भावनाएं भरनी शुरू हो गई थीं, जिन्हें दूर करने में जवाबदारी भी सुनक पर ही है। अभी लेस्टर में हुए सांप्रदायिक दंगों से भी वहां के उदारवादी लोकतांत्रिक ताने-बाने को चोट पहुंची है। सुनक ने स्पष्ट कर दिया है कि वे भारत के साथ व्यापारिक समझौतों को पूरी मजबूती के साथ लागू रखेंगे और कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देंगे। सुनक युवा हैं और चाल-चरित्र और चेहरे से पूरी तरह ऊर्जा से भरे हुए दिखते हैं। इसलिए उनसे बेहतर प्रबंधन की उम्मीदें अधिक हैं। वित्तमंत्री रहते हुए उन्होंने अर्थव्यवस्था के लिए जिन बदलावों की सलाह दी थी, उन्हें नहीं माना गया और वही हुआ, जिसकी आशंका उन्होंने जताई थी। अब वे अपने उन सुझावों पर अमल कर सकते हैं। निस्संदेह उनमें ब्रिटेन को आर्थिक दलदल से बाहर निकालने और उसे सामाजिक रूप से बिखरने से रोकने का माद्दा साफ झलक रहा है।

पाक पर क्यों मेहरबान हुआ अमेरिका

ऐसे वक्त जब अमेरिका पाकिस्तान को फिर से गले लगा रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले शनिवार उसे दुनिया का सबसे खतरनाक देश बताकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हैरान कर दिया। पाकिस्तान ने 150 से अधिक परमाणु हथियारों का भंडार जमा कर लिया है और इसका बटन किसके हाथ में है, इस पर अमेरिकी और यूरोपीय हलकों में अक्सर शंका जाहिर की जाती रही है।

पाकिस्तान में आतंकवादी और जिहादी तत्वों का बोलबाला रहने की वजह से अमेरिका की उस पर गहरी नजर रहती है लेकिन उसने आधिकारिक तौर पर कभी यह नहीं कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बमों का भंडार सुरक्षित हाथों में नहीं है।

फिर भी, सचाई कभी-कभी मुंह से निकल जाती है। ऐसे ही संभवतः गलती से, बाइडन के मुंह से निकल गई। यही वजह रही कि अमेरिकी प्रशासन ने फिर अपने ही राष्ट्रपति की बात को काटते हुए बयान जारी किया कि पाकिस्तान के परमाणु बमों पर सरकार का विश्वसनीय नियंत्रण है।

बाइडन ने यह बात किसी आधिकारिक मंच से नहीं बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी की एक सभा में कही थी। जाहिर है, यह अमेरिका की अधिकृत नीति में फिट नहीं बैठ रहा था।

इस बीच, पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के इस बयान पर घोर एतराज जाहिर किया। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने अपने राष्ट्रपति के बयान से मुकरने में ही भलाई समझी।

तो क्या अमेरिकी प्रशासन सचाई जानते हुए उस पर पर्दा डालने का काम कर रहा है? असल में अमेरिका अस्सी के दशक से ही पाकिस्तान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर परदा डालने की कोशिश करता रहा है।

अस्सी के दशक में जब दुनिया भर में चर्चा होने लगी कि पाकिस्तान परमाणु बम बना रहा है तो अमेरिकी संसद में भी इस पर चिंता जाहिर की गई थी।

तब की रॉनल्ड रेगन सरकार ने पाकिस्तान को छूट देते हुए उसे सैनिक और आर्थिक मदद जारी रखने पर जोर दिया।

उस समय अफगानिस्तान में सोवियत संघ समर्थित सरकार थी, जिसके खिलाफ पाकिस्तान 'अग्रिम मोर्चे का देश' बना हुआ था। सोवियत साम्यवाद को अधिक खतरनाक मानते हुए तब अमेरिका ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम से आंखें मूंदने का फैसला किया।

इससे चिंतित होकर सांसद लैरी प्रेसलर ने अमेरिकी सीनेट में अन्य सहयोगी सांसदों के समर्थन से 1961 के विदेशी सहायता कानून में एक संशोधन प्रस्ताव पेश किया। इसमें प्रावधान था कि पाकिस्तान को सैनिक और आर्थिक मदद तभी दी जा सकती है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति प्रमाणित करें कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम नहीं है या वह परमाणु बम नहीं बनाने वाला।

तब रेगन सरकार का तर्क था कि पाकिस्तान को यदि अधिक सैनिक और वित्तीय मदद दी जाए तो वह परमाणु बम बनाने की जरूरत नहीं समझेगा। आखिरकार अमेरिकी संसद ने 1961 के विदेशी सहायता कानून में संशोधन को पारित कर दिया, जिसे प्रेसलर संशोधन के नाम से जाना गया। यह प्रस्ताव 8 अगस्त, 1985 से लागू हो गया।

ऋषि के दिलों में बसता है भारत

सुरेश गांधी

फिरहाल, ऋषि सुनक ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं. वह भारतीय हिन्दू हैं, जो ब्रिटेन में प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे. यह अलग बात है कि जिस ब्रिटेन ने हिंदुस्तान को ढ़ाई सौ बरस गुलाम बना कर रखा, आज उस देश का भारतवंशी सुपर नायक हैं. ब्रिटेन को उम्मीदें हैं कि सुनक उनके देश में दिन लेकर आएंगे। वह ब्रिटेन के सबसे युवा पीएम हैं। बता दें, ब्रिटेन की सत्ता के शीर्ष पर बैठने वाले सुनक पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं, वो हिंदू हैं। उनके दादा-दादी पंजाब से थे। 1960 के दशक में वे पूर्वी अफ्रीका से पलायन कर ब्रिटेन आए थे। सुनक के पिता एक डॉक्टर थे। उनकी मां एक फार्मेसी चलाती थीं। ऑक्सफोर्ड और स्टैनफोर्ड जैसी प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में पढ़ाई से पहले सुनक एक भारतीय रेस्तरां में वेटर के तौर पर काम करते थे। अंग्रेजी के अलावा ऋषि हिंदी और पंजाबी भाषा भी जानते हैं। खास यह है कि ऋषि सुनक अपनी धार्मिक पहचान को लेकर काफी मुखर रहते हैं। इसका प्रमाण उस वक्त देखने को मिला जब वह गीता पर हाथ रखकर ब्रिटेन की संसद में प्रधानमंत्री पद की शपथ ले रहे थे। हालांकि वह नियमित रूप से मंदिर जाते हैं। उनके बच्चे अनुष्का और द्रुष्णा की जड़ें भी भारतीय संस्द्धति से जुड़ी हैं। एक रैली में सुनक ने कहा था कि भले ही वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं, उन्हें अपने होने पर गर्व है। यह अलग बात है कि सुनक के पीएम बनते ही भारत में सियासी घमासान शुरू हो गया है. पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सुनक के बहाने मोदी सरकार पर तंज कसा है. वहीं कई कांग्रेस नेताओं ने भी इस पर अल्पसंख्यकों को लेकर बीजेपी सरकाप पर तंज कसा है. शशि थुरुर व महबूबा जैसे भारतीयों को इसमें भी सियासत दिखती है और हिदू-मुस्लिम कार्ड खेलने से बाज नहीं आते। कहते ब्रिटेन ने सबसे शक्तिशाली कार्यालय मेंअल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य को मौका दिया है। लेकिन वो भूल गए कि भारत के सबसे सर्वोच्च पद पर बैठने वाले मनमोहन सिंह व अब्दुल

कलाम अपसंख्यक ही थे। कार्यकाल के लिए सिख पीएम, मुस्लिम राष्ट्रपति, महिला प्रधानमंत्री, महिला राष्ट्रपति... ऐसे कई उदाहरण हैं।

यहां जिक्र करना जरुरी है कि दिवाली की शाम लोग दीये जलाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन नजरें टीवी चैनल और न्यूज वेबसाइट पर लगी थीं।

भारतीयों की उत्सुकता अपने देश की किसी खबर को लेकर नहीं, बल्कि अंग्रेजों के देश के लिए थी। जैसे ही चैनलों पर खबर फ्लैश हुई, दिवाली के

दिन भारतीयों को सबसे बड़ा गिफ्ट मिल गया। 200 साल तक भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों के मुल्क को अब एक भारतवंशी चलाएगा। इसे लेकर सोशल मीडिया से लेकर घर की बैठकों तक राज की चर्चा हो रही है। भारत में कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और नेताओं ने बधाई देते हुए इसे भारत के लिए गौरवशाली क्षण बताया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि ब्रिटेन ने 200 साल तक भारत पर शासन किया, लेकिन उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा कि भविष्य में ऐसा भी कुछ हो जाएगा।

बता दें, साल 2015 में यॉर्कशायर की रिचमंड सीट जीतकर टोरी नेता ऋषि सुनक का राजनीतिक सफर शुरू हुआ। फरवरी 2020 में साजिद जाविद के इस्तीफे के बाद सुनक चांसलर ऑफ एक्सचेकर के पद पर पहुंच गए। सुनक के कम अनुभव को लेकर कुछ लोगों को उन पर संदेह था लेकिन कोविड महामारी के दौरान आर्थिक मोर्चे को सफलतापूर्वक संभालकर उन्होंने अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया। कुछ महीनों पहले तक सुनक बोरिस जॉनसन कैबिनेट में वित्तमंत्री थे लेकिन उनके इस्तीफे ने ब्रिटेन में एक राजनीतिक परिवर्तन की नींव रखी। आज टैक्स-कटौती के लुभावने वादों के बजाय महंगाई को कम करने और अर्थव्यवस्था को बेहतर स्थिति में लाने की अपनी रणनीतिक की बदौलत ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गए हैं। कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में एमबीए की पढ़ाई के दौरान सुनक की मुलाकात उनकी फैशन डिजाइनर अक्षता मूर्ति से हुई थी। अगस्त 2009 में अक्षता और ऋषि शादी के बंधन में बंध गए। अक्षता मूर्ति इफोसिस के को-फाउंडर और भारत के सबसे अमीर लोगों की

सूची में शामिल नारायण मूर्ति की बेटी हैं। सुनक कई बार इसका जिक्र कर चुके हैं कि उन्हें अपने और ससुर पर बेहद गर्व है। ऋषि सुनक को हाउस ऑफ कॉमन्स में सबसे अमीर शख्स कहा जाता है जिनकी कुल संपत्ति 730 मिलियन पाउंड है। दावा तो यहां तक हैं उनकी पत्नी ब्रिटेन के सम्राट से भी ज्यादा अमीर हैं। माना जाता है कि दंपति की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा इनफोसिस की हिस्सेदारी से आता है। हालांकि 2015 में राजनीति में कदम रखने से पहले फाइनेंस के क्षेत्र में सुनका का एक सफल करियर रहा है। दंपति के पास लंदन, कैलिफोर्निया, सैंटा मोनिका और यॉर्कशायर में कई घर हैं। अक्सर सुनक और अक्षता मूर्ति अपनी संपत्ति को लेकर सुर्खियां बटोर चुके हैं।

जायसवाल क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने इस मौके पर दो टूक में कहा, जिस विंस्टन चर्चिल ने आजादी से पहले कहा था, भारतीयों में वो माद्दा ही नहीं जो देश संभाल ले, आज उन्हीं के देश ब्रिटेन का प्रधानमंत्री भारतवंशी है और उम्मींदे लगाएं है कि मोदी की तर्ज पर भारतीय ही उसे आर्थिक संकटों से उबार सकता है।

पगड़ी पर अस्पताल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चेला ढुलमुलदास ने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। वह ट्रेन से कटकर या फिर फंदे से लटककर इस दुनिया को टाटा बाय-बाय करना चाहता है। गुरु ठनठनलाल ने इस दुविधा को देखते हुए उसे सरकारी अस्पताल में अपनी ईहलीला समाप्त करने के सरल उपाय सुझाए। वही एक ऐसी जगह है जहाँ तड़पा-तड़पाकर ही सही छुट्टी दे ही देते हैं। न कानून का लफड़ा न पोस्टमार्टम का झंझट। वहाँ मारे जरुर जाएंगे, चाहे बिन मौत के मारे जाएँ।

गुरु ने आगे कहा - तुम जीवन को भागते भूत की लँगोटी की तरह झपट लेना चाहते हो तो अस्पताल में इसके लिए तुम्हें कुछ दान-दक्षिणा और कुछ भेंट पूजा करनी ही पड़ेगी। सब जानते हैं कि कफन की जेब नहीं होती, लेकिन सरकारी अस्पताल में ओढ़ने वाली चादर खलीते वाली कफन से कम नहीं होती। वह सिर्फ भुगतने और पीड़ा देने वाले को ही समझ में आता है। पीड़ा देने वाले का हाथ डॉक्टर का हो और वह भी खाली तो समझ जाओ कि वह कुछ भी हो सकता है लेकिन सरकारी डॉक्टर तो कतई नहीं। ऐसे अस्पताल बिना अनुभव के भी बहुत कुछ सिखा देते हैं। यहाँ दो तरह के लोग होते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि जिस प्रकार डॉक्टरों में हृदय रोग विशेषज्ञ, दंतरोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ आदि-आदि होते हैं, ठीक उसी प्रकार मरीजों में बहुत से अनुभवी अस्पताल रोग विशेषज्ञ भी होते हैं। ऐसे लोग जानते हैं कि अस्पताल तक जाने, डॉक्टर तक पहुँचने, इलाज करवाने की सबसे बढ़िया विधि क्या है। यदि तुम उनकी सेवाएँ प्राप्त नहीं करना चाहते तो समझ लो कि तुमने अस्पतालों के स्वर्ग का दरवाजा सीबीआई के पासवर्ड से बंद करवा लिया है। तब तुमउन रोगियों में गिनाओगे जिसकी अवस्था त्रिशंकुओं जैसों की होती है। हमारा एक मत यह भी है कि पुराने रोगियों को, जहाँ तक संभव हो, इनडोर पेशेंट ही बनना चाहिए, आउटडोर नहीं, क्योंकि आउटडोर तो किसी भी समय आउट हो सकता है, या किक आउट किया जा सकता है, पर इनडोर नहीं। तुम मानो या न मानो, लेकिन वास्तविकता यह है कि जिस तरह पुराने अपराधियों के लिए अस्पताल का फ्री बेड सबसे बढ़िया जगह है। इस सिद्धांत को मानते हुए यह नुगता भी ध्यान में रखना चाहिए कि जिस प्रकार जेल से कुछ दिन के लिए छूटनेवाला पुराना अपराधी समाज के लिए मृतप्राय होता है, ठीक इसी तरह पुराना मरीज अगर अस्पताल से छुट्टी पाकर बाहर आ जाए तो वह स्वयं अपने लिए मृतप्राय होता है। इसलिए जहाँ तक संभव हो, पुराने रोगियों को अस्पताल का बेड उस समय तक घेरकर रखना चाहिए, जब तक अस्पताल का पंचपन वर्षीय वार्ड ब्वाँय उनकी ठंडी देह को खींचकर शवगृह की शोभा न बना दें। कई जानकारों का यह भी कहना है कि अगर कोई रोगी कारोबारी प्रवृत्ति का है तो उसे अपना बेड़' पगड़ी पर उठाने की बिलकुल वैसी ही सुविधा है, जैसी किसी किराएदार को अपना मकान सबलेट करने की हम नहीं जानते कि अस्पताल बेड के लिए होनेवाली पगड़ीबाजी में कितनी सच्चाई है, क्योंकि जब से भारत की आधुनिक सभ्यता ने पुराने ढंग की सम्मानसूचक पगड़ी को धता बताई है, हमने विभिन्न प्रकार की पगड़ियों के बारे में सोचना ही छोड़ दिया है। अब हम न किसी से पगड़ी लेते हैं और न किसी को पगड़ी देते हैं।

अभी बाबा सेवकों के कब्ज़े में हैं

दिवाली के बाद घर के सभी स्वयंसेवक लस्त-पस्त पड़े हैं। कई दिनों से 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत सभी लगे हुए थे सफाई कार्यक्रम में अपने आप ही। चूँकि अब यहां भी अमरीका की तरह 'सामान सस्ता और मजदूरी महँगी' वाली विकसित स्थिति आने लगी है तो सदन ने खुद ही बहुमत से श्रमदान करने का निर्णय लिया । हमने मतदान में भाग नहीं लिया इसलिए इस वास्तविक श्रमदान में भाग लेने की बाध्यता नहीं थी।

यह कोई 'स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत' जैसा पहले से साफ़ जगह पर 'डिसइन्फैक्टेड झाडू फिराते हुए फोटो खिंचवाने का फ़िल्मी सूटिंग वाला काम तो था नहीं, 'भारत जोड़ो पदयात्रा' की तरह वास्तव में थका देने वाला काम था। कल इस सफाई मेराथन का अंतिम राउंड था जो देर रात तक चला। सो सभी धावक 'प्रसाद जी' के आंसू वाली स्थिति में थे-

मादकता से तुम आए
संज्ञा से चले गए थे
हम व्याकुल पड़े बिलखते
थे उतरे हुए नशे से।

इसलिए हमने भी किसी स्वयंसेवक को कष्ट देने का पाप करना उचित नहीं समझा।

निर्देशक मंडल के आजीवन अध्यक्ष की तरह बरामदे में अकेले ही बैठे थे। तथाकथित पट्ट शिष्यों को कहाँ फुर्सत दिवाली की राम-राम करने की या 'साल मुबारक' कहने की। होंगे कहीं दीये जलाने का विश्व रिकार्ड बनाने में व्यस्त। अखबार वाला भी दिवाली के चक्कर में आज जल्दी ही अखबार दे गया। हम अखबार में दिवाली के विज्ञापनों के बीच कोई खबर ढूँढने के असफल प्रयास में खोये हुए थे कि तोताराम के मुखर-मुग्ध स्वर ने मधुमती भूमिका को भंग किया, बोला- अब तो खुश, मिल गया दिवाली का तोहफा ?

हमने कहा- कैसा तोहफा ? दो महिने से अखबार वाले हल्ला मचाये हुए हैं- मोदी जी ने दिया केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों को दिवाली का तोहफा। अभी तक तो अच्छे दिन की तरह मृगतृष्णा साबित हो रहा है। नेताओं के वादे हैं, जब पूरे हो जाएँ तब विश्वास करना। बल्कि हमारा तो मानना है कि तसल्ली करने के लिए बैंक पासबुक दो-चार लोगों को दिखा लेनी चाहिए। कहा है ना- मियाँ मरा तब जानिये जब चालीसा होय।

बोला- और बातें सब बाद में पहले तो तू अपनी जुबान संभाल। किसी ने तेरे इस मुहावरे से 'भावनाएं आहत होने' को लेकर एफआई आर दर्ज़ करवा दी तो तेरी दिवाली का दिवाला निकल जाएगा। आगे कई छुट्टियां हैं, कई दिनों तक जमानत भी नहीं होगी।

हमने कहा- इसकी फ़िक्रर मत कर। यह किसी हिन्दू की भावना नहीं है जो किसी मुसलमान के अपने मरीज के लिए दुआ स्वरूप अस्पताल के किसी कमरे में नमाज पढ़ने तक से आहत हो जाए और जिसका पुलिस नोटिस भी ले ले और एफआईआर भी दर्ज कर ले। सच पूछे तो मुसलमानों की तो कोई भावनाएं ही नहीं होतीं। यदि कोई युवा नेता उन्हें गोली मारने या कोई संत उनकी महिलाओं से बलात्कार करने की धमकी दे दे तो भी उनकी भावनाएं आहत नहीं हो सकतीं। तो फिर मियाँ वाले इस मुहावरे से भी कुछ नहीं होगा। लेकिन तू तोहफा कौन सा बता रहा था। क्या मोदी जी वाले चर्चित लेकिन अभी भी लंबित तोहफे से अलग कुछ है ?

बोला- और क्या ? कल छोटी दिवाली को विराट ने ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान को हराया, यह क्या किसी तोहफे से कम है ?

हमने कहा- ये सब झुनझुने हैं जो दूध न पिला सकने वाली माँ हर रोते हुए बच्चे को थमाती है। कल अयोध्या में १५ लाख ७६ हजार दीयों का रिकार्ड बनाया लेकिन क्या उससे किसी की दाल में छोंक लगेगा या उन दीयों से यमुना खड़े इनामोत्सुक किसी ब्राह्मण को गरमी मिलेगी ?

बोला- आज सोमवार है। जब तक भाभी उठे तब तक 'गहलोत मोटर्स' के सामने वाले शिव-हनुमान मंदिर ही हो आते हैं।

हमें बिना किसी अतिरिक्त समय खर्च किये मुफ्त में दो बड़े देवताओं को आभारी बनाने का सुझाव पसंद आया और हम दोनों भोले बाबा के दर्शनों के लिए चल पड़े।

जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचे तो देखा,एक अत्यंत शांत और शालीन महिला वहीँ रखी पत्थर की एक बेंच पर बैठी थी। पता नहीं क्यों, हमें उसकी शक्ल पहचानी सी लगी । हमने जब तोताराम को अपना अनुमान बताया तो बोला- इसमें सोचने की क्या बात है, पूछ ही लेता हूँ। और उसने पूछा ही लिया- माते, क्या आप पार्वती जी हैं ?

वह महिला कुछ अनखाती सी बोली- तो और कौन इतनी सुबह यहां आकर बैठेगा ?

हमने कहा- माते, अब थोड़ी ठण्ड होने लग गई है। अच्छा हो, आप अंदर ही बैठें।

बोलीं- अंदर ही तो बैठे थे लेकिन क्या करें, कोई बड़े नेता आ गए हैं दर्शन करने। तोतराम ने कहा- लेकिन माते, ऐसा कौन इतना बड़ा नेता आ गया जो आपको वहाँ नहीं बैठने दे ?

व्रत पर्वों वाला कार्तिक का शुक्ल पक्ष

इन दिनों दीपदान, तुलसी पूजा और तीर्थ स्नान का महत्व

पंचमी तिथि घटने से 14 दिन का रहेगा पखवाड़ा

कार्तिक महीने के आधे दिन बीत गए है। 8 नवंबर तक इसका शुक्ल पक्ष रहेगा। स्नान-दान और पर्व के इस महीने में भगवान भगवान विष्णु और देवी तुलसी की पूजा भी खासतौर से की जाएगी। श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि ये महीना मुझे बहुत प्रिय है। इस पूरे महीने दीपदान भी किया जाता है। स्नान-दान और पर्व के महीने के शुक्ल पक्ष की तिथियां कम रहेंगी। यानी ये 14 दिनों का रहेगा। इस दौरान तीर्थों में स्नान और दान किया जाएगा। साथ ही भगवान विष्णु और तुलसी पूजा भी होगी।

तिथियों की घट-बढ़ फिर भी शुभ

कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि क्षय हो रही है। इसलिए ये पखवाड़ा 14 दिनों का ही रहेगा। वहीं, आखिरी दिन यानी कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण होगा। ज्योतिषीयों का मानना है कि तिथि क्षय और ग्रहण के साथ महीना खत्म होना देश-दुनिया के लिए ठीक संकेत नहीं है। इससे अंतराष्ट्रीय स्तर पर उथल-पुथल होगी। कुछ देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। अंतराष्ट्रीय बाजारों में भी बड़े उतार-चढ़ाव होंगे।

महिलाओं के लिए खास शुक्ल पक्ष

छठ पूजा के तीन दिन और आंवला नवमी जैसे पर्वों पर महिलाएं पति की लंबी उम्र, संतान की सेहत और परिवार की समृद्धि की कामना से व्रत-उपवास करती हैं। इसके बाद देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह होगा। फिर प्रदोष व्रत होगा। इसके बाद 8 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ ये पक्ष खत्म हो जाएगा।

ब्रह्ममुहूर्त में नहाने का विधान

महिलाएं कार्तिक महीने में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान का संकल्प लेती हैं। इसमें हर दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले उठकर नदियों, झीलों या तालाबों में नहाती है। इस व्रत में घर पर भी पवित्र नदियों का पानी मिलाकर नहा सकते हैं।

ब्रह्मवैवर्त, स्कंद और विष्णुधर्मोत्तर पुराण में बताया गया है कि इस तरह स्नान करने से महिलाओं की लंबी उम्र और अच्छी सेहत के साथ ही अखंड सौभाग्य और समृद्धि भी मिलती है। कार्तिक महीने के इस स्नान से जाने-अनजाने हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

कुंडली में खराब है चंद्रमा तो धारण करें मोती

रत्न हर किसी के जीवन में अहम भूमिका अदा करते हैं रत्नों को धारण करने से जातक व्यक्ति की सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं वही इनका उचित प्रयोग व्यक्ति की किस्मत भी चमका सकता है रत्न ज्योतिष शास्त्र में मोती रत्न को बेहद ही शुभ और पवित्र माना जाता है इसमें मोती को चंद्रमा का रत्न कहा गया है सच्चा मोती दुर्लभ और चमत्कारी माना जाता है।

वही ज्योतिष अनुसार जिन जातकों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर या फिर अशुभ प्रभाव देता है तो ऐसे लोगों को मोती जरूर धारण करनी चाहिए मान्यता है कि मोती धारण करने से कुंडली का चंद्रमा मजबूत होता है और शुभ प्रभाव भी प्रदान करता है तो आज हम आपको अपने इस लेख दवारा मोती रत्न को धारण करने के फायदें और नियम बता रहे हैं तो आइए जानते हैं।

ज्योतिष की मानें तो अशुभ चंद्रमा केवल मानसिक तनाव ही नहीं देता है बल्कि यह घर का सुख चैन भी छीन लेता है अशुभ चंद्रमा होने से जातक को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है ऐसे लोगों को आर्थिक परेशानियां भी उठानी पड़ती है ऐसी स्थिति में मोती धारण करना लाभकारी साबित होगा ज्योतिष अनुसार किसी भी रत्न को धारण करने से पहले ज्योतिषी सलाह जरूर लेनी चाहिए तभी उस रत्न को धारण करने से लाभ होगा वरना कई रत्न परेशानियों व समस्याओं का कारण भी होते हैं। ऐसे में योग्य ज्योतिष को कुंडली व जन्मपत्री दिखकर चंद्रमा के लिए शुभ रत्न धारण करें

तो आपको लाभ जरूर मिलेगा। आपको बता दें कि सच्चा मोती हमेशा ही चांदी की धातु में बनवाकर सीधे हाथ की कनिष्ठा अथवा अनामिका में धारण करना चाहिए कोई भी रत्न पहनने से पहले पंचामृत से शुद्ध करके तत्संबंधित ग्रह के बीच मंत्र का या फिर वैदिक मंत्रों से अभिमंत्रित करके ही धारण करना चाहिए ऐसा करने से कुंडली में उपस्थिति चंद्रमा की स्थिति मजबूत होने लगती है और यह शुभ प्रभाव भी प्रदान करता है इस रत्न को धारण करने से आने वाली सभी परेशानियां व दुख दूर हो जाते हैं।

फेंगशुई की ये चीजें घर में रखने से जागेगा सोया हुआ भाग्य

जिस प्रकार से भारतीय वास्तु शास्त्र में घर में सुख-समृद्धि व सकारात्मकता के लिए नियम व उपाय बताए गए हैं, उसी तरह से फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है। फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए घर में रखी जाने वाली पवित्र वस्तुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। फेंगशुई में कई ऐसी वस्तुएं बताई गई हैं जिन्हें अपने घर में सिर्फ सजावट के तौर पर रखने से आप सकारात्मकता बढ़ा सकते हैं और जीवन की समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस विषय में।

फेंगशुई के अनुसार, मछलियां सौभाग्य वृद्धि का प्रतीक होती हैं और घर में फिश एक्वेरियम रखने से सुख-समृद्धि आती है। घर के ड्राइंग रूप में एक छोटा सा फिश एक्वेरियम रखना चाहिए जिसमें आठ गोल्डन फिश और एक काली मछली होनी चाहिए। माना जाता है कि इससे सौभाग्य बढ़ता है और कामयाबी के रास्ते खुलते हैं।

लाफिंग बुद्धा

फेंगशुई में लाफिंग बुद्धा को घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इनकी मुस्कान से ही घर में खुशियों का आगमन होने लगता है। लाफिंग बुद्धा की प्रतिमाएं अलग-अलग स्वरुपों में उसी प्रकार से फल प्रदान करती हैं। ऑफिस, मकान, दुकान में आप लाफिंग बुद्धा स्थापित कर सकते हैं। यदि आपको घर में लाफिंग बुद्धा रखने हैं तो उनकी मूर्ति को ड्रॉइंगरूम में ठीक सामने की ओर रखें, ताकि घर में प्रवेश करते ही आपकी नजर सबसे पहले उस पर पड़े।

फेंगशुई कॉइन

घर में धन संबंधित समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए फेंगशुई सिक्के बेहद शुभ माने गए हैं। माना जाता है कि इन सिक्कों को दरवाज़े के हैंडल में लटकाने घर में धन-संपत्ति और सौभाग्य आता है। तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के धागे या रिबन में बांधकर दरवाज़े के हैंडल में अंदर की ओर लटका दें।

बैंबू ट्री (बांस का पेड़)

अक्सर आपने कई ऑफिस आदि में देखा होगा कि पानी के जार में बैंबू ट्री रखे होते हैं। ये देखने में तो सुंदर लगते ही हैं। इसके साथ ही ये निगेटिव एनर्जी को भी दूर करते हैं और इससे कार्य वृद्धि होती है। माना जाता है कि बैंबू ट्री जितनी तेजी से बढ़ते हैं और हरे-भरे रहते हैं। उसी तरह हमारा भाग्य भी चमकता है। इसे आप अपने ऑफिस या घर कहीं भी रख सकते हैं। बस धूप से बचाकर रखें।

रिश्तों में घोलना चाहते हैं प्यार तो सोने से पहले करें ये उपाय

हर व्यक्ति अपने परिवार को खुशियां देने के लिए प्रयासरत रहता है और इसके लिए दिन रात कोशिशे करता है लेकिन कई बार हर संभव प्रयास करने के बावजूद भी घर में समस्याएं और झगड़ा बना रहता है। ऐसे में व्यक्ति तनाव में चला जाता है। दरअसल वास्तु कहता है कि इन सब परेशानियों के पीछे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी एक अहम कारण है। जहां घर में सकारात्मक ऊर्जा होने से आर्थिक समृद्धि, सुख, अच्छी सेहत और परिवार के सदस्यों में प्रेम की वृद्धि होती है तो वहीं घर में नकारात्मक ऊर्जा की वजह से व्यक्ति को आर्थिक हानि, कार्यों में रुकावट, रोग-व्याधि और परिवार में मतभेद का सामना करना पड़ता हैं।

वास्तु शास्त्र में कपूर के कुछ ऐसे आसान उपाय बताए गए हैं। जिन्हें यदि रोज रात को सोने से पहले कर लिया जाए तो सारी समस्याएं तो दूर होती ही हैं रिश्तों में प्रेम भी बढ़ता है। तो चलिए जानते हैं उपाय।

कपूर के ये उपाय बढ़ाता है पति-पत्नी में प्रेम पति-पत्नी का रिश्ता जीवनभर साथ निभाने का होता है और जब इनमें किसी भी तरह का झगड़ा होता है तो पूरे परिवार पर प्रभाव पड़ता है। यदि पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती है तो रात को सोने से पहले शयन कक्ष में कपूर जलाकर दिखाना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का प्रवाह बढ़ता है। रोजाना कपूर जलाने से इसकी खुशबू शांती प्रदान करती है। इससे तनाव दूर होता है और रिश्ते सुलझाने में मदद मिलती है।

कर्पूर- परिवार के सदस्यों में प्रेम बढ़ाने के लिए

परिवार के सदस्यों में प्रेम बढ़ाने और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति के लिए प्रतिदिन शाम को पूजन के बाद कपूर जलाकर पूरे घर में दिखाना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता बढ़ती है, जिससे परिवार के सदस्यों में तालमेल बैठाने में सहायता मिलती है और कार्यों में आने वाली बाधाएं भी दूर होती हैं। यदि इस कार्य को संध्या आरती के साथ ही सुबह को भी किया जाए तो और भी ज्यादा शुभ रहता है।

सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए

रोजाना रात को सोने से पहले चांदी की छोटी सी कटोरी में कपूर जलाकर रसोई में दिखाना चाहिए। मान्यता है कि इससे अन्न और धन के भंडारे खाली नहीं होते हैं और बरकत बनी रहती है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि जब प्रतिदिन रात में परिवार के सभी सदस्य खाना खा लें, तो रसोई की साफ-सफाई करने के बाद ही यह उपाय करें।

इस चमत्कारी रत्न को धारण करते ही बढ़ने लगता है बैंक बैलेंस

रत्नशास्त्र में पुखराज को बेहद शक्तिशाली और महत्वपूर्ण रत्न माना गया है इस रत्न को धारण करने से गुरु ग्रह मजबूत होता है ज्योतिषशास्त्र में गुरु को सुख समृद्धि और धन दौलत का कारक ग्रह माना जाता है इस रत्न को धारण करने से जीवन में धन और सुख की कमी नहीं रहती है तो आज हम आपको पुखराज रत्न से जुड़ी जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं।

रत्नशास्त्र के अनुसार अगर पुखराज रत्न किसी को सूट कर जाए तो यह रत्न 30 दिनों के भीतर ही अपना असर दिखाने लगता है यह रत्न बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है ऐसे में बृहस्पति के स्वामित्व वाली राशियां धनु और मीन राशि के जातक यह रत्न धारण कर सकते हैं साथ ही साथ मेष, कर्क, सिंह और वृश्चिक राशि के लोग भी इस रत्न को धारण कर सकते हैं इन लोगों को इससे खूब लाभ मिलता है। किसी भी रत्न को धारण करने से पहले ज्योतिष की सलाह लेना जरूरी होता है ऐसे में पुखराज रत्न वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोग भूलकर भी ना धारण करें अगर धारण करना भी है तो ज्योतिष की सलाह जरूर लें।

जानिए पुखराज धारण करने की विधि–

ज्योतिष की मानें तो जातक को कम से कम 3. 25 कैरेट का पुखराज ही धारण करना चाहिए ये रत्न गुरुवार के दिन सोने या चांदी की अंगूठी में धारण करना शुभ होता है पुखराज को धारण करने से पहले इसे गंगाजल और दूध से शुद्ध करना चाहिए फिर दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में इस रत्न को धारण करना चाहिए इस विधि से पुखराज धारण करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है और परेशानियां भी दूर हो जाती है।

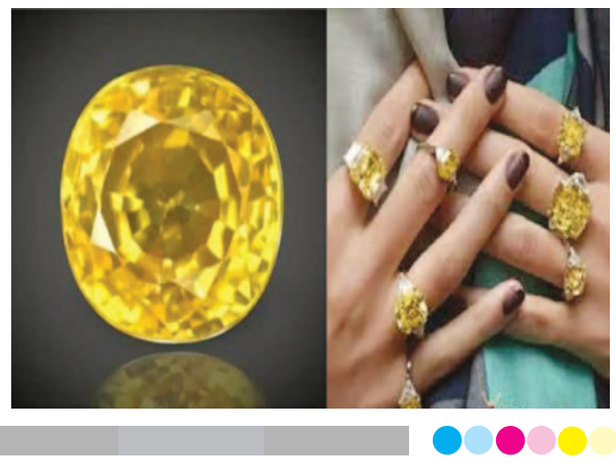

गुरुवार को किया गया ये काम कॅरियर में तरक्की से लेकर आर्थिक मजबूती तक प्रदान करेगा

गुरुवार यानि बृहस्पतिवार की ब्रह्ममुहूर्त में उठकर नहाने के बाद पीले रंग के कपड़े पहनें। पूजा में भोग लगाने के लिए गुड़ और चने की दाल को एक साथ मिला कर प्रसाद बनाएं। गुरुवार के दिन सुबह नहाने के बाद घी का दीपक जलाकर भगवान विष्णु की पूजा करें, साथ ही उनका पाठ जरूर करें। अगर आप गुरुवार के दिन नियमित रूप से केले के पेड़ की पूजा करते हैं तो इससे भगवान विष्णु जी की कृपा दृष्टि आपके ऊपर सदैव बनी रहती है क्योंकि केले के पेड़ को भगवान विष्णु का अवतार माना गया है, आप गुरुवार के दिन सुबह के समय केले के पेड़ की पूजा करके उसके नीचे घी का दीपक जलाएं, इसके अतिरिक्त अगर आप केले के पेड़ पर चने की दाल अर्पित करते हैं, तो यह शुभ माना गया है।

इसके साथ ही यदि आप अपने कॅरियर में तरक्की पाना चाहते हैं तो इसके लिए गुरुवार के दिन भगवान विष्णु जी और बृहस्पति देव की पूजा करते समय आप "ऊं नमो नारायणा" मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए, इससे आपके घर परिवार में सुख समृद्धि आएगी और आपको कामयाबी हासिल होगी।

मनोकामना को पूरा करने वाला दिन

हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार गुरुवार के दिन को भगवान विष्णु का दिन माना गया है। ऐसे में मान्यता है कि यदि इस दिन कोई भक्त सच्चे मन से श्रीहरि को प्रसन्न करता है, तो उसकी मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं। मनुष्य के जीवन में ऐसी कई समस्याएं हैं जैसे विवाह न होना, आर्थिक समस्या का होना और मानसिक शांति ऐसे में यदि गुरुवार के दिन कुछ आसान से उपाय करें, तो उसकी मनोकामना जरूर पूरी होगी।

इस दिन मन से सभी बुरे विचार त्याग कर भगवान के चरणों में अपने जीवन को अर्पण करना चाहिए। आज के दिन घर में पोछा नहीं लगना चाहिए और न ही कपड़े धोने या प्रेस करने को चाहिए। आज के दिन किसी को पैसे नहीं देने चाहिए। जो लोग गुरुवार का व्रत करें उन्हें नमक ग्रहण नहीं करना चाहिए और पीला भोजन करना चाहिए। इस दिन केला नहीं खाना चाहिए।

गुरुवार के दिन नहाते समय पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें। इसके बाद 'ऊं नमों भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें। और फिर भगवान विष्णु जी की पूजा करें। ऐसा करने पर विवाह में आ रही अड़चन दूर होगी। माना जाता है कि यदि जन्मकुंडली में गुरु दोष हो तो हर गुरुवार को भगवान विष्णु को बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। इससे आपको काफी फायदा मिलता है। गुरु दोष शांति के लिए पीली वस्तुओं जैसे गुड़,चने की दाल, केले, पीले फूल, चन्दन या पीले वस्त्र, हल्दी, पीले रंग की मिठाई और गाय का घी का दान करें, वहीं यदि गुरु मजबूत हो तो इन चीजों का कदापि दान न करें। गुरुवार के दिन लेन देन थोड़ा संभलकर करें और अगर कोई इस दिन धन मांगने आता है तो धन देने से आपका गुरु कमजोर हो जाता है, जिससे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। गुरुवार को शाम के समय केले के वृक्ष के आगे दीप दान करके कोई न कोई मिठाई चढ़ा कर अगर हो सकें तो बेसन की मिठाई को ही अर्पित करें और लोगों में बांट दें।

चरित्र निर्माण में अणुव्रत्त का योगदान

निर्मला बैद

अणुव्रत्त वर्तमान युग की समस्या का समाधान है। इसलिए है कि उसमें चरित्र नैतिकता अथवा प्रामाणिकता की संजीवनी शक्ति निहित है। कवि की ये पंक्तियां इस ओर संकेत कर रही है।

'अणुव्रत्त स्वाभाविक जीवन-जीने की क्रिया है। अणुव्रत्त कृत्रिमता अणुव्रत्त कृत्रिमता को मिटाने की प्रक्रिया है।।

मानव को मानव बनाने की एक दिनचर्या है।।

बीसवीं सदी आधी पूरी होने को थी।उस समय भारत सदियों की राजनीतिक दासता से मुक्त हुआ। देश की जनता प्रसन्न हुई। पर स्वतंत्रता आंदोलन के समय उसमें देश प्रेम की जो जीवंत लहर आयी थी। वह नीचे दबने लगी। स्वार्थों की पूर्ति की आकांक्षा और सुविधा योगी मानसिकता बढ़ी। पर राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात दिमाग से निकलती गयी।

उस समय आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत्त-आंदोलन का प्रवर्तन किया। अंधकार में प्रकाश की एक नयी किरण का आविर्भाव हुआ।

अणुव्रत्त का अर्थ है चरित्र निर्माण और चरित्र निर्माण का अर्थ है अणुव्रत्त। ये दोनों शब्द एक दूसरे के मूरक है। देश में विविध जातियां है, विविध मजहब है, विविध सम्प्रदाय है उनमें नैतिकता और चरित्र के प्रति ध्यान कम दिया जा रहा है। इसलिए अणुव्रत्त एक असाम्प्रदायिक धर्म के रूप में सामने उभर कर आ रहा है। अणुव्रत्त धर्म है- कोई सम्प्रदाय नहीं। अणुव्रत्त आचरण प्रधान है उपासना प्रधान नहीं। मनुष्य मात्र को संयम सादगी, नैतिकता और मानवता की ओर बढ़ने की प्रेरणा। जाति, धर्म, रंग और लिगं, वर्ण, भाषा, प्रांत आदि सभी भेद-भावो से ऊपर एक व्यापक दृष्टिकोण।

भ्रष्टाचार के तीखे तीरों से बचाने वाला सुरक्षा कवच। 2 मार्च 1949 सरदार शहर में अणुव्रत्त की आवाज उठी। आज वह इस छोर से उस छोर तक प्रतिध्वनित होती है देश की सीमाओं को पार कर विश्वमानव का ध्यान खींचने में सफल हो रही है।

भिन्न-भिन्न सम्पद्रायों में आस्था रखने वाले व्यक्ति अपनी-अपनी आस्था के अनुसार उपासना करते हैं। अणुव्रत का किसी भी उपासना विधि में कोई हस्तक्षेप नहीं है। वह इतनी ही अपेक्षा रखता है कि उस व्यक्ति का जीवन प्रामाणिक पक्ति हो और समस्या पैदा करने वाला न हो। संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि अणुव्रत्त मानव धर्म है। मानवीय मूल्यों का संरक्षक और परिवर्धक है।

सनी लियोनी ने व्हाइट स्कर्ट और क्रॉप टॉप में दिखाया किलर लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो जो कुछ भी शेयर करती हैं वो आते ही वायरल हो जाता है। इन लेटेस्ट तस्वीरों में सनी लियोनी काफी ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहीं हैं, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये तस्वीरें। इन तस्वीरों में सनी लियोनी व्हाइट क्रॉप टॉप और व्हाइट स्कर्ट के ऊपर ओवरसाइज्ड प्रिंटेड जैकेट में काफी स्टाइलिश लग रहीं हैं। सनी लियोनी ने इन तस्वीरों में अपने बालों को दो स्टाइलिश चोटियों में बांधा है और ब्लू शेड्स के साथ वो और भी गॉर्जियस लग रहीं हैं। सोशल मीडिया पर सनी लियोनी की ये तस्वीरें काफी तेजी से वायरल हो रहीं हैं, जिनमें वो काफी कूल लग रहीं हैं।

आपको बता दें कि सनी लियोनी के सोशल मीडिया पर लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आते हैं। सनी लियोनी को उनकी लुक्स, खूबसूरती, ड्रेसिंग सेंस और हॉटनेस के लिए जाना जाता है। आपको बता दें कि, सनी लियोनी ने अब तक कई टीवी रिएलिटी शोज़, आइटम सॉन्ग्स, म्यूज़िक वीडियोज़, वेब सीरीज़ और बॉलीवुड मूवीज़ में काम किया है।

'आय हाय ये मजबूरी' गाने के बाद मुश्किल में फंसी उर्फी जावेद, रिवीलिंग कपड़ों की वजह से हुआ केस

उर्फी जावेद सोशल मीडिया स्टार हैं और वो आए दिन अपने स्टाइल और फैशन की वजह से जानी जाती हैं. उर्फी अपने अतरंगी फैशन स्टाइल उन्हें हमेशा पब्लिसिटी दिलाता रहता है. उर्फी हमेशा की अपने लुक को लेकर लोगों का ध्यान खिंचती रहती हैं. हमेशा ही बोल्ड अंदाज में नजर आने वालीं उर्फी जावेद अक्सर अपने कपड़ो की वजह से ट्रोल हो जाती है, लेकिन वो अक्सर अपने बेबाक अंदाज से हर किसी का दिल जीत लेती हैं. हालांकि इस बार एक्ट्रेस की मुश्किलें जमकर बढ़ रही हैं, क्योंकि अब मामला पुलिस स्टेशन तक पहुंच गया है और इसका कारण है उनका हालिया आया गाना।

दिल्ली के थाने में दर्ज हुई शिकायत

हाय हाय ये मजबूरी की वजह से उर्फी मुसीबत में फंस गई हैं, उनके खिलाफ दिल्ली के थाने में एक शिकायत दर्ज की गई है. इस शिकायत को किसने दर्ज करवाया है अभी तक उसका नाम तो सामने नहीं आया है लेकिन इस वीडियो के जरिए उर्फी पर अश्लीलता फैलाने के आरोप लगाए गए हैं. शिकायत में कहा गया है कि उर्फी लेटेस्ट गाने हाय हाय ये मजबूरी के जरिये ऐसा कंटेंट पब्लिश और ट्रांसमिट कर रही हैं जो कि अश्लील है. इस मामले पर उर्फी ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

11 अक्टूबर को रिलीज हुआ था गाना

बता दें कि उर्फी जावेद का ये गाना बीते 11 अक्टूबर को रिलीज हुआ था. इस गाने को काफी देखा गया है. इस गाने पर अभी तक 85 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं.

इस गाने से जुड़ा एक बीटीएस वीडियो जमकर वायरल हुआ था जिसमें उर्फी झूले पर से गिरती हुई नजर आ रही थी और इस दौरान एक्ट्रेस को जमकर चोट भी लगी थी.

केआरके ने रिव्यू में अक्षय कुमार की 'राम सेतु' की उड़ाई धज्जियां, लिखा- 'पैसे कमाने के लिए...'

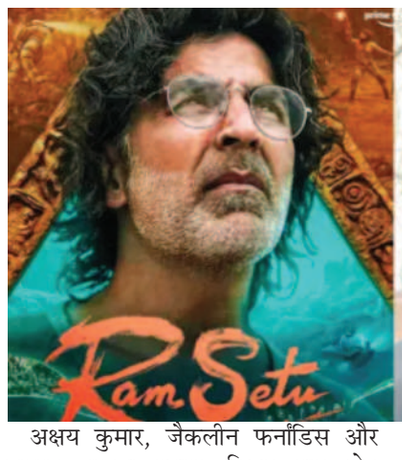

अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरूचा स्टारर फिल्म राम सेतु सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा ने किया है। राम सेतु में अक्षय पुरात्व विशेषज्ञ बने हैं। फिल्म को समीक्षकों से मिले जुले रिएक्शन मिले हैं। अब खुद को फिल्म समीक्षक कहने वाले कमाल आर खान (केआरके) ने ट्वीट कर बताया कि उन्हें राम सेतु कैसी लगी। केआरके खुलकर बॉलीवुड एक्टर्स पर निशाना साधते रहते हैं। राम सेतु के बारे में उन्होंने कहा कि यह अक्षय के करियर की खराब फिल्मों में से एक है।

फिल्म को कहानी को बताया बकवास

केआरके ने कहा कि अक्षय ने इतिहास का कबाड़ा कर दिया है। राम सेतु का नाम उन्होंने पैसे बनाने के लिए किया है। केआरके लिखते हैं, 'हे भगवान, अक्षय कुमार ने रोबोट की मदद से इतिहास का कचुंबर बना दिया। अक्की भाई ने राम सेतु को आतंकवादियों से बचाया जो हमारे इतिहास को खत्म करने के लिए इसे नष्ट करना चाहते थे। मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि अक्की पैसा कमाने के लिए रामसेतु के नाम पर इतनी बकवास फिल्म बना सकते हैं।'

अक्षय पर केआरके का निशाना

केआरके ने एक दूसरे ट्वीट में कहा, 'अक्की को शर्म आनी चाहिए कि उन्होंने राम सेतु का नाम अपने निजी एजेंडे के लिए और जनता को बेवकूफ बनाने के लिए किया है। लोगों को इस तरह की चीजें बर्दाश्त नहीं करनी चाहिए।'

थैंक गॉड के साथ राम सेतु की टक्कर

बता दें कि दिवाली की छुट्टी के मौके पर राम सेतु को रिलीज किया गया है। शुक्रवार को ही अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर थैंक गॉड भी सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि राम सेतु, थैंक गॉड से आगे है।

अजय देवगन की 'थैंक गॉड' या अक्षय कुमार की 'राम सेतु', बॉक्स ऑफिस पर किसने मारी बाजी?

बीते दिन सिनेमाघर में 'राम सेतु' और 'थैंक गॉड' रिलीज हुई, यानी एक बार फिर अजय देवगनऔर अक्षय कुमार आमने सामने हैं। एक ओर जहां अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरूचास्टारर फिल्म राम सेतु को मिक्स रिव्यूज मिले हैं तो दूसरी ओर अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्राऔर रकुल प्रीत सिंह की फिल्म थैंक गॉड ने रिव्यूज में बाजी मारी है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कौन आगे निकला है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताते हैं।

क्या है 'राम सेतु' का कलेक्शन

अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस और नुसरत भरूचा स्टारर फिल्म राम सेतु को मिक्स रिव्यूज मिले हैं। बात फिल्म के कलेक्शन की करें तो फिल्म पहले दिन 15 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है। हालांकि ये अर्ली ट्रेंड्स हैं और फिल्म की असल कमाई इससे कम ज्यादा हो सकती है। वहीं राम सेतु, 3100 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है और फिल्म का बजट 140 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

राम सेतु से क्यों पीछे रह गई 'थैंक गॉड'

राम सेतु के साथ ही अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल

प्रीत सिंह की फिल्म थैंक गॉड रिलीज हुई है। फिल्म ने पहले दिन 8-10 करोड़ रुपये की कमाई की है। हालांकि ये अर्ली ट्रेंड्स हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म को 2500 स्क्रीन्स मिली हैं और साथ ही फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपये है।

बता दें कि अगर ये अर्ली ट्रेंड्स सही साबित हुए तो न सिर्फ स्क्रीन काउंट कम होने की वजह से बल्कि विवाद की वजह से भी थैंक गॉड कमाई में मात खा सकती है। याद दिला दें कि फिल्म को लेकर काफी विवाद जारी है और कहा जा रहा है कि इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

सिद्धू मूसेवाला हत्या केस में एनआईए की रडार पर सिंगर अफसाना खान! 5 घंटे तक पूछताछ

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला केस में चौंकाने वाली खबर आई है। जांच एजेंसी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पंजाबी सिंगर और बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट अफसाना खान को समन किया। मामले में एनआईए ने मंगलवार को उनसे 5 घंटे तक पूछताछ की। सूत्रों ने पुष्टि की है कि मूसेवाला की करीबी दोस्त अफसाना ने दिल्ली में एनआईए के मुख्यालय में अपना बयान दर्ज कराया। जांच एजेंसी को अफसाना पर शक है कि हत्या में उनकी भूमिका हो सकती है।

मूसेवाला के साथ अफसाना ने किया काम

एनआईए ने हाल ही में देश के अलग-अलग कई जगहों पर तलाशी ली। मामले में हरियाणा, पंजाब और दिल्ली की पुलिस विभागों के साथ मिलकर काम रही है। सिद्धू मूसेवाला के म्यूजिक वीडियो में अफसान खान भी रह चुकी हैं। मूसेवाला ने कथित तौर पर अफसाना को बताया था कि उन्हें धमकी भरे फोन कॉल आ रहे हैं।

गैंग के कनेक्शन का शक

अफसाना खान एनआईए के शक के दायरे में हैं। बंबीहा गैंग के साथ अफसाना के कनेक्शन को लेकर आशंका है। गौरतलब है कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या का आरोप बिश्नोई गैंग पर है। बंबीहा गैंग और बिश्नोई गैंग एक दूसरे के दुश्मन हैं। बिश्नोई गैंग मानता था कि मूसेवाला की नजदीकियां बंबीहा गैंग से है।

कौन हैं अफसाना खान?

अफसाना खान ने पंजाबी के हिट गाने तितलियां को अपनी आवाज दी है। इसमें सरगुन मेहता और हार्डी संधू नजर आए थे। अफसाना बिग बॉस 15 में नजर चुकी हैं। उन्होंने मूसेवाला के साथ जंदी वार गाया था। यह मूसेवाला का आखिरी वीडियो था। वीडियो सितंबर में रिलीज किया जाना था लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद इस पर रोक लगा दी गई। अफसाना, मूसेवाला की बहुत करीब थीं। वह उन्हें अपनी मुंहबोली बहन मानते थे। मूसेवाला उनकी शादी में भी आए थे।

अनन्या पांडे ने साड़ी में बिखेरा हुस्न का जलवा, अदाएं देख दीवाने हुए फैन्स

बॉलीवुड की सबसे क्यूट एंड ब्यूटीफुल एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने हाल ही में, अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ट्रेडिशनल लुक में फोटोज़ अपलोड की हैं, जिन पर फैन्स का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला है, यहां देखें उनकी फोटोज़।

इन तस्वीरों में अनन्या पांडे नेटेड ट्रांसपेरेंट साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रहीं हैं, जिसने भी उनका ये लुक देखा वो बस उन्हें देखता ही रह गया। फोटोज़ में अनन्या पांडे अलग-अलग अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज़ देती दिखाई दे रहीं हैं, जिनसे नजरें हटा पाना मुश्किल हो रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अनन्या पांडे ने इन्हें कैप्शन दिया - काजू कतली प्रेरणा थी। सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे के लाखों फैन्स उनके इस लुक पर मर मिटे हैं, जो उनकी तारीफों के पुल बांधते दिखाई दे रहे हैं।

अनन्या पांडे ने इस दौरान स्मोकी मेकअप के साथ स्ट्रेट ओपन हेयर्स लुक को चुना और यकीन मानिए ये उन पर काफी जच रहा था। अनन्या पांडे ने अपने इस लुक को प्यारी सी स्माइल, खूबसूरत डीपनेक ब्लाउज़, नेकपीस, रिंग और ब्रेसलेट के साथ कम्प्लीट किया।

दिवाली पार्टी में ऐसी ड्रेस पहनकर पहुंचीं भूमि पेडनेकर, ट्रोल बोले- उर्फी से इंस्पायर हैं

भूमि पेडनेकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो रहा है। भूमि हाल ही में सोनम कपूर और आनंद आहूजा की दिवाली पार्टी में शरीक होने पहुंची थीं जहां उन्होंने काफी बोल्ड अंदाज में व्हाइट ड्रेस और डिजाइनर ब्लाउज कैरी किया था। भूमि पेडनेकर पर यह लुक काफी सूट कर रहा था लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स इससे कुछ खास इंप्रेस नहीं हुए और एक्ट्रेस ट्रोलिंग का शिकार हो गईं।

ट्रोल बोले- उर्फी से इंस्पायर हो गईं भूमि!

वीडियो वायरल होने लगा और कमेंट सेक्शन में लोगों ने उन्हें उर्फी जावेद से प्रेरित एक्ट्रेस और ना जाने क्या-क्या कह डाला। वीडियो को कई पापाराजी ने अपने अकाउंट से पोस्ट किया है। विरल भयानी द्वारा शेयर की गई वीडियो पर यूजर्स ने कमेंट करके 'रक्षा बंधन' फेम एक्ट्रेस को घेरा। एक यूजर ने लिखा- वह इन कपड़ों में कितनी असहज हैं। उनके चेहरे पर साफ दिख रहा है।

कमेंट्स में लोगों ने आउटफिट पर घेरा

एक शख्स ने इस वीडियो पर कमेंट किया। उर्फी जावेद का असर साफ नजर आ रहा है। इसी तरह तमाम लोगों ने भूमि पेडनेकर को ऐसे कपड़े पहनने के लिए घेरा है। एक शख्स ने लिखा कि फैशन के नाम पर कुछ भी क्यों पहन लेते हो, जिसमें खुद ही कंफर्टेबल फील नहीं कर पाते।

भूमि पेडनेकर की अपकमिंग फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर की पिछली फिल्म 'रक्षा बंधन' को बॉक्स ऑफिस और ओटीटी पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। भूमि पेडनेकर ने काफी कम वक्त में खुद को साबित किया है और उनके करियर का ग्राफ तेजी से ऊपर गया है। उनकी अपकमिंग फिल्मों में गोविंदा नाम मेरा, भीड़, भक्षक, द लेडी किलर और अफवाह जैसी फिल्में शुमार हैं।

बर्थडे पर इमोशनल हुईं सुजैन खान : बच्चों के साथ शेयर की फोटो, कहा- मुझे अपनी मां के रूप में चुनने के लिए थैंक्स

ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान आज यानी 26 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर सुजैन ने इंस्टाग्राम पर अपने दोनों बेटों के साथ प्यारी सी फोटो शेयर की है। फोटो में सुजैन व्हाइट क्रॉप टॉप और ब्लैक एंड व्हाइट चेकर्ड मिनी स्कर्ट पहने हुए दोनों बच्चों के साथ पोज देते नजर आ रही हैं। इस फोटो के साथ सुजैन ने बेहद इमोशनल नोट लिखा है, जिस पर उनके बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी समेत कई लोगों ने रिएक्ट किया है।

43वें जन्मदिन पर इमोशनल हुईं सुजैन

अपने 43वें बर्थडे पर सुजैन ने इमोशनल नोट शेयर करते हुए लिखा- मैं बड़ी होने से बहुत डरती हूं। मैं यंग ही अच्छी हूं, इसलिए मैं हमेशा नंबर गेम खेलती हूं। ये एक तरीका है यह सोचने का कि लाइफ अभी ही शुरू हुई है। इसलिए इस ट्रेन को नहीं रोकेंगे और एक मिनट के लिए भी नहीं बदलेंगे जहां मैं हूं। लाइफ को थैंक्यू, मुझे वो बनाने के लिए जो मैं हूं।' इसके अलावा रेहान और रिदान को भी थैंक्यू, जो आप दोनों ने मुझे हमेशा मां के रूप में चुना।

सुजैन की पोस्ट पर फैंस ने किया रिएक्ट

सुजैन की इस इमोशनल पोस्ट को उनके फैंस और करीबी बेहद पसंद कर रहे हैं। फिल्म मेकर अभिषेक कपूर ने पोस्ट में कमेंट करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे सूजी।' सुजैन के बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी ने भी उन्हें विश करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे लव, तुम्हें केवल अमेजिंग शब्द ही डिस्क्राइब कर सकते हैं। इसके अलावा कई फैंस ने भी सुजैन को बर्थडे पर जमकर विश किया।

रिलेशनशिप में हैं अर्सलान और सुजैन

ऋतिक रोशन और सुजैन 2014 में ही एक-दूसरे से अलग चुके हैं। तलाक के बाद जहां ऋतिक रोशन एक्ट्रेस सबा आजाद को डेट कर रहे हैं, तो वहीं सुजैन अर्सलान गोनी के साथ लंबे टाइम से रिलेशनशिप में हैं। हालांकि ऋतिक और सुजैन दोनों बच्चों की परवरिश एक साथ ही कर रहे हैं।

कहीं आपके फोन के जरिए आप पर नजर तो नहीं रखी जा रही? ऐसे पता करें

आज की दुनिया पूरी तरह से तकनीक से जुड़ गई है। हमारे आधार कार्ड से लेकर हमारे बैंक अकाउंट और अगले हॉलीडे के डिटेल्स तक सभी कुछ स्मार्टफोन में सुरक्षित है। फोन अगर खो जाए तो ऐसा लगता है कि दुनिया सूनी हो गई। कहीं जाना हो तो उसके लिए एप, भूख लगी है तो खाना मंगवाने के लिए एप, कपड़े चाहिए तो शॉपिंग के लिए एप, घर चाहिए तो रेंट करने के लिए अलग एप। यानी रोटी, कपड़ा और मकान की बेसिक जरूरत तो स्मार्टफोन ने पूरी कर दी। यही कारण है कि हम उसपर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो गए हैं।

अब जरा फर्ज कीजिए कि इसी स्मार्टफोन को कोई ट्रैक कर रहा है। जी हां, ये किसी फिल्म या किसी सीरियल का प्लॉट नहीं है बल्कि आम लोगों के साथ घटने वाली घटना है। कई बार महंगा स्मार्टफोन तो हम ले लेते हैं, लेकिन उसकी सुरक्षा को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं होती। स्मार्टफोन्स ट्रैकिंग आसानी से हो सकती है। जरूरी नहीं कि कोई मास्टर माइंड हैकर ही ये काम कर रहा हो। थोड़ी सी टेक नॉलेज वाला इंसान भी इसे कर सकता है। आपने कई बार गूगल या फेसबुक के अकाउंट्स हैक हो जाने की खबरें सुनी होंगी। एप्स भी कई बार लोगों का डेटा चुराते हैं। याद कीजिए बाकायदा मुकेश अंबानी की कंपनी जियो पर डेटा चोरी का इल्जाम लग चुका है। पर अब समस्या ये है कि आखिर पता कैसे करें कौन ट्रैक कर रहा है कौन नहीं? तो चलिए कुछ आसान से टिप्स के बारे में बात करते हैं।

कॉल और मैसेज फॉर्वर्डिंग का पता लगाने वाला कोड-

*#21#

ये कोड अपने फोन में टाइप कीजिए और कॉल बटन दबाएं। ये बता देगा कि कहीं आपके कॉल, मैसेज आदि किसी और नंबर पर तो डायवर्ट नहीं हो रहे। किस तरह की कॉल फॉर्वर्डिंग हैं और कितने नंबर पर जा रही है जानकारी ये सब कुछ इस एक कोड की मदद से आपके स्मार्टफोन स्क्रीन पर दिखने लगेगा। जरूरी नहीं कि ये फीचर आपने ही एक्टिवेट किया हो। कई बार पार्टनर, माता-पिता या कोई परिवार वाला अपने करीबी को ट्रैक करने के लिए ऐसा कर देते हैं। इसके बारे में कई बार लोगों को भनक भी नहीं लगती। कई बार हैकर्स भी ऐसा कोड एक्टिवेट कर सकते हैं जिससे लोगों के कॉल्स फॉर्वर्ड हो सकते हैं। ऐसे में आप कहां रह रहे हैं, कहां जा रहे हैं, कॉल, मैसेज आदि से जुड़ी जरूरी जानकारी किसी और के फोन तक पहुंच सकती है।

डेटा, सिंक्रोनाइजेशन, कॉल आदि सब कुछ अगर फॉर्वर्ड हो रहा है तो उसे जानने के लिए इस कोड का इस्तेमाल करें-

*#62#

ये कोड अपने एंड्रॉयड फोन पर डायल कीजिए और फोन में हो रहे हर तरह के रीडायरेक्शन की डिटेल्स सामने आ जाएंगी। ये कोड इसलिए बेहतर है क्योंकि अगर स्मार्टफोन के अन्य फीचर्स यानी सेंसर वगैराह की मदद से भी कोई आपको ट्रैक कर रहा है तो इसकी जानकारी मिल जाएगी।

ऐसा मुमकिन है कि आपकी सारी जानकारी सेलफोन ऑपरेटर या ISP प्रोवाइटर ट्रैक कर रहा हो। इसके लिए सभी तरह की रीडायरेक्टिंग अपने फोन से बंद की जा सकती है।

सभी तरह की रीडायरेक्टिंग फोन से बंद करने के लिए-

##002#

ये यूनिवर्सल कोड है अपने फोन से सभी तरह की रीडायरेक्टिंग बंद करने के लिए। बेहतर है कि इस कोड को कहीं भी रोमिंग में जाने से पहले (खास तौर पर इंटरनेशनल ट्रिप) इस्तेमाल कर लें। इससे होगा ये कि मसलन आपके कॉल्स कहीं और फॉर्वर्ड हो रहे हों तो वो बंद हो जाएंगे। ऐसे में फालतू रोमिंग के पैसे भी बचेंगे और अगर आपकी जानकारी के बिना ये कॉल फॉर्वर्डिंग हुई है तो वो भी बंद हो जाएगी।

फोन का IMEI नंबर जानने के लिए-

*#06#

ये भी एक यूनिवर्सल कोड है जो फोन का IMEI नंबर जानने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ये नंबर बहुत काम का है और अगर फोन खो जाए तो FIR से लेकर फोन सर्चिंग एप्स तक इसी नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, इसे किसी के साथ शेयर करना अच्छा नहीं होगा।

अगर फोन खो गया है और वो स्विच ऑन होता है तो उसकी लोकेशन अपने आप नेटवर्क ऑपरेटर तक पहुंच जाएगी। अगर किसी को आपका IMEI नंबर पता होता है तो वो आपके फोन का मॉडल उसकी तकनीकी स्पेसिफिकेशन सब कुछ पता कर लेगा।

इन पांच चीजों को खाने से बढ़ती है बाल झड़ने की समस्या, हेयर फॉल रोकने के लिए कम करें सेवन

काले घने बालों की चाह हर किसी को होती है। बालों को सुंदरता के प्राकृतिक माध्यम के तौर पर देखा जाता है। लड़के हों या लड़कियां हर कोई काले घने बालों की चाहत रखता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनशैली, गलत खान पान और प्रदूषित वातावरण के कारण बाल झड़ने की समस्या बढ़ती जा रही है। कम उम्र में ही लोगों के बाल झड़ने लगते हैं। महिलाओं से ज्यादा बाल झड़ने की समस्या पुरुषों में देखने को मिल रही है। अधिकतर पुरुष उम्र से पहले ही गंजेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। बाल झड़ने से परेशान महिलाओं से लेकर पुरुष तक कई तरह के घरेलू नुस्खे, हेयर ऑयल, शैंपू और प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन कई बार इसका उल्टा ही असर हो जाता है। रूसी, पतले बाल, गंजेपन की शिकायत बढ़ने लगती है। ऐसे में अगर आप भी बाल झड़ने की समस्या से परेशान तो शुरुआत खानपान से करें। विशेषज्ञों के मुताबिक कुछ चीजों के सेवन से हेयर फॉल अधिक होता है। अनजाने में लोग ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करते रहते हैं। इसलिए हेयर फॉल रोकने के लिए उन चीजों का सेवन कम कर दें, तो बालों के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। चलिए जानते हैं किन फूड के सेवन से बाल झड़ने की समस्या बढ़ती है।

चीनी

चीनी का ज्यादा सेवन कई तरह की बीमारियों को बढ़ावा देता है। चीनी शरीर के लिए हानिकारक हो सकती है। एक अध्ययन के मुताबिक, मधुमेह के रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध बनता है, जिसके कारण उनके बाल झड़ने लगते हैं। अधिक वजन होने पर भी बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। सही समय पर इस पर काबू न पाया जाए तो गंजेपन का कारण भी बन सकता है। इसलिए चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए।

शराब

शराब का सेवन किसी भी तरह से अच्छा नहीं होता। शराब पीने से मानसिक और शारीरिक तौर पर कई नुकसान होते हैं। आपके बालों पर भी शराब का असर पड़ता है। दरअसल बाल केराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं। शराब का सेवन प्रोटीन पर नकारात्मक असर डालता है और बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।

कच्चा अंडा

अंडा सेहत के लिए फायदेमंद होता है, खासकर बालों के लिए अंडा बहुत उपयोगी माना जाता है लेकिन उसे इस्तेमाल करने का एक सही तरीका होता है। कच्चे अंडे का सेवन बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। कच्चे अंडे की सफेदी का सेवन करने से बायोटिन की कमी हो जाती है। बालों के प्रोटीन का काम करने वाले केराटिन के बनाने में बायोटिन मदद करता है। ऐसे में कच्चा अंडा खाने के बजाए पका हुआ अंडा खाना चाहिए।

जंक फूड

आजकल बच्चों से लेकर युवाओं तक में जंक फूड का सेवन बढ़ गया है। जंक फूड सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक होता है। जंक फूड में सैचुरेटेड और मोनोअनसैचुरेटेड फैट पाया जाता है। जिसके कारण मोटापा बढ़ने के साथ ही हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती है। बाल झड़ने की समस्या भी होने लगती है। स्पाइसी और तैलीय खाद्य पदार्थ का सेवन स्कैल्प को चिकना करता है, इससे रोम छिद्र छोटे हो सकते है और बाल झड़ने की समस्या बढ़ जाती है।

मछली

मछली का सेवन भी बाल झड़ने की समस्या को बढ़ा सकता है। मछली में मरकरी का स्तर बहुत ज्यादा होता है। जिसके सेवन से बाल झड़ने लगते हैं। इसलिए हेयर फॉल से परेशान हैं तो मछली का सेवन कम कर दें।

उठते ही हथेली देखते हैं या मोबाइल, वॉट्सऐप-फेसबुक देखने से जिंदगी हो सकती है अंधेरी

क्या आप भी सुबह उठते ही सबसे पहले मोबाइल देखते हैं? ये आदत आपको बहुत महंगी पड़ सकती है। मोबाइल देखने की लत के कारण कई लोग गंभीर बीमारियों की क्स्हपेट में आ रहे हैं। मोबाइल की ब्लू लाइट से होने वाले नुकसान और उनसे बचने के उपाय ।

"रातभर आपकी आंखें आराम कर रही होती हैं। सुबह उठते ही जब आप मोबाइल स्क्रीन देखते हैं, तो आंखों पर दबाव पड़ता है, आंखें चौंधिया जाती हैं, इससे उनके सेहत बिगड़ने लगती है। अगर आप आंखों को लंबे समय तक चौंधिया कर रखते हैं, तो स्किन खिंचने लगती है और उम्र से पहले झुर्रियां पड़ जाती हैं। लंबे समय तक मोबाइल देखने से आंखें लाल होना, ड्राईनेस, जलन, इंफेक्शन, सिरदर्द, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, ब्लड प्रेशर जैसी तकलीफें शुरू हो जाती हैं। लंबे समय तक मोबाइल देखने से काम पर फोकस कम हो जाता है और बेचैनी बढ़ने लगती है। आंखें एक लिमिट तक ही फोकस कर सकती हैं। जब आप लंबे समय तक आंखों पर दबाव डालते हैं, तो आंखें लाल होना, जलन, सिरदर्द जैसी तकलीफें शुरू हो जाती हैं। ऑनलाइन क्लासेस की वजह से अब ये समस्या बच्चों को भी होने लगी है। "

आंखों को मोबाइल की ब्लू स्क्रीन से कैसे बचाएं

आजकल लोग घंटों लैपटॉप पर काम करते हैं और ब्रेक लेने का ध्यान नहीं रहता। लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप पर काम करने से आंखें ड्राई हो जाती हैं, जिससे आंखों में इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है, क्योंकि आंखों का प्रोटेक्शन कम हो जाता है। यदि आपका काम ऐसा है कि आप मोबाइल या लैपटॉप पर काम करना नहीं छोड़ सकते, तो बीच-बीच में ब्रेक लें और आंखों पर आई ड्रॉप डालते रहें। हर दो घंटे में दस मिनट का ब्रेक लेकर आंखों को आराम दें, आंखें इससे ज्यादा स्ट्रेस बर्दाश्त नहीं कर पातीं। अगर आप इतना लंबा गैप नहीं ले सकते, तो हर बीस मिनट में दो मिनट का गैप लें, ताकि आंखें आराम कर सकें।

एक मिनट में 20 बार आंखों को झपकाएं। काम के चलते लोग आंखें झपकाना तक भूल जाते हैं। आंखों को ड्राईनेस से बचाने के लिए बिना भूले आंखों को झपकाने की आदत डालें। ऑफिस में आप सर्दियों में हीटर और गर्मियों में एसी में काम करते हैं, इनकी वजह से भी आंखें ड्राई हो जाती हैं। ऐसे में आंखों की प्रोटेक्ट करने और उनकी नमी बनाए रखने के लिए आप काम के बीच-बीच में आखों में आईड्रॉप डाल सकते हैं। यदि आप रात में मोबाइल या लैपटॉप पर फिल्म देख रहे हैं, तो कमरे की रोशनी बंद न करें, इससे आंखों पर ज्यादा दबाव पड़ता है। अपने रूम की लाइट ऑन रखकर मोबाइल पर फिल्म देखें। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कलरफुल फ्रूट जैसे सेब, अंगूर, मोसंबी खाएं, ये आंखों के लिए बेस्ट एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं। पौष्टिक आहार लें, पर्याप्त नींद लें।

शादी के बाद आ रही है मायके की बहुत याद, तो अपनाएं ये टिप्स

शादी हर लड़की के जीवन का वह टर्निंग पाइंट होता है, जहां उसे कई बदलावों को अपनाना पड़ता है। सबसे बड़ा बदलाव ये होता है कि जिस घर-परिवार में उसका जन्म हुआ होता है, बड़ी होती है, उसे छोड़कर पति के परिवार में शामिल होना पड़ता है। विदाई के बाद लड़की अपने पति के घर में रहने चली जाती है। उसे नए रिश्ते और नए परिवार के साथ तालमेल बिठाना होता है। लेकिन किसी भी लड़की के लिए अपने माता-पिता, भाई-बहन और घर को छोड़कर दूसरे परिवार को अपनाना इतना आसान नहीं होता।

नए परिवार, अनजान लोगों के बीच उसे अपने मायके की याद आती है। 'मां होती तो ये करती, पापा होते तो ऐसा होता।' उसके दिमाग में यही ख्याल आते हैं और अब हमेशा के लिए अपने उस घर से दूर रहने के ख्याल भी उसे सताते रहते हैं। ऐसे में शादी के शुरुआती दिनों में लड़कियों को अक्सर होम

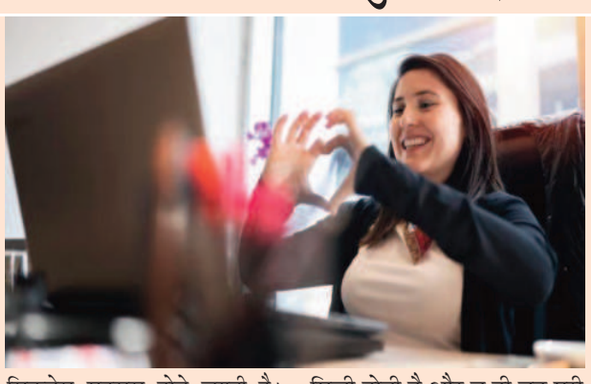

सिकनेस महसूस होने लगती है। उन्हें मायके की याद आती है और वह घर जाना चाहती है। हालांकि यह संभव नहीं हो पाता। इसलिए अगर शादी के बाद मायके की याद आए तो इन आसान टिप्स को अपना सकते हैं।

अकेले न रहें

अक्सर देखने को मिलता है कि शादी के बाद नई दुल्हन अधिकतर समय अपने कमरे में ही रहती है। उसे नए परिवार में न तो कोई जिम्मेदारी अब तक मिली होती है और न ही वह पूरी तरह से परिवार से घुल मिल पाई होती है कि उनके साथ कंफर्टेबल महसूस करें। इसलिए कमरे में ही रहना पसंद करती है। लेकिन अकेले रहने पर उसे मायके की अधिक याद आने लगती है।

इसलिए कोशिश करें कि कमरे में अकेले न रहें। सास, ननद या ससुराल के बच्चों के साथ वक्त बिताएं। इससे उनके साथ आपका रिश्ता भी मजबूत होगा और व्यस्त रहने के कारण आपको मायके की याद भी कम आएगी।

वीडियो कॉल पर बात करें

मायके की याद आना स्वाभाविक है। लेकिन शादी के बाद बार-बार ससुराल जाने से बचें, बल्कि याद आने पर आप मायके कॉल करके अपने परिवार से बात कर सकती हैं। अब तो वीडियो कॉल ने सब आसान कर दिया है। आप अपने माता पिता, भाई-बहन को वीडियो कॉल कर सकती हैं। इससे आपको महसूस होगा कि आप उनके साथ ही हैं।

मायके से मंगवाएं पसंदीदा खाना

घर की याद आए तो मां के हाथों की बनी वह डिश मंगवा सकती हैं तो आपको बहुत पसंद हो। जैसे मां के हाथ के बनने लड्डू, दही भल्ले या जो भी डिश आपकी फेवरेट हो, मां से कहें कि वह आपके लिए बना कर भेज दें। आपकी पसंदीदा डिश देखकर मूड तो फ्रेश होगा ही, वहीं ऐसा लगेगा कि आप अपनी मां के पास ही हैं। इससे आपको मायके की याद भी कम आएगी।

कुछ देर के लिए मिलने जाएं

अगर आपको बहुत ज्यादा मायके की याद आ रही हो और मायका पास में ही हो तो आप एक दो घंटे के लिए वहां जा सकती हैं। पति के साथ कुछ देर के लिए मायके जाकर सबसे मिल लें। परिवार से मिलने के बाद आपको सुकून मिलेगा। लेकिन ध्यान रखें कि रोजाना या अक्सर मायके जाने का प्लान न बनाएं। ससुरालवालों की खुशी का ध्यान रखते हुए ही मायके जाएं।

रात में बची हुई दाल का सेवन हो सकता है खतरनाक

गैस, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग के हो सकते हैं शिकार, बची हुई दाल को ऐसे करें इस्तेमाल

दाल हर घर में बनती है और हर कोई इसे अपनी डाइट में शामिल करता है। दाल प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है, लेकिन यही दाल जब बासी हो जाती है, तो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। डाइटीशियन और न्यूट्रिशनिस्ट शिल्पा मित्तल बता रही हैं बासी दाल का सेवन करने के नुकसान और दाल खाने का सही तरीका।

बीमार बना सकती है बासी दाल

दाल हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रोटीन से भरपूर दाल हर घर में बनती है। कई घरों में दो टाइम की दाल एक साथ बना दी जाती है, ताकि उसे बार-बार न बनाना पड़े। डाइटीशियन शिल्पा मित्तल कहती हैं, "बची हुई दाल को फिर से इस्तेमाल करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन उसे प्रयोग करने का तरीका सही होना चाहिए। यदि बासी दाल का सही उपयोग न किया जाए, तो फूड पॉइजनिंग, गैस, एसिडिटी की तकलीफ हो सकती है। बची हुई दाल को सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है।"

बची हुई दाल का सेवन ऐसे करें

न्यूट्रिशनिस्ट शिल्पा के अनुसार, यदि दाल बच गई है, तो बनाने के दो घंटे बाद उसे एयर टाइट डिब्बे में फ्रिज में रख दें। जब आप इस दाल का फिर से उपयोग करेंगे, तो खाने से पहले इसे अच्छी तरह उबाल लें, ताकि इसमें बैक्टीरिया न रहें। हालांकि फ्रिज में रखी हुई दाल को फिर से गरम करके खाने से फ्रेश दाल जितनी न्यूट्रीशनल वैल्यू नहीं मिलती, लेकिन गरम दाल का सेवन करने से बीमार होने की संभावना नहीं रहती।

दाल को ऐसे स्टोर करें

बड़े शहरों में कई वर्किंग वुमन दो टाइम की दाल एक साथ बना लेती हैं, ताकि उनका समय बचे और परिवार को पौष्टिक आहार मिले। ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन दो टाइम की दाल एक साथ बनाते समय उसे सही तरीके से स्टोर करें। दाल बन जाने के बाद उसे दो भागों में बांटें और एक भाग को इस्तेमाल से पहले ही एयर टाइट डिब्बे में फ्रिज में रख दें। ऐसा करने से दाल में बैक्टीरिया नहीं पनपेंगे और इसके सेवन से आप बीमार नहीं पड़ेंगे। जिन लोगों को पहले से ही गैस, एसिडिटी की शिकायत है, उन्हें बासी दाल का सेवन करते समय विशेष ध्यान देना चाहिए। फ्रिज में रखी ठंडी दाल का सेवन न करें, उसे अच्छी तरह उबाल कर ही खाएं।

नॉन-स्टिक बर्तनों की संभाल अगर सही हो तो ये सालों-साल चलते हैं

नॉन-स्टिक बर्तनों के उपयोग का चलन बढ़ा है। इनमें खाना पकाना इसलिए भी सुकूनभरा होता है क्योंकि कम तेल में खाना सतह पर चिपके बिना पक जाता है। किंतु नॉन-स्टिक बर्तनों का ध्यान भी रखना पड़ता है, ताकि ये लंबे समय तक चलें और सेहत को हानि भी न पहुंचाएं। लिहाज़ा अगर आप नया नॉन-स्टिक बर्तन लेकर आए हैं तो उसको इस्तेमाल करने और संभालने के तरीकों के बारे में भी जान लें।

सीज़निंग ज़रूरी

नॉन-स्टिक बर्तन को उपयोग में लाने से पहले उसकी सीज़निंग करना भी ज़रूरी है। ऐसा नहीं करने से बर्तन कुछ समय बाद नॉन-स्टिकी गुणवत्ता खोने लगता है। कुकिंग के दौरान तेल की अधिक आवश्यकता होती है। यदि बर्तन में खाना चिपकने लगे तब भी सीज़निंग की आवश्यकता होती है। इसके लिए बर्तन को गर्म पानी और साबुन से धो लें। साफ़ कपड़े से पोंछकर एक चम्मच मूंगफली का तेल या कैनोला तेल अच्छी तरह लगा दें। बर्तन को मध्यम आंच पर 30 से 60 सेकंड तक रखें। आंच से उतारकर ठंडा होने दें। टिशू पेपर से अतिरिक्त तेल पोंछ लें। ये कुकिंग के लिए तैयार है। बर्तन की सीज़निंग के लिए हमेशा मूंगफली या कैनोला तेल ही इस्तेमाल करें।

इस्तेमाल का तरीक़ा

जब बर्तन से कोटिंग निकलने लगे, जगह-जगह से परत उखड़ने लगे तो उसे बदल देना चाहिए। स्टील या अन्य धातु के स्पैचुला और क्लीनिंग पैड का उपयोग करने से भी नॉन-स्टिक बर्तनों को नुक़सान

पहुंचता है। नॉन-स्टिक बर्तन में खाना पकाते समय लकड़ी या सिलिकॉन के स्पैचुला का ही उपयोग करें। चिपके हुए खाने को भी न खुरचें। वहीं गर्म बर्तन को फौरन ठंडे पानी में भिगोना भी इसे ख़राब कर सकता है।

पकाएं, क्या न पकाएं

ऑमलेट, पैनकेक, विभिन्न प्रकार के चीले, डोसा, उत्तपम, चीज़ से बनने वाले व्यंजन बना सकते हैं। वहीं टमाटर, नींबू जैसे अधिक एसिड वाले खाद्य न बनाएं। तरी वाली सब्ज़ी या सॉस इनमें न बनाएं। जिन व्यंजनों में खाद्य पदार्थ का रंग बदलता है, जैसे शक्कर को कैरेमेलाइज़ करना आदि के लिए इसका उपयोग न करें। खीर जैसे मीठे व्यंजन या चावल न पकाएं। मूंगफली या सूखे मेवे न भूनें। मांस को भूनकर कुरकुरा करने के लिए इनका उपयोग न करें।

तापमान का ध्यान रखें

इन बर्तनों पर तेज़ आंच पर कभी खाना न पकाएं। हमेशा मध्यम या कम आंच ही रखें। तेज़ आंच से बर्तन से कोटिंग की परत टूटने लगेगी, जिससे वह जल्दी ख़राब होगा। ये टुकड़े खाने में भी मिलेंगे और सेहत को नुक़सान पहुंचाएंगे। नॉन-स्टिक बर्तन को सबसे पहले तेल या घी डालकर ही आंच पर रखें।

कुकिंग स्प्रे न करें

कुकिंग स्प्रे से तेल कम इस्तेमाल होता है लेकिन इससे बर्तन की सतह पर वसा की परत जम जाती है। कुकिंग के वक़्त भी यह परत जलती नहीं है, एक कोने में इकट्ठी होने लगती है। इससे बर्तन जल्दी ख़राब होता है।

तड़का लगाना हो तो

इसमें तड़का लगाते वक़्त इस बात का ध्यान रखें कि बर्तन में घी या मक्खन डालते वक़्त वह ठंडा हो। ठंडे बर्तन में घी डालकर उसे आंच पर चढ़ाएं और हल्का गर्म होते ही तड़के की सामग्री डाल दें।

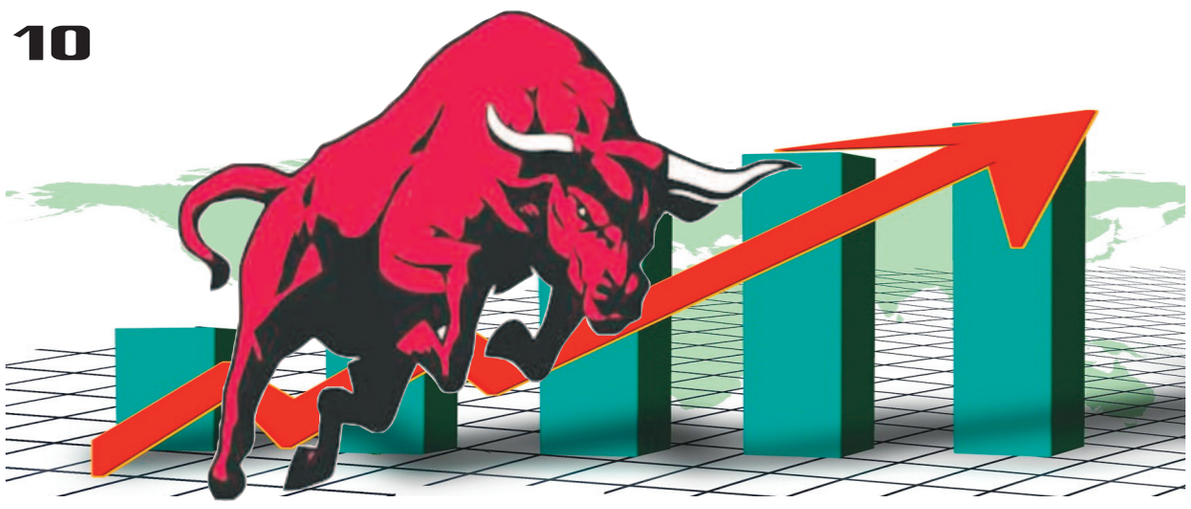

गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के कमजोर नतीजों से मंदी की आशंका बढ़ी, आखिर किस बात का है डर?

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्च इंजन चलाने वाली दुनिया की दिग्गज आईटी कंपनी अल्फोट के खराब नतीजों ने मंदी की आशंका को और बल दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गूगल सर्च विज्ञापन का बिजनेस घटा है जिसके बाद टेक कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दिखी है। अल्फाबेट के निराश करने वाले नतीजों के बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था के विकास की रफ्तार में गिरावट की आशंका और प्रबल हो गई है। वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व केवल छह फीसदी बढ़ा है और यह 69.1 बिलियन डॉलर रहा है। कोरोना महामारी के

अवधि को छोड़ दें तो 2013 के बाद सबसे धीमी रफ्तार से वर्णमाला का ग्रोथ रेट बढ़ा है। विशेषज्ञ नौ फीसदी ग्रोथ रेट का अनुमान जता रहे पर इसमें केवल छह फीसदी की दर से वृद्धि हुई है। गूगल के साथ-साथ माइक्रोसॉफ्ट ने भी टेक सेक्टर की चिंता बढ़ा दी है। कंपनी ने हा है कि उसके क्लाउड बिजनेस में सबसे बड़ा स्लोडाउन दिख सकता है। अल्फाबेट और माइक्रोसॉफ्ट के निराश करने वाले प्रदर्शन के बाद दोनों ही कंपनियों के शेयरो में छह से सात फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। नतीजे घोषित करने के बाद निवेशकों को अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा है कि विज्ञापन बाजार इस समय कठिन दौर से गुजर रहा है। यूट्यूब के विज्ञान से होने वाली आमदनी में दो फीसदी की कमी दर्ज की गई है और यह 7.1 अरब डॉलर रह गया है। एनालिस्ट इसके 4.4 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना जता रहे थे। 2020 के बाद से ये कंपनी के एड सेल्स में आई सबसे बड़ी गिरावट है। टेक कंपनियों के खराब नतीजों का नकारात्मक असर नौकरियों पर पड़ने लगा है। कंपनियों के प्रदर्शन से अब उनका हायरिंग प्रोसेस भी प्रभावित होने लगा है। अल्फाबेट की ओर से कहा गया है कि वह अपनी नियुक्ति योजना में 50 फीसदी से अधिक की कटौती करने वाली है। ऐसे में आने वाले समय में कई और कंपनियों में छंटनी हो सकती है।

एलआईसी आईपीओ ने कराया नुकसान, अब निवेशकों को बेहतर रिटर्न के लिए सरकार ने बनाया प्लान

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ जिन निवेशकों को अलॉट हुआ है, वो अब तक नुकसान में हैं। अब सरकार ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न के लिए एक नया प्लान बनाया है। बता दें कि एलआईसी के आईपीओ से सरकार को 21,000 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। क्या है प्लानः एक अधिकारी के मुताबिक वित्त मंत्रालय कंपनी के प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान एलआईसी प्रबंधन को उन कदमों के बारे में जागरूक कर रहा है, जो निवेशकों की पूंजी बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। अधिकारी के मुताबिक आधुनिकीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हम प्रबंधन के साथ काम कर रहे हैं ताकि वे अपने उत्पादों की पेशकश का आधुनिकीकरण करें और पॉलिसीधारकों को कम लाभांश का भुगतान करें। आपको बता दें कि गैर-भागीदारी वाले बीमा उत्पादों में बीमा कंपनियों को पॉलिसीधारकों को लाभांश के रूप में अपने लाभ को साझा करने की जरूरत नहीं होती। वहीं भागीदारी वाले उत्पादों में बीमा कंपनियों को बीमा कंपनियों को पॉलिसीधारकों को लाभांश देना होता है। 17 मई को हुई थी लिस्टिंगः एलआईसी 17 मई को शेयर बाजारों में लिस्टेड हुई थी। तब से कंपनी का शेयर अपने आईपीओ के इश्यू प्राइस 949 रुपये के स्तर तक भी नहीं जा सका है। बता दें कि कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 872 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ था। मंगलवार को कंपनी का शेयर 595.50 रुपये पर बंद हुआ। ब्रोकरेज को उम्मीदः हालांकि, विदेशी ब्रोकरेज कंपनियां एलआईसी के शेयर को लेकर 'आशावादी' हैं।

फिर 15 फीसदी महंगा हो गया आटा, सूजी और दलिया

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली-छठ के त्योहारों के बीच ही आटा 15 फीसदी महंगा हो गया। सिर्फ आटा ही नहीं, गेहूं से बनने वाले मैदा, सूजी और दलिया भी महंगे हो गए है। आटा के भाव में जहां पांच रुपये प्रति किलो का इजाफा हुआ है तो मैदा और सूजी के भाव में तीन से पांच रुपये किलो की बढ़ोतरी हुई है। इस बार आटे की कीमत में बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नही है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि खुले बाजार में गेहूं नहीं के बराबर मिल रहा है। सरकार ने उन्हें गेहूं देना बंद कर दिया है। इसलिए उन्हें महंगे रेट पर गेहूं खरीदना पड़ रहा है। इस साल होली के बाद से ही आटे का दाम बढ़ ही रहा है। दरअसल, इस साल गेहूं की कटाई के पहले ही रूस और युक्रेन का युद्ध शुरू हो गया था। इससे वैश्विक बाजार में गेहूं का भाव चढ़ गया। जाहिर है कि इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। इसलिए इस साल किसानों ने गेहूं एमएसपी से भी

ज्यादा दाम पर खुले बाजार में बेचा। उसी समय आटा औसतन पांच रुपये किलो महंगा हो गया था। कुछ ही महीने पहले सरकार ने अनब्रांडेड आटा और मैदा को भी जीएसटी के दायरे में ले आया था। हालांकि इसमें छूट यह थी कि 25 किलो से ज्यादा की पैकिंग पर जीएसटी नहीं लगेगा। बाजार में खुला बिकने वाली आटे की बोरी 50 किलो की पैकिंग में आती है। इसलिए इस पर जीएसटी नहीं लगता है। लेकिन तब भी कारोबारियों ने आटे की कीमत में औसतन दो रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी कर दी थी। पिछले सप्ताह मंगलवार को मौजूदा फसल वर्ष के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 110 रुपये की बढ़ोतरी की है। यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि बाजार में पहले से ही इस भाव से ज्यादा दाम पर गेहूं बिक रहा है। तब भी कारोबारियों ने फिर से आटे के दाम में पांच रुपये की बढ़ोतरी कर दी। इस समय बाजार में बिकने वाले खुले आटे का दाम 30 रुपये से 35 रुपये हो गया। इसी तरह 32 रुपये किलो बिकने वाला खुला मैदा भी 35 रुपये किलो बिकने लगा है। सूजी की कीमत में भी तीन से पांच रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। एग्री कमोडिटी के विशेषज्ञ पत्रकार रणधीर सिंह राणा का कहना है कि इस समय खुले बाजार में गेहूं की जबरदस्त किल्लत है। जिन मिलरों के पास पहले का स्टॉक है, उसी से काम चल रहा है। सरकार के पास भी इस समय करीब 222 लाख टन गेहूं का स्टॉक बचा है। यह बफर स्टॉक से थोड़ा ही ज्यादा है।

पीएनबी ने एक हफ्ते में दूसरी बार बढ़ाया एफडी पर ब्याज, अब 4.50 हो गया है रेट

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के प्रमुख सरकारी बैंकों में से एक पंजाब नेशनल बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर एक बार फिर ब्याज बढ़ा दिया है। बैंक ने एक हफ्ते में दूसरी बार एफडी पर ब्याज बढ़ाया है। यह बढ़ोतरी दो करोड़ रुपये से कम की एफडी पर की गई है जो 26 अक्टूबर से प्रभावी होगी। इससे पहले बैंक ने 19 अक्टूबर को एफडी पर ब्याज बढ़ाया था। आरबीआई महंगाई को रोकने के लिए मई से चार बार रेपो रेट में बढ़ोतरी कर चुका है। इसके बाद कई बैंक एफडी पर ब्याज बढ़ा चुके हैं। पीएनबी की वेबसाइट के मुताबिक 46 दिन से 90 दिन की एफडी पर ब्याज दर में 75 बीपीएस की बढ़ोतरी की गई है। अब यह बढ़कर 4.50 फीसदी हो गई है। इसी तरह 180 दिन से लेकर एक साल से कम अवधि की एफडी पर अब पांच के बजाय 5.5 फीसदी ब्याज मिलेगा। एक साल से 599 दिन तक की अवधि के लिए ब्याज दर में 60 बीपीएस की बढ़ोतरी की गई है। इसे 5.70 फीसदी से बढ़ाकर 6.30 फीसदी हो गया है। 600 दिन की एफडी पर ब्याज अब सात परसेंट हो गया है। इसी तरह दो साल से तीन साल की एफडी पर ब्याज 5.80 फीसदी से बढ़कर 6.25 फीसदी हो गया है। ताजा बढ़ोतरी के बाद तीन साल से 10 साल की अवधि के लिए ब्याज दर 6.10 फीसदी हो गई है। सीनियर सिटीजंस को नॉर्मल रेट के ऊपर 50 बीपीएस अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। उन्हें चार फीसदी से लेकर 7.50 फीसदी तक ब्याज मिलेगा।

चीन से आयातित रसायन पर नहीं लगेगा डंपिंग रोधी शुल्क

दवा उद्योग में होता है इस्तेमाल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने चीन से आयातित एक प्रकार के रसायन पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाने का फैसला लिया है। इस रसायन का इस्तेमाल दवा उद्योग में होता है, माना जा रहा है कि सरकार ने इसी कारण ये फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया है। बता दें कि वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आ रहे रसायन (4आर-सीआईएस-1-1- डाइमिथाइलथाइल-6-सा इ नो मि था इ ल - 2 , 2-डाइमिथाइल-1, 3-डाइऑक्सेन-4- एसिटेट) की कथित डंपिंग की जांच की थी और अगस्त में इस पर शुल्क

लगाने की सिफारिश की गई थी।राजस्व विभाग की ओर से जारी एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है। बता दें कि शुल्क लगाने की सिफारिश डीजीटीआर करता है जबकि इसे लगाने के बारे में अंतिम निर्णय राजस्व विभाग लेता है।

केंद्र ने पेंशन संबंधी 3150 शिकायतों का समाधान किया

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने चल रहे विशेष अभियान के दौरान पेंशन संबंधी 3,150 लंबित शिकायतों का समाधान किया। डीओपीपीडब्ल्यू केंद्र सरकार के पें श न भो गि यों / पा रि वा रि क पेंशनभोगियों के पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों से संबंधित नीतियों के निर्माण के लिए नोडल विभाग है। कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, दो अक्तूबर से शुरू हो कर 31 अक्तूबर को समाप्त होने वाले अभियान के दौरान विभाग ने केंद्र सरकार के 68 लाख पेंशनभोगियों के लिए त्वरित निवारण सुनिश्चित करने के लिए 4200 लंबित पेंशन शिकायतों को हल करने का लक्ष्य रखा है।

ऋषि सुनक के पीएम बनने पर ब्रिटेन की मुद्रा पाउंड के साथ क्या हुआ? जानें डॉलर का हाल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के ऋषि सुनक का ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनना वहां की मुद्रा पाउंड को रास आया है। निवेशकों ने ऋषि के पीएम बनने की खबर का स्वागत किया है। इससे पाउंड सितंबर मध्य के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है और डॉलर में गिरावट आई है। मंगलवार को स्टर्लिंग 1.9% की बढ़त के साथ डॉलर के मुकाबले 1.149 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। पूर्व पीएम लिज ट्रस के मिनी बजट के बाद यह अब तक का सबसे उच्चतम स्तर पर है। ब्रिटिश सरकार की ऋण लागत भी पिछले महीने के स्तर पर पहुंच गई है। मंगलवार को प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने वाले भारतवंशी ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक के लिए यह राहत भरी खबर है। बता दें कि बीते कुछ हफ्तों में ब्रिटेन के वित्तीय बाजार में डर का माहौल बना हुआ था, सुनक के पीएम बनने के बाद अब इसमें हल्की राहत नजर आ रही है। प्रधानमंत्री बनने के बाद एक भाषण में ब्रिटेन के

नवनियुक्त प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश के लोगों को आगाह किया है कि गंभीर आर्थिक संकट से निपटने के लिए एकजुटता के साथ कुछ कठिन निर्णय लिए जाने की जरूरत है। जानकार मानते हैं कि पाउंड की मजबूती नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के लिए बहुत हद तक राहत की तरह है, पर यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि यह डॉलर की कमजोरी के कारण हुआ है। अमेरिकी डॉलर में मंगलवार को हाउस प्राइस और यूएस कंज्यूमर कॉन्फिडेंस में सुस्ती दिखने के बाद गिरावट दर्ज की गई। इससे पाउंड को मजबूती हासिल करने में मदद मिली। इन्वेस्टमेंट बैंक सीआईबीसी के एफएक्स स्ट्रैटेजी के प्रमुख जेरेमी स्ट्रेच के अनुसार अमेरिकी मुद्रा में समेकित तौर पर हर जगह गिरावट दिखी है। पर, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि इससे पाउंड में आई मजबूती ब्रिटेन में आर्थिक स्थिरता और सुनक के लिए अच्छी खबर है।

छठ पूजा पर घर जाने के लिए ट्रेनों में मारामारी

महंगी हुई हवाई जहाज की सवारी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत 28 अक्टूबर से हो रही है। दिल्ली हो या मुंबई या फिर दुनिया के किसी कोने कोई बिहार, झारखंड या फिर पूर्वांचल का कोई व्यक्ति रहता हो, इस महापर्व पर अपने घर जाने के लिए बेताब रहता है। इस समय बिहार जाने वाली ट्रेनें ifुल हैं और हवाई जहाज की टिकट के लिए भी मारामारी चल रही है। दिल्ली से पटना तक के लिए 27 अक्टूबर का किराया 12000 से करीब 19000 तक पहुंच गया है। मेकमॉयट्रिप डॉट कॉम पर दिए गए ताजा रेट के मुताबिक 27 अक्टूबर को दिल्ली से पटना तक का फ्लाइट टिकट सबसे महंगा गो फर्स्ट का है। यह एयर लाइन कंपनी दिल्ली से पटना तक एक व्यक्ति

का किराया 18869 रुपये वसूल रही है। जबकि, एयर इंडिया का किराया 16560 रुपये है। वहीं, एयर एशिया 16042 रुपये, इंडिगो 12569, स्पाइसजेट 12359 और विस्तारा एयर लाइंस 14460 रुपये वसूल रही है। इसी तरह दिल्ली से दरभंगा के लिए 27 अक्टूबर को सुबह 11:30 वाली फ्लाइट का किराया 12076 रुपये है तो 14:20 बजे वाली फ्लाइट का 13120 रुपये। सुबह 6:40 बजे और दोपहर 2:25 बजे उड़ने वाली इंडिगो की फ्लाइट का किराया 19101 रुपये है। एयर इंडिया ने 27 अक्टूबर की फ्लाइट के लिए 19102 और 19132 रुपये किराया रखा है। वैसे सामान्य दिनों में दिल्ली से दरभंगा का किराया 4550 से 7000 रुपये तक है।

महिंद्रा ने शेयर किया सेना के जांबाजों का फ्री-फॉल वीडियो

लिखा- मुझे बाकी हफ्ते के लिए ऊर्जा से भर दिया

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ट्विटर पर काफी एक्टिव रहने के लिए जाने जाते हैं। वह समय-समय पर इंस्पिरेशनल वीडियोज व कोट्स शेयर करते रहते हैं। बुधवार को उन्होंने ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया और लिखा कि इसे देखकर उन्हें बाकी बचे सप्ताह के लिए ऊर्जा से भर दिया। आनंद महिंद्रा ने यह वीडियो शेयर कर लिखा, "आमतौर पर बुधवार को थकान शुरू होती है। इस समय पर कहीं से मिला हल्का सा समर्थन हफ्ते के आगे के दिनों के लिए ऊर्जा से भर देता है। इस क्लिप ने मुझे वह प्रेरणा दी है। ऐसा करने में हिम्मत लगती है। ये सही मायनों में व्यस्तता है।" इस वीडियो को भारतीय वायुसेना की इस्टर्न एयर

कमांड के ट्विटर हैंडल से शेयर किया गया है। इसमें भारतीय सेना और वायुसेना संयुक्त अभ्यास करते दिख रहे हैं। वीडियो में स्पेशल फोर्स के कमांडो और गरुड़स द्वारा एयरफोर्स के C-130J विमान से काफी ऊंचाई से छलांग लगाई जा रही है। ईस्टर्न एयर कमांड ने वीडियो शेयर कर लिखा है, "भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा एक और उपलब्धि हासिल की।" बता दें कि यह वीडियो 22 अक्टूबर 2022 का है।

15 से 20 रुपये लीटर अधिक कीमत पर बिक रहा सोयाबीन तेल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशों में सूरजमुखी और सोयाबीन के भाव एक ही हैं पर देश के खुदरा बाजार में सूरजमुखी तेल आयात भाव के मुकाबले 40-50 रुपये लीटर अधिक भाव से और सोयाबीन तेल 15-20 रुपये लीटर अधिक कीमत पर बिक रहा है। बजार सूत्रों ने कहा कि तेल संगठनों को इस बात की भी जानकारी सरकार को देनी चाहिए। तेल संगठनों की खामोशी का फायदा बहुराष्ट्रीय या बड़ी कंपनियों को मिलता है। बता दें विदेशी बाजारों में तेजी के रुख और डॉलर के मजबूत होने के कारण दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सूरजमुखी, सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेल के साथ-साथ सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुतेजी आई, जबकि सामान्य कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के भाव पूर्वस्तर पर

बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान जैसी जगहों के आयातक पहले से ही परेशान थे, जिन्हें लगभग 2,150 डॉलर प्रति टन के भाव आयातित तेल को आधे से भी कम दाम में तब बेचना पड़ा जब इसके आयात का भाव लगभग 900 डॉलर प्रति टन रह गया। इसके साथ डॉलर के मजबूत होने के बाद आयातकों को अधिक रुपये का भुगतान करना पड़ रहा है। आयातक इस दोहरी मार से त्रस्त हैं। सूत्रों ने कहा कि सरकार के शुल्कमुक्त खाद्य तेलों के आयात का कोटा निर्धारित करने के फैसले के बाद बाकी आयातकों ने नये सौदे खरीदने से हाथ खींच लिया। निर्धारित कोटा से अलग आयात करने पर इन आयातकों को आयात शुल्क अदा करने के बाद उनका महंगा तेल बाजार में खपना आसान नहीं रह जायेगा क्योंकि बाजार भाव सस्ते आयातित तेलों के हिसाब से तय होने लगेगा। ऐसे में नये सौदे नहीं होने से बाजार में भारी शॉर्ट सप्लाई की स्थिति बन गई है जिससे तेल कीमतों में मजबूती आई है। सरकार ने सूरजमुखी और सोयाबीन के शुल्क मुक्त आयात का कोटा इस मकसद से तय किया था कि उपभोक्ताओं को ये तेल लगभग 5.50 रुपये लीटर तक सस्ता मिलें पर कोटा निर्धारित करने के बाद बाकी खाद्य तेल आयात लगभग रुक जाने से उपभोक्ताओं को खाद्य तेलों के लिए पहले से कहीं अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

45 लाख शेयर खरीदकर म्यूचुअल फंड ने कंपनी पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने कमोडिटी केमिकल्स बिजनेस से जुड़ी एक कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। यह कंपनी पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स है। क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर बल्क डील्स के जरिए पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स के शेयर खरीदे हैं। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स के शेयर मंगलवार को बीएसई पर 79.75 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। केमिकल कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 100.90 रुपये है। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स के

शेयरों ने पिछले ढाई साल में 1000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के बल्क डील्स डेटा के मुताबिक, क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स लिमिटेड के 4,556,962 शेयर खरीदे हैं। म्यूचुअल फंड ने कंपनी में 1.9 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी है। क्वॉन्ट म्यूचुअल फंड ने 79 रुपये प्रति शेयर के एवरेज प्राइस पर शेयर खरीदे हैं। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स कॉस्टिक सोडा लाइ, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, लिक्विड क्लोरीन, सोडियम हाइपोक्लोराइट और हाइड्रोजन गैस बनाती है। कंपनी, उत्तर भारत में कॉस्टिक सोडा की सबसे बड़ी प्रॉड्यूसर है। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स लिमिटेड के शेयरों ने पिछले ढाई साल में 1000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 6 मार्च 2020 को बीएसई पर 5.83 रुपये के स्तर पर थे। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स के शेयर 25 अक्टूबर 2022 को 79.75 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 6 मार्च 2020 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 13.67 लाख रुपये होता। पंजाब अलकालीज एंड केमिकल्स के शेयरों ने पिछले एक साल में इनवेस्टर्स को 155 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। एक साल पहले 27 अक्टूबर 2021 को केमिकल कंपनी के शेयर 31.29 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2022 को 79.75 रुपये पर बंद हुए हैं।

कंपनी के शेयरों ने इस साल अब तक 46 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। डिस्क्लेमरः यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।

अब शेयरों की तरह होगी गोल्ड की ट्रेडिंग

उतारचढ़ाव का उठा सकते हैं फायदा

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब आप आसानी से एक्सचेंज पर गोल्ड की ट्रेडिंग कर सकेंगे। स्टॉक एक्सचेंज बीएसई ने अपने प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिट लॉन्च किया है। इसमें आप गोल्ड की कीमतों में उतार-चढ़ाव का फायदा ठीक उसी तरह ले सकेंगे, जैसे आप शेयरों की ट्रेडिंग में लेते रहे हैं। मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक्सचेंजेज को ईजीआर की अनुमति दिए जाने के बाद बीएसई को अपने प्लेटफॉर्म पर दिवाली की मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान 95 और 999 शुद्धता के दो नए प्रॉडक्ट्स के साथ इसे लॉन्च किया। बीएसई ने बताया कि ट्रेडिंग 1 ग्राम के मल्टीपल में और डिलिवरी 10 ग्राम और 100 ग्राम के मल्टीपल में होगी। जानकारों का कहना है कि हालांकि दिवाली के दिन ईजीआर को शुभ मुहूर्त के हिसाब से शुरू कर दिया गया है, लेकिन इसमें तब तक सफलता नहीं मिल सकती, जब तक कि सरकार जीएसटी की मैकेनिज्म इसमें सॉल्व नहीं करती। धनतेरस के दिन 2000 इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिट जनरेट हुई और दिवाली के दिन इसमें निवेशकों ने ट्रेडिंग की। इसमें गोल्ड कमोडिटी को सिक्योरिटी ईजीआर में कन्वर्ट करते हैं। जिसके पास फिजिकल गोल्ड का रिसपॉन्सिबल सोर्स है, वह उस गोल्ड को वोल्ट में जाकर जमा करवाएगा। वहां उसे इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिट मिलेगी। जिसे वह एक्सचेंज पर खरीद-बिक्री के लिए रखेगा। अब गोल्ड

की कीमतों और डिमांड के आधार पर उसकी ट्रेडिंग होगी। एक्सचेंज पर निवेशकों को ये ईजीआर उपलब्ध होगी। जिस तरह निवेशक बीएसई पर शेयरों की खरीद-बेच करते हैं, वैसे ही गोल्ड की इन रिसिट की ट्रेडिंग कर सकेंगे। जहां निवेशकों को बाय-सेल करने के लिए डिलिवरी लेने की जरूरत नहीं है। निवेशक डीमैट अकाउंट में अपनी ये ईजीआर रख सकेंगे। बीएसई के सीबीओ समीर पाटिल ने बताया कि इससे प्रीसियम मेटल की प्रभावी और पारदर्शी कीमत का पता लगाने में मदद मिलेगी और निवेशक गोल्ड के उतार-चढ़ाव का फायदा ले सकेंगे। यहां न तो गोल्ड की प्योरिटी और न ही किसी तरह का रिस्क है।इनडिविजुअल इन्वेस्टर्स, इंपोर्टर, बैंक, रिफाइनर्स, सर्राफा कारोबारी, आभूषण बनाने वाले और रिटेलर्स सोने की खरीद बिक्री कर सकेंगे। शेयरों की तरह ही बीएसई पर किसी खास समय पर सोने की कीमत दिखेगी। अगर आप सोना खरीदना या बेचना चाहते हैं तो अपनी मर्जी से आप गोल्ड की खरीद-बिक्री कर सकेंगे। खरीदा गया सोना आपके डीमैट खाते में जमा हो जाएगा।

बीमार जिन्ना कश्मीर में छुट्टियां बिताना चाहते थे

हरि सिंह ने मना किया तो रची जम्मू -कश्मीर पर कब्जे की साजिश

विदेश डेस्क, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। 24 अगस्त 1947 को टीबी और फेफड़े के कैंसर और काम से थक चुके जिन्ना ने कश्मीर में छुट्टियां मनाने और आराम करने का मन बनाया। उन्होंने इसके लिए अपने सेक्रेटरी कर्नल विलियम बर्नी को कश्मीर जाकर सितंबर के मध्य में दो हफ्ते की छुट्टियों का इंतजाम करने को कहा। जिन्ना के लिए कश्मीर को चुनना स्वाभाविक था क्योंकि उनके बाकी देशवासियों की तरह ही उन्हें भी लगता था कि तीन-चौथाई से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला कश्मीर पाकिस्तान के साथ ही विलय करेगा। लेकिन पांच दिन बाद कश्मीर से लौटे अंग्रेज अफसर बर्नी के जवाब ने जिन्ना को स्तब्ध कर दिया। बर्नी ने बताया कि राजा हरि सिंह नहीं चाहते कि जिन्ना कश्मीर की मिट्टी में अपने कदम तक रखें, पर्यटक के तौर पर भी नहीं।

48 घंटे बाद जिन्ना की सरकार ने एक सीक्रेट एजेंट को कश्मीर की असली स्थिति और महाराज के असली इरादे जानने के लिए भेजा। एजेंट जो रिपोर्ट लाया वो जिन्ना के लिए हैरान करने वाली थी। हरि सिंह का पाकिस्तान के साथ जाने का कोई इरादा नहीं

था। इस बात को पाकिस्तान के संस्थापक जिन्ना बर्दाश्त नहीं कर सके। सितंबर मध्य में जिन्ना के करीबी लियाकत अली खान ने महाराज हरि सिंह को काबू में करने का उपाय खोजने के लिए लाहौर में अपने चुनिंदा लोगों के साथ एक गुप्त बैठक की। बैठक में मौजूद षड्यंत्रकारियों ने सीधे आक्रमण का प्रस्ताव तुरंत खारिज कर दिया। पाकिस्तानी सेना ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ थी, जिससे भारत के साथ लड़ाई छिड़ सकती थी।

पाकिस्तान ने आखिरकार कबायलियों को भेजकर कश्मीर पर हमला करवा दिया। लेकिन पाकिस्तानी कबायलियों के कश्मीर से हमले के पहले भी बहुत कुछ हुआ था, पहले वो कहानी जान लेते हैं....

राजा गुलाब सिंह ने कश्मीर को अंग्रेजों से 75 लाख रुपए में खरीदा था

पहले अंग्रेज-सिख युद्ध के बाद राजा गुलाब सिंह और अंग्रेजों के बीच 1846 में अमृतसर संधि हुई थी। राजा गुलाब सिंह ने अंग्रेजों से 75 लाख नानकशाही रुपए में कश्मीर घाटी और लद्दाख विजारत (बाल्टिस्तान, कारगिल और लेह समेत) को खरीदते हुए उसे जम्मू में मिला लिया था, जिस पर पहले ही उनका शासन था।

इसके साथ ही गुलाब सिंह जम्मू-कश्मीर रियासत के पहले राजा बने और उन्होंने डोगरा राजवंश की नींव डाली। 1846 से 1947 तक डोगरा वंश ने ही जम्मू-कश्मीर रियासत पर शासन किया। रियासत ऐसे स्टेट थे, जहां अंग्रेजों के अधीन राजा का शासन होता था। ब्रिटिश शासन के तहत सबसे बड़ी रियासत जम्मू-कश्मीर की थी। भारत की आजादी करीब आने के साथ ही मुस्लिम लीग की 'टू नेशन थ्योरी' यानी भारत का दो देशों के रूप में बंटवारा लगभग तय हो गया था, आखिरकार हुआ भी यही।

15 अगस्त 1947 यानी देश की आजादी के समय तक 560 रियासतों ने भारत में विलय का फैसला किया। लेकिन जूनागढ़, जम्मू-कश्मीर और हैदराबाद ने इन दोनों में से किसी के साथ भी जाने का फैसला नहीं किया।

तब जम्मू- कश्मीर के राजा डोगरा वंश के आखिरी शासक महाराजा हरि सिंह थे। हरि सिंह हिंदू थे, लेकिन उस समय कश्मीर की ज्यादातर आबादी मुस्लिम थी। हरि सिंह भारत और पाकिस्तान के साथ विलय के बजाय आजाद रहने के पक्ष में थे। इस बीच पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने निजी सचिव खुर्शीद हसन को महाराजा हरि सिंह को कश्मीर के पाकिस्तान में विलय के लिए मनाने के लिए श्रीनगर भेजा। लेकिन स्टैंडस्टिल एग्रीमेंट साइन करने के महज 12 दिन बाद यानी 24 अगस्त 1947 को पाकिस्तान ने महाराजा हरि सिंह को एक चेतावनी भरा खत भेजते हुए लिखा, 'कश्मीर के महाराजा के लिए समय आ गया है कि उन्हें अपनी पसंद तय करते हुए पाकिस्तान को चुनना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर जवाहर लाल नेहरू और महात्मा गांधी चाहते थे कि कश्मीर भारत में विलय कर ले। लेकिन इसमें एक दिक्कत थी हैदराबाद, जिसके निजाम भारत के बजाय पाकिस्तान से जुड़ना चाहते थे। ऐसे में भारत सरकार का सारा ध्यान उस समय हैदराबाद के निजाम पर था।

इस बीच 29 सितंबर 1947 को हरि सिंह दशकों से उनके विरोधी रहे और जम्मू-कश्मीर की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत शेख अब्दुल्ला को जेल से रिहा कर दिया। अब्दुल्ला मुस्लिम लीग और जिन्ना के रवैये से नाराज थे। रिहाई के बाद अब्दुल्ला ने जिन्ना के कश्मीर के पाकिस्तान में शामिल होने के समर्थन की अपील ठुकरा दी थी। जेल से रिहा होते ही उन्होंने कश्मीर की आजादी की मांग रख दी। शेख अब्दुल्ला और जवाहर लाल नेहरू से दोस्ती जगजाहिर है।

गुरुग्राम की यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों पर अटैक

ग्राउंड में नमाज से नहीं, फुटबॉल मैच के दौरान बढ़ा झगड़ा

गुरुग्राम, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। 'अफ्रीकन स्टूडेंट मैदान से जा रहे हैं। भारतीय छात्र मारपीट कर रहे हैं। जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्र हमला कर रहे हैं। नस्लीय कमेंट कर रहे हैं। इस देश की एक नेशनल यूनिवर्सिटी में हमारे साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है।'

गुरुग्राम की जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले नाइजीरियन स्टूडेंट ने ये बातें बोलते हुए एक वीडियो शेयर किया। वीडियो फुटबॉल ग्राउंड का है। इसके एक तरफ भारतीय छात्र खड़े दिख रहे हैं, दूसरी तरफ अफ्रीकी छात्र (ज्यादातर नाइजीरियन)।

यूनिवर्सिटी के गार्ड बीच-बचाव कर लड़ाई रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

ये वाकया यूनिवर्सिटी कैंपस में 14 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे का है। दिवाली से 10 दिन पहले यूनिवर्सिटी में भारतीय और नाइजीरियन छात्रों के गुट भिड़ गए थे। लाठी-डंडे चले। एक छात्र का सिर फट गया और कुछ घायल हो गए। यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट ने दोनों गुटों को दूर कर हॉस्टल भेज दिया।

पूरे मामले में दो तारीखें और हैं। घटनाएं अलग हैं, लेकिन एक-दूसरे से जुड़ी हुई। पहली तारीख 30 अगस्त है, जब दोनों गुट पहली बार आमने-सामने आ गए थे। यूनिवर्सिटी के करीब 20 छात्र सोहना गुरुग्राम रोड स्थित यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन करने लगे। उनका कहना था कि 8-10 विदेशी छात्रों ने यूनिवर्सिटी के फुटबॉल मैदान पर नमाज अदा की है। इसके विरोध में भारतीय छात्रों ने कॉरिडोर में नारेबाजी की। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार से शिकायत की गई। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी यूनिवर्सिटी प्रशासन से मिलने पहुंचे।

विरोध कर रहे छात्रों का कहना था कि विदेशी स्टूडेंट्स को नमाज अपने हॉस्टल के कमरे या मस्जिद में अदा करनी चाहिए। हालांकि, रजिस्ट्रार धीरेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि पूरा मामला 15-20 मिनट में निपटा लिया गया।कैंपस में उद्यमी बाजार मेला लगा था। शाम के 7-8 बजे अचानक हाथों में सरिये, डंडे लेकर छात्रों का गुट बिल्डिंग से निकला।

वंदे मातरम, जय श्री राम, भारत माता की जय के नारे लगने लगे। भारतीय स्टूडेंट नाइजीरियन छात्रों के हॉस्टल में घुसकर तोड़फोड़ करने लगे। हमें इसी दिन के कई वीडियो मिले हैं, कुछ वीडियो में नाइजीरियन छात्र भी हाथ में लाठियां-डंडे लिए दिख रहे हैं। 40 मिनट तक यूनिवर्सिटी कैंपस में हंगामा होता रहा।

14 और 15 अक्टूबर को छात्रों के बीच हिंसक झड़प की पड़ताल के लिए हम यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंचे। रजिस्ट्रार धीरेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि उस दिन फुटबॉल ग्राउंड में फ्रेंडली मैच हो रहा था। प्लेयर्स खिलाने को लेकर कैप्टन और दूसरे छात्रों के बीच बहस हुई और विवाद बढ़ गया।

सुनक की कैबिनेट का ऐलान

भारतीयों के खिलाफ बोलने वाली सुएला दोबारा होम मिनिस्टर बनीं

लंदन, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी कैबिनेट का ऐलान किया। मंत्रिमंडल में लिज सरकार में इंटीरियर मिनिस्टर रहीं भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन की वापसी हुई। उन्होंने दोबारा होम मिनिस्टर नियुक्त किया गया है। वह भारतीय मूल की हैं।

सुनक विपक्ष के सवालों का देंगे जवाब

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में सनुक का आज पहला दिन है। आज ही वो संसद में विपक्ष का सामना करेंगे। इस दौरान विपक्ष के नेता उनसे 6 सवाल पूछेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि ब्रिटेन में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बाद ये संसदीय सत्र काफी हंगामेदार होगा।

6 दिन पहले ही सुएला ने इस्तीफा दिया था

लिज सरकार में 43 दिन होम मिनिस्टर रहीं सुएला ने 20 अक्टूबर को पद से इस्तीफा दे दिया था। भारत के खिलाफ बयान

देने के बाद उनके इस्तीफे की खबरें सामने आई थीं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि अगर भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होता है तो इससे ब्रिटेन में प्रवासी बढ़ जाएंगे। ब्रिटेन के प्रवासी वीजा की समय सीमा खत्म होने के बाद भी नहीं जाते। भारतीयों के लिए इस तरह से सीमा नहीं खोली जानी चाहिए।

ब्रेग्जिट के सपोर्ट में थीं

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रेवरमैन को ब्रिटेन में शरण लेने वालों को रवांडा भेजने की सरकारी योजना का जिम्मा सौंपा गया था। हालांकि, इस योजना को काफी कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह कंजर्वेटिव पार्टी के ब्रेग्जिट (यूरोप से ब्रिटेन के अलग होने) धड़े की समर्थक रहीं।

सुएला के इस्तीफे की वजह

सुएला ब्रेवरमैन पर गोपनीयता का उल्लंघन करने के आरोप थे। उन्होंने पर्सनल ई-मेल से एक सांसद को सरकारी दस्तावेज भेजे थे, जिसके बाद उन पर आरोप लगे। इसके बाद ब्रेवरमैन ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सरकार की पॉलिसी मेकिंग स्ट्रैटेजी पर पिछले दिनों भी सवाल उठाए थे। सुएला ने कहा था- हमने शुरुआत में ऐसे वादे ही क्यों किए जो पूरे नहीं किए जा सकते थे। अब लोगों से हर बात पर माफी मांगना गलत है।

ब्रिटिश नागरिक हैं ब्रेवरमैन

बोरिस जॉनसन की सरकार में 42 साल की सुएला ब्रेवरमैन अटॉर्नी जनरल थीं। वे हिंदू-तमिल परिवार से हैं। हालांकि, उनके पेरेंट्स केन्या और मॉरिशस से ब्रिटेन आए थे।

सुएला का जन्म 3 अप्रैल 1980 में लंदन में ही हुआ। उनकी परवरिश वेंबले में हुई और उनके पास ब्रिटिश नागरिकता है।

बोरिस जॉनसन सरकार में मंत्री रहे डॉमिनिक रॉब को उप प्रधानमंत्री और कानून मंत्री बनाया। बेन वॉलेस डिफेंस मिनिस्टर बने रहेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर के कायल हुए यूएई के मंत्री कहा उनके जैसा कोई नहीं

नई दिल्ली, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की यूएई के मंत्री उमर सुल्तान अल ओलमा ने जमकर तारीफ की है. उन्होंने कहा है कि जयशंकर जिस तरह से दुनिया के सामने भारत की विदेश नीति रख रहे हैं, वो इससे काफी प्रभावित हैं.

संयुक्त अरब अमीरात के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मंत्री उमर सुल्तान अल ओलमा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की तारीफ की है. उन्होंने आज यानी 26 अक्टूबर को कहा कि दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच जयशंकर जिस तरह से वर्ल्ड स्टेज पर भारत की विदेश नीति को सामने रख रहे हैं, वो इससे प्रभावित हैं. उमर सुल्तान अल ओलमा ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर की प्रशंसा की. ये पहला मौका नहीं है, जब किसी अन्य देश के नेता ने जयशंकर की तारीफ की हो. इससे पहले भी जयशंकर को विश्व के नेताओं से सराहना मिल चुकी है. पिछले कुछ समय में उन्होंने जिस तरह से भारत के पक्ष को दुनिया के सामने रखा है, उसने बहुतों को प्रभावित किया है.

मैं जयशंकर से बहुत प्रभावित हूं: अल ओलमा

अल ओलमा ने एक सवाल के जवाब में बताया कि वह दुनियाभर में पैदा हुईं विपरीत परिस्थितियों से कैसे निपटते हैं. उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से दुनिया एकध्रुवीय, द्विध्रुवी या त्रिध्रुवीय थी, जहां आपको पक्ष चुनना था. मैं आपके विदेश मामलों के मंत्री से बहुत प्रभावित हूं. मैं उनके कुछ भाषण देखता हूं. यूएई और भारत दोनों के लिए एक बात बहुत स्पष्ट है कि हमें पक्ष चुनने की जरूरत नहीं है.

वो कहते हैं कि अंत में जियो पॉलिटिक्स कुछ पार्टियों के हित से निर्धारित होती है. जो मॉडल ऐतिहासिक रूप से अस्तित्व में था

वह दुर्भाग्य से अब यहां नहीं है. आज देश को अपने हितों के बारे में सोचने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि अगर यूएई भारत के साथ काम करता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह अमेरिका के साथ काम नहीं कर सकता. हम तीनों एक साथ काम कर सकते हैं. भारत-इजराइल-यूएई-यूएसए समूह इसका महान उदाहरण है.

व्यापार और निवेश के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अब कॉमर्स के माध्यम से दुनिया पर हावी होने का समय है. भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश दुनियाभर में अपने कदमों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं.

इमरान कर चुके हैं जयशंकर की तारीफ

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कई मौकों पर जयशंकर की तारीफ कर चुके हैं. हाल ही में इमरान ने कहा कि जिस तरह से भारतीय विदेश मंत्री ने रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर अपने लोगों का रुख दिखाया वह काबिले तारीफ है. जयशंकर ने रूस-यूक्रेन युद्ध, रूस से हथियार लेने समेत कई मसलों पर स्पष्ट रूप से भारत का पक्ष सबके सामने रखा है. वो चीन के साथ संबंधों पर भी भारत का पक्ष साफ तरीके से सामने रख चुके हैं.

अगर रूस ने यूक्रेन पर परमाणु हमला किया तो 'बड़ी गलती होगी' बाइडेन ने पुतिन को चेताया

वाशिंगटन, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। इससे पहले, यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने रूस के इस दावे को खारिज किया कि कीव रेडियोधर्मी उपकरण तथाकथित डर्टी बम के जरिए उसे उकसाने की कोशिश कर रहा है.

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रूस को यूक्रेन में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि यह अत्यंत गंभीर गलती होगी. बाइडेन प्रशासन ने पहले कहा था कि रूस ने नोटिस दिया है कि उसका अपनी परमाणु क्षमताओं का नियमित अभ्यास करने का इरादा है. इससे पहले, यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने रूस के इस दावे को खारिज किया कि कीव रेडियोधर्मी उपकरण

तथाकथित डर्टी बम के जरिए उसे उकसाने की कोशिश कर रहा है.

यूक्रेन ने कहा कि रूसी सेना अपने कब्जे वाले यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा प्लांट में गुप्त रूप से निर्माण कार्य कर रही है और अपनी गतिविधि से ध्यान हटाने के लिए वह यूक्रेन पर आरोप लगा रही है. बाइडेन ने मंगलवार को कहा, मैं यह कहना चाहता हूं: यदि रूस सामरिक परमाणु हथियार का इस्तेमाल करता है, तो यह अत्यंत गंभीर गलती होगी.

परमाणु हथियारों का इस्तेमाल रूस की 'बड़ी गलती होगी'

अमेरिका के राष्ट्रपति से सवाल किया गया था कि क्या रूस डर्टी बम या परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है. बाइडेन ने कहा, मैं आपको इस बात की गारंटी नहीं देता हूं कि यह वास्तविकता को छुपाने के लिए चलाया गया कोई अभियान है या नहीं. मुझे नहीं पता, लेकिन यह बड़ी भूल होगी. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन ज्यां पियरे ने कहा कि राष्ट्रपति ने अपनी बात स्पष्ट रूप से कही. उन्होंने कहा, उन्होंने आज फिर से यह कहा. यूक्रेन में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करना रूस की बड़ी गलती होगी और इसके गंभीर परिणाम होंगे."

न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, संसद में पहली बार पुरुषों से ज्यादा महिलाएं

विदेश डेस्क, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि न्यूजीलैंड को दुनिया के उन आधा दर्जन देशों की सूची में शामिल करती है, जो इस वर्ष अपनी संसदों में महिलाओं के कम से कम 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हासिल करने का दावा कर सकते हैं.

न्यूजीलैंड के इतिहास में पहली बार महिला सांसदों की संख्या पुरुष सांसदों से अधिक हो गई है. उदारवादी लेबर पार्टी की नेता सोराया पेके मैसन ने मंगलवार को संसद की सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की. उन्होंने न्यूजीलैंड संसद में पूर्व स्पीकर ट्रेवर मलार्ड का स्थान लिया. मलार्ड को आयरलैंड का राजदूत नियुक्त किया गया है. एक अन्य पुरुष सांसद के इस्तीफे के कारण संसद

में महिलाओं की संख्या 60 और पुरुषों की संख्या 59 हो गई है.

पेके मैसन ने कहा, यह मेरे लिए बेहद खास दिन है. मुझे लगता है कि यह न्यूजीलैंड के लिए एक ऐतिहासिक दिन है. अंतर-संसदीय संघ के मुताबिक, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि न्यूजीलैंड को दुनिया के उन आधा दर्जन देशों की सूची में शामिल करती है, जो इस वर्ष अपनी संसदों में महिलाओं के कम से कम 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हासिल करने का दावा कर सकते हैं. ऐसा अन्य देशों में क्यूबा, मैक्सिको, निकारागुआ, रवांडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं.

महिलाओं को वोटिंग का अधिकार देने वाला पहला देश संघ के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर 26 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं. न्यूलीजैंड में महिलाओं के मजबूत प्रतिनिधित्व का इतिहास रहा है. न्यूजीलैंड 1893 में महिलाओं को मतदान का अधिकार देने वाला पहला देश बना था. मौजूदा प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न देश की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं. इसके अलावा, प्रधान न्यायाधीश और गवर्नर जनरल समेत देश के कई अन्य शीर्ष पदों पर महिलाएं काबिज हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 1919 तक चुनावों में महिलाओं को खड़े होने का अधिकार नहीं मिला था. पहली बार 1933 में एक महिला के रूप में एलिजाबेथ मैककॉम्ब्स ने उप चुनाव जीता था, जिन्होंने अपने पति जेम्स की जगह ली थी. देश में पहली बार हेलेन क्लार्क प्रधानमंत्री बनी थीं, जो सिर्फ 17वीं महिला सांसद थीं और वह 1999 से 2008 तक देश की प्रधानमंत्री रहीं थीं.

तेजी से पिछड़ रही महिलाएं-आर्डन

नेशनल पार्टी की उप नेता निकोला विलिस ने कहा, मैं वास्तव में इस बात से खुश हूं कि मेरी बेटियां ऐसे देश में बड़ी हो रही हैं, जहां सार्वजनिक जीवन में महिलाओं का बराबर का प्रतिनिधित्व है. वहीं, पीएम अर्डर्न ने कहा कि कई देशों में महिलाओं की स्थिति को लेकर अनिश्चितता है. उन्होंने कहा, हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, ऐसा लगता है कि हम कई महिलाओं को प्रगति के मामले में तेजी से पीछे की ओर खिसकते देख रहे हैं.

नेपाल में मना कुकुर तिहार: माला पहनाकर, तिलक-आरती से कुत्तों की वफादारी का शुक्रिया अदा किया

काठमांडू, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। नेपाल में 5 दिनों तक चलने वाले तिहार फेस्टिवल की शुरुआत 23 अक्टूबर से हुई। दूसरे दिन कुकुर तिहार मनाया गया। इस दिन कुत्तों को उनकी वफादारी के लिए देवदूत के रूप में पूजा जाता है। त्योहार के पहले दिन काग तिहार होता है, जिसमें कौओं के लिए छत पर पकवान रखे जाते हैं। कुकुर तिहार के तहत तिलक-माला और आरती उतारकर श्वानों को कई पकवान

खिलाए गए।

नेपाल पुलिस ने भी अपने डॉग स्क्वॉड के साथ इस त्योहार को मनाया। नेपाल पुलिस का कैनाइन डिवीजन भी डॉग्स को उनकी सेवा और योगदान के लिए उन्हें सम्मानित करने के लिए सालाना समारोह आयोजित करता है।

डिवीजन के डॉग्स ने करतब दिखाए और मेडल पाए

डिवीजन के दर्जनों श्वानों में से एक को केस सुलझाने में उनकी भूमिका के आधार पर ₹डॉग ऑफ द ईयर₹ की उपाधि दी गई। इसके अलावा मेडल उन कुत्तों को भी दिए गए, जिन्होंने अपने स्पेशल एरिया में अपराध के रहस्यों को सुलझाने, सबूत इकट्ठा करने, खोज और बचाव में सहायता करने और नशीले पदार्थों के व्यापारियों को पकड़ने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अकेले काठमांडू घाटी में अनुमानित 20,000 आवारा कुत्ते हैं।पोखरा में अधिकारी कुत्तों की माइक्रोचिपिंग कर रहे हैं, जबकि काठमांडू की नगर परिषद ने आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए डॉग मैनेजमेंट मूवमेंट शुरू किया है।

सुनक के सामने होंगे 3 पूर्व पीएम:थेरेसा मे के साथ जॉनसन और ट्रस भी संसद में होंगे; ब्रिटेन का हिंदू समुदाय बेहद खुश

लंदन, 27 अकटूबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन के 57वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। पीएम बनने के बाद उन्होंने पहली पब्लिक स्पीच में कहा- हमारा रास्ता मुश्किल है, लेकिन यह सफर तय किया जाएगा। यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस से गलतियां हुईं, इन्हें सुधारा जाएगा।

अब ब्रिटिश संसद और खासतौर पर कंजर्वेटिव पार्टी पर नजरें रहेंगी। इसकी कुछ वाजिब वजहें भी हैं। सुनक ने स्पीच में लिज ट्रस की

गलतियों का जिक्र किया। सवाल ये है कि संसद में उनके साथ अपनी ही पार्टी के 3 पूर्व प्रधानमंत्री होंगे। इसलिए ये हालात कुछ अलग नजर आते हैं। थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस। ये तीनों ही पूर्व प्रधानमंत्री वो हैं, जिन्होंने पिछले तीन साल में बतौर प्राइम मिनिस्टर काम किया। आशंका है कि संसद में तीन पूर्व पीएम होना कंजर्वेटिव पार्टी की अंदरूनी कलह भी बढ़ा सकता है। हालांकि, यह ब्रिटिश डेमोक्रेसी और गवर्निंग सिस्टम का हिस्सा है। इससे भी बड़ी बात यह है कि तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों का यह समीकरण सुनक के लिए मुश्किलों का सबब बन सकता है। उम्र के लिहाज से भी नए पीएम काफी यंग हैं। प्रेसिडेंशियल सिस्टम में यह कम देखा जाता है कि कोई पूर्व राष्ट्रपति टर्म खत्म होने के बाद बतौर सांसद पार्लियामेंट में नजर आए। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद कई पूर्व प्रधानमंत्री बतौर सांसद देखे गए।

आपसी मतभेद जारी रहेंगे

सुनक बोरिस जॉनसन कैबिनेट में बहुत कामयाब फाइनेंस मिनिस्टर रहे। जब उन्होंने जॉनसन का विरोध करते हुए कैबिनेट छोड़ी तो नतीजा ये हुआ कि बोरिस को भी कुछ महीने में इस्तीफा देना पड़ा।

अब जॉनसन भी सुनक के हर कदम पर पैनी नजर रखेंगे। साथ में दो महिलाएं थेरेसा मे और लिज ट्रस भी होंगी।

झुग्गी में रहने वाले ने रतन टाटा का ऑफर ठुकराया

बोले- मां ने दूसरे घरों में बर्तन मांजे, लेकिन मुझे पैसे नहीं, काम चाहिए

एक्सक्लूसिव डेस्क, 26 अक्टूबर। 30 की उम्र। पैदा होने से लेकर अब तक गरीबी का दंश झेल रहा हो। बूढ़ी मां, पत्नी और 3 साल के बच्चे के साथ मुंबई के कोलाबा की झुग्गी में रहता हो। झुग्गी भी ऐसी की सीढ़ी के किनारे लगी रस्सी को पकड़कर ना चढ़ो, तो नीचे गिरने का भी डर। ऐसे हालात में मुंबई जैसे महानगर में घर खरीदने के लिए उद्योगपति रतन टाटा से बंद लिफाफे में एक चेक मिले, जिसमें करीब 70 लाख से एक करोड़ रुपए की रकम भरी हो, तो क्या कोई लेने से इनकार कर देगा?

शायद आप कहेंगे- नहीं, लेकिन आर्टिस्ट नीलेश मोहिते ने इस ऑफर को स्वीकार नहीं किया। नीलेश ने रतन टाटा से चेक के बदले काम देने की बात कही।

नीलेश के 8x8 के कमरे में नजरें फेरने पर सिर्फ पेंटिंग ही पेंटिंग नजर आती हैं।

पत्नी के साथ बैठे नीलेश जब अपनी कहानी सिलसिलेवार तरीके से बयां करना शुरू करते हैं, तो उनकी आंखें डबडबा जाती हैं।

वो कहते हैं, गांव में इतनी गरीबी थी कि हम लोग 2009 के आसपास महाराष्ट्र के रायगढ़ से मुंबई आ गए। पापा को शराब की लत थी। इस वजह से घर में हर रोज कलह होने लगी। फिर वो अलग रहने लगे। हालांकि, वो दिल से अच्छे थे।

मां और बहन के साथ मैं कोलाबा के मच्छीमार कॉलोनी की एक झुग्गी में किराए पर रहता था। पापा के नशा करने की वजह से घर की स्थिति बहुत खराब हो गई। पानी के साथ बिस्किट खाकर रहना पड़ता था।

मां घर चलाने के लिए दूसरों के घरों में खाना बनाना, झाड़ू-पोंछा करना और बर्तन धोने का काम करने लगीं। इस बोझ का मां पर असर पड़ा। उनकी तबीयत खराब रहने लगी। उनका ऑपरेशन करवाना पड़ा। डॉक्टर ने कहा कि अब मां को काम छोड़ना पड़ेगा।

मैं उस वक्त 9th क्लास में था। घर में कोई कमाने वाला नहीं था। मैंने पढ़ाई छोड़ दी। स्कूल के दिनों से ही पेंटिंग का शौक पनपने लगा था। वो दिन भी मुझे याद हैं जब ब्लैकबोर्ड पर चॉक से स्केचिंग करने लगता था। क्लास बंक कर पेंटिंग की एग्जिबिशन देखने चला जाता था।

एक बार मैं मुंबई की जहांगीर आर्ट गैलरी में मशहूर आर्टिस्ट एम एफ हुसैन के पेंटिंग की एग्जिबिशन देखने गया था, वहां से ही पेंटिंग की लत लग गई।

मां के बीमार पड़ने के बाद स्कूल छोड़ना पड़ा। घर चलाने के लिए ऑफिस बॉय का काम करने लगा। सुबह कुछ घंटे ये काम करने के बाद दूसरे ऑफिस में गार्ड और चपरासी का काम करता था। कुछ सालों तक ये चलता रहा।

जब लोगों ने कहा कि मुझे थोड़ा और पढ़ लेना चाहिए। इसके बाद मैंने काम के साथ-साथ आगे की पढ़ाई के लिए नाइट स्कूल में एडमिशन ले लिया। हालांकि, कई बार ऐसा हुआ कि पैसे कमाने के लिए अपनी क्लासेस मिस कर देता।

इसलिए ऑफिस बॉय का काम छोड़कर होटल में वेटर की नौकरी करने लगा। रात में यहां काम करता और दिन में पेंटिंग बनाता। धीरे-धीरे पेंटिंग मेरा पैशन बन गया। मैं इसमें इतना माहिर हो गया कि राजा-महाराजाओ की पेंटिंग तक बनाने लगा।

एक शाम की बात है। होटल में मैं एक कस्टमर को चाय सर्व कर रहा था, तो ट्रे में रखे पेपर

नैपकिन पर सामने बैठे कस्टमर की स्केचिंग करने लगा। जब होटल के सुपरवाइजर की नजर मुझ पर पड़ी, तो वो चिल्लाते हुए आया। मुझे डांटने लगा। बोला- क्या तुम्हें इसी के पैसे मिलते हैं?

लेकिन जब उसकी नजर मेरी स्केचिंग पर पड़ी, तो वो दंग रह गए। उसने कहा- मैं तुम्हें कुछ बड़े लोगों से मिलाऊंगा। तुम और अच्छी पेंटिंग बना सकते हो। उन्हें बेच भी सकते हो।

यहां से मेरा शौक पेशे में बदल गया। धीरे-धीरे पेंटिंग के ऑर्डर भी मिलने लगे।

अब नीलेश के रतन टाटा से मिलने की कहानी

मैं रतन टाटा से बहुत ज्यादा इंस्पायर्ड हूं। 2017 का साल था। मैंने रतन टाटा की कुछ पेंटिंग बनाई थी, जिसे उनके बर्थडे पर गिफ्ट करना चाहता था।

कई महीनों तक सप्ताह में दो-तीन दिन उनके बंगले के बाहर जाकर खड़ा हो जाता। टाटा को मैं गाड़ी में बैठकर जाते हुए ही देख पाता था। डायरेक्ट मिलने का कोई जरिया नहीं था। मेरे एक जानने वाले टाटा के बंगले पर जाया करते थे। मैंने उनसे कहा कि वो मुझे टाटा से मिलवा दें।

दूसरी बार, 2018 में फिर उनके बर्थडे पर जाना हुआ। इस बार मैंने उनकी बड़ी पेंटिंग बनाई थी। जब उन्होंने मुझसे पेंटिंग के बारे में पूछा, तो मैंने कहा- जितनी बड़ी ये पेंटिंग है, उससे थोड़ा बड़ा ही मेरा घर है। इसे रखने में काफी दिक्कत होती है। इसलिए ज्यादा पेंटिंग्स नहीं बना पाता हूं।

रतन टाटा को जब ये बात पता चली कि मैं छोटे से एक कमरे में रहता हूं, तो उन्होंने एक बंद लिफाफा मुझे ऑफर किया। उसमें चेक था, मुझे नहीं पता कि कितने का था।

रतन टाटा बोले, 'नीलेश इससे मुंबई में घर खरीद लेना। फिर तुम और ज्यादा पेंटिंग बना पाओगे।'

मैंने चेक लेने से इनकार कर दिया, उनसे कहा- यदि आप मुझे कुछ देना ही चाहते हैं, तो काम दीजिए। रोजी-रोटी की जरूरत है। ये सुनकर टाटा मुस्कुराने लगे। बोले- ठीक है, आपके लायक कुछ होगा तो हमारे अधिकारी इन्फॉर्म कर देंगे।

इसी बीच कोरोना आ गया। रतन टाटा की तबियत खराब हो गई। इलाज के लिए वो विदेश चले गए, जब वापस लौटे तो मैं फिर उनसे मिलने के लिए गया। इस साल सितंबर-अक्टूबर में उन्होंने होटल ताज में मेरी पेंटिंग्स की एग्जिबिशन ऑर्गेनाइज करवाई। दो महीने में 21 पेंटिंग बनाईं और इसे होटल ताज में डिस्प्ले किया, लेकिन एक भी पेंटिंग नहीं बिकी।

मैं फिर से रतन टाटा से मिलना चाहता हूं। इस बात का मुझे अंदेशा है कि टाटा के अधिकारी मेरी मुलाकात उनसे नहीं करवाना चाहते हैं। हर बार पूछने पर टालमटोल करते हैं। मैंने सलमान खान, शाहरूख खान समेत बॉलीवुड के कई सितारों की पेंटिंग्स बनाकर रखी हैं। उनसे भी मिलकर इन्हें देना चाहता हूं।

अभी महीने में एक-दो पेंटिंग बिक जाती हैं, जिसकी कीमत 16 हजार से लेकर 50 हजार तक की होती है। हालांकि, मुझे आज भी काम मिलने का इंतजार है।

खुद्दार कहानी की कुछ और स्टोरीज भी पढ़ सकते हैं

1. **15 की उम्र में शादी, 21 में तलाक:** बच्चों को घर में बंद करके शूटिंग पर जाती, आज जो स्टंट एक्ट्रेस नहीं कर सकतीं, वो मैं करती हूं

9 साल की उम्र में मां की मौत। 15 साल की उम्र में शादी। 19 साल की उम्र में 2 बच्चे। 21 साल की उम्र में तलाक। पैदा होने के साथ ही स्ट्रगल शुरू हो गया। मैंने एक दिन में 500 रोटियां बनाईं, पैसों के लिए स्पा सेंटर में काम किया। शादियों में डांस किया।

2. **कैम्ब्रिज जाने से पहले पिता की मौत:** मां पापड़ बनाती, मैं पटना की गलियों में बेचता; स्लम के 2 बच्चों से 'रामानुजन कोचिंग' शुरू किया

1993-94 का साल था। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए ऑफर आया था। मेरे जाने की तैयारी चल रही थी। मां खुश थी कि बेटा कैम्ब्रिज जाएगा, लेकिन हमारे पास हवाई जहाज के टिकट तक के पैसे नहीं थे।

3. **शुरुआती दौर अंगुलिमाल जैसा रहा:** अवध ओझा को कोचिंग चलाने के लिए बारटेंडर की जॉब करनी पड़ी, आज 1,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स को यूपीएससी करा रहे क्रैक

इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में यूपीएससी की तैयारी कर रहा था। जब लास्ट अटेम्प्ट में भी नहीं क्रैक कर पाया तो घर चला गया। मां ने कहा, तुम्हारा तो गेम ही ओवर हो गया। अब तो जिंदगी भर मेरे सहारे जिंदा रहोगे।

बम फटा सीने में घुसा गिलास का टुकड़ा, नाबालिग की मौत

ऊन बम फोड़ने गिलास में डाला, बगल में रख दिए ईंट, फटते ही दर्दनाक हादसा

कोरिया/बैकुंठपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में दिवाली के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक नाबालिग लड़के ने बम फोड़ने उसे स्टील के गिलास में डाल दिया। उसके अगल-बगल ईंट रख दिए। इसके बाद उसके ऊपर से भी ईंट रख दिया। जिसके बाद वह फटा तो गिलास का टुकड़ा लड़के के सीने में घुसा गया और उसकी मौत हो गई है। मामला चरचा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बैकुंठपुर के नगर इलाके में जगत सिंह(16) अपने किसी रिश्तेदार के यहां रहता था। उसकी 2 छोटी बहन भी दूसरे किसी रिश्तेदार के यहां रहती हैं। पिता कुछ काम नहीं करता था। इस वजह से वह इधर-उधर घूमता रहता है। मां की मौत हो चुकी है। जगत भी 10वीं तक पढ़ाई करने के बाद अपने रिश्तेदार के यहां रहता था।

दिवाली की रात को जगत अपने दोस्तों के साथ दिवाली मना रहा था। रात के वक्त सभी पटाखे जला रहे थे। उसी दौरान जगत भी बड़ा ऊन बम(टॉप टाइगर) फोड़ने गया था।

इस बीच उसने अपने दोस्तों से कहा कि वह इसे अलग तरीके से फोड़ेगा। इसके बाद उसने एक गिलास लाया और गिलास में बम को रखा दिया । साथ ही अगल-बगल ईंट रख दिए। फिर बम में आग लगाकर ऊपर से ईंट रखकर भाग ही रहा था कि इतने में बम फट गया। जगत भाग भी नहीं पाया था और गिलास का टुकड़े उसके सीने में घुस गया।

घटना के बाद जगत बेहोश होकर वहीं गिर गया। गिलास और ईंट के टुकड़े चारों तरफ फैल गए थे। तुरंत ही उसके दोस्त उसे पास के अस्पताल में ले गए। जहां के डॉक्टरों ने उसे रात में ही जिला अस्पताल रेफर किया था। मगर अधिक खून बह जाने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल ले जाते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उधर, घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई थी। शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। जिसमें शरीर के अंदर स्टील गिलास के टुकड़े मिले हैं। बाद में शव को परिजनों को सौंप दिया गया। जिसके बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की जानकारी मंगलवार शाम को सामने आई हैं। जगत के दोस्तों ने पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है।

जेल जाकर कैदियों के बच्चों को पढ़ाया

बास्केटबॉल की कोचिंग देकर 2 लड़कियों को जिताया गोल्ड मेडल, 100 मासूमों को लिया है गोद

एक्सक्लूसिव डेस्क, 26 अक्टूबर। 'वो कहते हैं ना कड़ी मेहनत से भाग्य का लिखा बदला जा सकता है' उत्तर प्रदेश के बागपत के गोठरा गांवकी रेखा गुर्जर अपनी नेकदिली और मेहनत से झोपड़पट्टी में रहने वाले बच्चों, कैदियों के बच्चों की तकदीरें लिख रही हैं।'

रेखा गुर्जर जोकि माता गुर्जरी पन्ना धाय ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं, उन्होंने बताया, 'मैंने सड़क के किनारे गुजर-बसर करने वाले परिवारों के करीब 100 बच्चों को गोद लिया है। मैं उन्हें पढ़ा-लिखा कर अच्छा नागरिक और इंसान बनाना चाहती हूं। मेरी ख्वाहिश है कि हर बच्चा अपने पैरों पर खड़ा हो।'

पापा से मिली समाज सेवा की प्रेरणा

मेरे पिता टीचर थे। मां हाउसवाइफ। पापा बच्चों को पढ़ाया करते थे। तभी से मेरे मन में समाज को शिक्षित करने की जो लौ जगी उसे मैं अब तक लोगों और गरीब बच्चों में बांट रही हूं। स्कूल के बाद मैंने ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट किया। इसी दौरान मेरी शादी बास्केटबॉल कोच से हो गई। शादी के बाद भी मैंने पढ़ाई की। हसबैंड ने भी समाजसेवा के मेरे काम में पूरा सपोर्ट किया।

मजदूरों को समझाया बच्चों को पढ़ाइए

मैं पहले सड़क के किनारे झोपड़ी में रहने वाले बच्चों को पढ़ाया करती थी। उनके घर जाती बच्चों के माता-पिता को पढ़ाई का महत्व बताती और समझाती कि अगर पढ़-लिख जाएंगे तो आगे जा कर समाज में आपका नाम रोशन करेंगे। इस मिशन में कई दिक्कतें भी आतीं। एक 11 साल का बच्चा जिसके पिता की 2 उंगलियां नहीं थीं। पैसा कमाने के लिए अपने पिता के साथ पत्थर तोड़ने जाता था ताकि घर चल सके। मैंने उसके पिता से बात कर समझाया तो शुरू में उसने बच्चे को मेरे साथ पढ़ने भेजा और बाद में इवनिंग स्कूल में।

ज्ञान का प्रकाश बांटना मेरा लक्ष्य

हम सरकारी स्कूलों के अलावा भी कोटा के जरिए बच्चों का एडमिशन प्राइवेट स्कूल में कराते हैं। ट्रस्ट से जितना बन पड़ता है सहयोग करते हैं और स्कूल से बात करते हैं। इस मिशन के जरिए अभी तक लगभग 250 बच्चे ज्ञान का प्रकाश हासिल कर रहे हैं। शिक्षा की ये ज्योति मैं आगे भी जलाती रहूंगी।

कोरोना काल में मैं ट्रस्ट की तरफ से खाना बांटने जाती थी तो मैंने ऐसे बच्चों को भीख मांगते देखा और उनसे बात की। सोचा ऐसा कब तक चलेगा। कई बच्चे भीख मांगते थे, कई के माता पिता नहीं थे। ऐसे में मैंने उन्हें पढ़ाने का फैसला लिया। पिछले 3 साल से मैं उन बच्चों की क्लास ले रही हूं। हफ्ते में 3 दिन मैं उन बच्चों को पढ़ाने जाती हूं, हम कॉपी, किताब और पेन भी उन्हें पढ़ाई के लिए मुहैया कराते हैं।

जेल जाकर कैदियों के बच्चों को पढ़ाया

झोपड़ी के बच्चों का भविष्य सुधारने के दौरान ही मेरा ध्यान कैदियों के बच्चों पर गया। इसके लिए मैंने गौतम बुद्ध नगर की जेल में कैदियों के बच्चों को पढ़ना शुरू किया।

गांव की महिलाओं को सिखाया रोजगार कमाना

मैंने अपने ट्रस्ट के साथ गांव की महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया। गांव की महिलाएं अपने अधिकारों और सरकार द्वारा उनके लिए चलाई जाने वाली योजनाओं के बारे में कुछ नहीं जानती थीं। मैंने उन्हें सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया और बताया कि आप कैसे इसका लाभ उठा सकती हैं। इसके अलावा मैंने उन्हें गोबर से दिए और उपले बनाने की ट्रेनिंग दिलवाई ताकि इन्हें बेचकर वो पैसे कमा सकें।

पति के साथ बास्केटबॉल कोचिंग की शुरू

पति के साथ मिलकर मैंने गांव के बच्चों के लिए ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल में बास्केटबॉल कोचिंग शुरू की है। इस कोचिंग में गांव और गरीब तबके के कई बच्चों को बास्केटबॉल की कोचिंग दी जाती है। कई लड़कियां तो ऐसी भी थी जिन्हें शुरू में बास्केटबॉल पकड़नी भी नहीं आती थी। लेकिन अब वो काफी अच्छा खेल रही हैं। दो लड़कियां तो स्टेट लेवल पर गोल्ड मैडल भी जीत चुकी है। अब वो बच्चियां नेशनल लेवल के लिए तैयारी में जुटी हैं।

हम नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चों को पढ़ाते हैं। इसके अलावा हमने कई स्कूलों से टाई-अप किया है ताकि बच्चों की आगे की पढ़ाई बिना किसी दिक्कत के जारी रह सके। खेल के क्षेत्र में बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए ही मैंने आगे बढ़कर पति के साथ निः शुल्क बास्केटबॉल कोचिंग शुरू की।

समाज को बदलने के लिए लोगों को आगे आना होगा। बातें करने के अलावा ग्राउंड लेवल पर काम करना जरूरी है। उन लोगों के लिए काम करें जिन्हें वास्तविकता में जरूरत है, भुखमरी और बेरोजगारी तभी खत्म हो सकती है जब हाथ से हाथ मिलें और सबकी मदद के लिए आगे बढ़ें।

मुंबई पुलिस पर हमले की घटना पर बोले पूर्व सीएम

सरेंडर कर चुका है जिले का प्रशासन

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। चोरी और सेंधमारी की एक घटना के सिलसिले में छानबीन के लिए साहिबगंज पहुंची मुंबई पुलिस पर भीड़ ने हमला किया। घटना में मुंबई पुलिस का एक एसआई घायल हो गया। उक्त घटना को लेकर बीजेपी विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार और प्रदेश की कानून व्यवस्था पर तंज कसा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि साहिबगंज में प्रशासन ने मानो अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। बाबूलाल मरांडी ने सीएम पर भी तंज कसा है।

दहिसर पश्चिम में हुई थी सेंधमारी की घटना

घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई के दहिसर पश्चिम इलाका स्थित दीपमाला ज्वेलर्स में सेंधमारी की घटना हुई थी।

मुंबई पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मिले सुराग के आधार पर सिराजुल शेख नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया। उसने पूछताछ में अन्य पांच आरोपियों के बारे में बताया कि वे लोग झारखंड भाग गए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने झारखंड के साहिबगंज जिला स्थित राधानगर थानाक्षेत्र अंतर्गत पियारपुर गांव का नाम लिया। मुंबई पुलिस की एक टीम बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने साहिबगंज पहुंची थी। इसी दौरान पुलिस टीम पर हमला किया।

पियारपुर गांव में दबिश देने पहुंची थी पुलिस

बताया जाता है कि मुंबई पुलिस की एक टीम पियारपुर गांव में आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देने के लिए सिविल ड्रेस में गश्त कर रही थी।

आरोप है कि तभी आरोपियों के परिवार वालों और ग्रामीणों ने मिलकर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पथराव की भी खबर है। हमले में एक एसआई को चोट भी लगी। मामले में राधानगर थाने में आरोपियों के परिजनों और गांव वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छानबीन की जा रही है।

सेंधमारी की घटनाओं के लिए कुख्यात है गांव

गौरतलब है कि साहिबगंज जिला के राधानगर थानाक्षेत्र अंतर्गत आने वाले पियारपुर गांव देशभर में चोरी और सेंधमारी की घटनाओं के लिए कुख्यात है। महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई अन्य राज्यों में यहां के लोगों के खिलाफ मामले दर्ज हैं।

पहले भी यहां कई बार दूसरे राज्यों की पुलिस ने दबिश दी है। मंगलवार को मुंबई पुलिस की घटना ने इस गांव को फिर से चर्चा में ला दिया है।

हॉर्न बजाया तो भड़के प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहे युवा रॉड से फोड़ दी शख्स की आंख

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। काली प्रतिमा विसर्जन के दौरान वाहन साइड करने को लेकर हुए विवाद में एक शख्स की आंख फोड़ने का मामला सामने आया है। राजधानी रांची स्थित सुखदेवनगर थानाक्षेत्र में ये घटना घटी। पीड़ित का नाम रविशंकर राम है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक युवकों का एक समूह डीजे की धुन पर थिरकता हुआ प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहा था। पीड़ित रविशंकर राम रात को अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे। रास्ते में टेंपो सवार युवकों को देख उन्होंने हॉर्न बजाया तो टेंपो चालक ने साइड दे दी लेकिन तभी उसमें सवार युवक रविशंकर से उलझ गए और हमला कर दिया। घटना में घायल रविशंकर राम नाम के शख्स का आरोप है कि प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहे युवकों ने उनकी आंख पर रॉड से हमला किया। घटना के बाद रविशंकर राम को आनन-फानन में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पीड़ित का कहना है कि हमले में उनकी आंख पर गंभीर चोट लगी है और उन्हें उस आंख से दिखाई देना बंद हो गया है। मामले में 3 नामजद के अलावा 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस अपने स्तर से घटना की छानबीन में जुटी है। सुखदेवनगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित रविशंकर राम ने बताया कि वे रांची के हेसल स्थित देवी मंडप रोड के रहने वाले हैं।

तेज रफ्तार कार पलटने से मध्य प्रदेश से आई छात्रा की मौत

अंबिकापुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में मंगलवार देर रात कार पलटने से एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा मध्य प्रदेश से अपनी सहेली के घर दिवाली मनाने आई थी, फिर अपने दोस्त के साथ घूमने के लिए निकली गई। तभी हादसा हो गया। युवक भी हादसे में घायल हो गया है। पुलिस ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। हादसा मणिपुर चौकी क्षेत्र में हुआ है। मध्य प्रदेश के कोतमा निवासी दिव्यानी सिंह (21) पुत्री जालिमम सिंह अपनी सहेली शीतल सिंह के घर दिवाली मनाने के लिए अंबिकापुर आई थी। यहां से मंगलवार देर रात नमनाकला निवासी अपने दोस्त राज दुबे के साथ कार में घूमने के लिए निकली थी। वे केशवपुर की ओर गए थे, जहां से लौटते समय सांडबार के पास तेज रफ्तार कार पलट गई। पुलिस दोनों को अस्पताल लाई, जहां डॉक्टरों ने दिव्यानी को मृत घोषित कर दिया। मणिपुर चौकी प्रभारी सरफराज सिद्दीकी ने बताया कि दिल्ली में पढाई के दौरान उसकी दोस्ती अंबिकापुर के गुदरी बाजार निवासी शीतल सिंह के साथ हुई थी। दीपावली में दिव्यानी शीलत सिंह के घर आई थी। बीती रात वह अपने दोस्त राज दुबे के साथ कार में सवार होकर घूमने निकल गई थी। छात्रा के परिजन भी हादसे की सूचना के बाद कोतमा से अंबिकापुर पहुंच गए है हादसे को लेकर जांच की जा रही है।

पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर में ब्लास्ट

एक की मौत, 7 बच्चों समेत 22 घायल

भोपाल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खरगोन में बुधवार तड़के पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर पलट गया। इस दौरान वहां ग्रामीणों की भीड़ लग गई। तभी टैंकर में जोरदार ब्लास्ट हो गया। हादसा इतना भयावह था कि 20 साल की एक युवती का केवल कंकाल ही बचा। साथ ही वहां मौजूद 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसा बिस्टान थाना क्षेत्र के मोगरगांव-गढ़ी मार्ग पर स्थित ग्राम अंजनगांव में हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। घायलों में 7 बच्चे और 13 महिला-पुरुष शामिल हैं।

झगड़ा करने से रोका तो दामाद ने गला काटा

बोला- ये रोज पति-पत्नी के विवाद में घुसता था, हंसिया से मारकर की हत्या

धमतरी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक दामाद ने अपने ही ससुर की बेरहमी से हत्या कर दी। उसने अपने ससुर का हंसिए से गला काट दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पूरा विवाद पति-पत्नी के झगड़े से जुड़ा हुआ है। आरोपी का कहना है कि ये बार-बार पति-पत्नी के झगड़े में घुसता था। इस वजह से मैंने उसे मार दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

महीमासागर पारा वार्ड में नरेश बंजारे(32) अपनी पत्नी बीना और एक बच्ची के साथ रहता है। नरेश घर का खर्चा चलाने रोजी मजदूरी करता था। नरेश शराब पीने का आदी है। जिसके कारण उसका आए दिन पत्नी से विवाद होता था। इस बीच मंगलवार रात को भी वह शराब पीकर घर आया था। घर में नरेश अपनी पत्नी से झगड़ा कर रहा था।

बताया गया है कि नरेश के ससुराल भी उसके पड़ोस में ही है। इस वजह से जब भी विवाद होता। तब उसका ससुर हरी चंद्र(60) उसे समझाने घर आया जाया करता था। कई बार हरी अपने दामाद को झगड़ा करने से रोक चुका था। वहीं जब मंगलवार रात को नरेश अपनी पत्नी से झगड़ा कर रहा था। तब हरी फिर से उसे समझाने गया। मगर नरेश भड़क गया।

नरेश अपने घर से बाहर निकला। उसने अपने हाथ में हंसिया रखा था। बाहर ही हरी भी खड़ा था। नरेश ने कुछ नहीं देखा। सीधे हंसिए से हरी का गला काट दिया। इससे हरी खून से लथपथ हालत में वहीं गिर गया। कुछ देर में ही उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद आस-पास के लोग हरी को अस्पताल भी ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस से बोला-मैंने अपने ससुर को मार दिया

इधर घटना के बाद आरोपी नरेश हंसिए को पड़ोसी के यहां फेककर थाने पहुंच गया। उसने पुलिस को बताया कि मैंने अपने सुसर की हत्या कर दी है। वो बार-बार मेरे और मेरी पत्नी के झगड़े में घुसता था। जो मुझे पंसद नहीं था। पुलिस ने पूरे मामले में बुधवार को जानकारी दी है। शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गहलोत बोले- राहुल ही मोदी को दे सकते हैं चुनौती

कहा- आखिर तक मनाने का प्रयास किया, अब खड़गे को कामयाब करना जिम्मेदारी

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ही हैं, जो पीएम मोदी और एनडीए सरकार को चुनौती दे सकते हैं। वह कांग्रेस के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शपथग्रहण में दिल्ली पहुंचे थे। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की इच्छा थी कि एक बार गैर गांधी अध्यक्ष बने। हालांकि लास्ट मोमेंट तक ये प्रयास हुए कि राहुल गांधी वापस अध्यक्ष बनें। क्योंकि वह ही मोदी और सरकार को चुनौती दे सकते हैं।

जो वे दे रहे हैं। इस बार उन्होंने तय कर लिया कि गैर गांधी ही अध्यक्ष बनना चाहिए। इसलिए आज खड़गे साहब अध्यक्ष बने हैं। चुनौती बहुत बड़ी है।'

गहलोत ने कहा- 1998 में हम सबने सोनिया गांधी से मिलकर आग्रह किया था कि वे कांग्रेस की कमान संभालें, नहीं तो पार्टी

बिखर जाएगी। उस वक्त यह माहौल था। लैंग्वेज प्रॉब्लम के बावजूद सोनिया गांधी ने कांग्रेस हित में उस चैलेंज को स्वीकार किया। कांग्रेस की कमान संभाली। सोनिया गांधी 22 साल अध्यक्ष रहीं। उस वक्त 12-13 राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनीं। दो बार केंद्र में यूपीए सरकार बनाई। उनके कार्यकाल को हम भूल नहीं सकते।

'अब एक ही सोच होनी चाहिए- खड़गे को कामयाब करना'

गहलोत ने कहा- पूरे देश के सीनियर और जूनियर नेता-कार्यकर्ताओं की अब एक ही सोच होनी चाहिए। सोनिया गांधी ने फैसले से गांधी परिवार से इतर खड़गे साहब अध्यक्ष बन गए हैं। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम कैसे उन्हें कामयाब करें? बूथ, ब्लॉक लेवल पर कांग्रेस मजबूत हो। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया विश्वास पैदा हो। देश के सामने चैलेंज बहुत बड़ा है। अभी जो तस्वीर दिखाई जा रही है, वह सच नहीं है।

'केजरीवाल मोदी की तरह आभामंडल बनाने के प्रयास में'

गहलोत ने कहा- देश में चैलेज बहुत बड़े हैं। केजरीवाल नए पैदा हो गए, वो भी मोदी की तरह ही माहौल बना रहे हैं। मीडिया पब्लिसिटी के जरिए। पब्लिसिटी पर केजरीवाल जमकर इन्वेस्ट कर रहे हैं, लेकिन यह देशहित में नहीं है।

'कांग्रेस को चंदा देने वालों को डरा रखा, पार्टी को बिना साधनों के लड़ना होगा'

गहलोत ने कहा- कांग्रेस के सामने चैलेंज बहुत बड़ा है। बिना साधनों के कांग्रेस को लड़ाई लड़नी पड़ेगी। केंद्र सरकार ने दबाव बना रखा है कि कोई चंदा नहीं देगा। दानदाताओं को डरा रखा है। ये फासिस्ट लोग हैं, ये लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं।

'कई राज्यों में कानून का राज नहीं रह गया'

गहलोत ने कहा- इनका कानून के राज में भी यकीन नहीं है। कई राज्यों में तो कानून का राज नहीं रह गया है। यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली में हेट स्पीच को लेकर तो सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या नहीं कहा। हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकारें खुद आगे बढ़कर एफआईआर करें, लेकिन इनका ज्युडिशिरी में विश्वास नहीं है।

'खड़गे के अध्यक्ष बनने से दलित-पिछड़ों का विश्वास जमा, पार्टी को फायदा होगा'

खड़गे के अध्यक्ष बनने से दलित वोटों के फायदे के सवाल पर गहलोत ने कहा- एक दलित वर्ग के नेता को कांग्रेस अध्यक्ष बनने का मौका मिला है। इससे कांग्रेस को फायदा होगा। पूरे दलित वर्ग के लोगों में विश्वास जमा है।

उनका अध्यक्ष बनना मायने रखता है। दलित वर्ग , पिछड़े वर्ग का फायदा मिलेगा। खड़गे साहब का व्यक्तित्व और अनुभव ऐसा है कि उनसे हर वर्ग आदमी जुड़ेगा और पार्टी को फायदा होगा।

राजस्थान प्रभारी पद से अजय माकन का इस्तीफा

पायलट का पक्ष लेने के आरोप लगे थे, नए सिरे से बनेंगे सभी पदाधिकारी

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन ने इस्तीफा दे दिया है। माकन सहित सभी सीडब्ल्यूसी सदस्यों, महासचिवों, प्रभारियों ने भी इस्तीफे दिए हैं। अब खड़गे नए सिरे से इन पदों पर नियुक्तियां करेंगे। राजस्थान से सीडब्ल्यूसी सदस्य रघुवीर मीणा, पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी, गुजरात प्रभारी रघु शर्मा, प्रभारी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह ने भी नए कांग्रेस अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप दिया है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट करके सभी सीडब्ल्यूसी सदस्यों, महासचिवों, प्रभारियों के नए अध्यक्ष को इस्तीफे देने की जानकारी दी है। राजस्थान प्रभारी अजय माकन का इस्तीफा भी इसी कारण हुआ है। अब नए सिरे से राज्यों के प्रभारियों की नियुक्ति होगी। माकन के राजस्थान प्रभारी पद से इस्तीफे के बाद अब नए प्रभारी के नामों को लेकर चर्चाएं

शुरू हो गई हैं।

अब राजस्थान के प्रभारी महासचिव को लेकर सबसे ज्यादा उत्सुकता है। कांग्रेस अध्यक्ष अब किसी न्यूट्रल नेता को राजस्थान प्रभारी बना सकते हैं। अभी कुमारी शैलजा, अंबिका सोनी, संजय निरुपम और दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नामों की चर्चा है।

शैलजा पहले भी राजस्थान में चुनावों के समय जिम्मेदारी संभाल चुकी है। उन्हें न्यूट्रल माना जाता है। अंबिका सोनी पहले प्रभारी रह चुकी हैं, उन्हें गहलोत का नजदीकी माना जाता है। संजय निरुपम संगठन चुनावों में राजस्थान के प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर रह चुके हैं, उन्हें भी न्यूट्रल माना जाता है। दीपेंद्र हुड्डा युवा हैं। उन्हें प्रियंका गांधी का नजदीकी माना जाता है। सचिन पायलट के भी नजदीकी हैं।

दो साल दो महीने प्रभारी रहे माकन

अजय माकन को अगस्त 2020 में अविनाश पांडे की जगह राजस्थान का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया था। अविनाश पांडे को सचिन पायलट खेमे की शिकायत के बाद हटाया गया था। पांडे पर अशोक गहलोत खेमे का पक्ष लेने के आरोप लगते थे। सचिन पायलट खेमे की बगावत के बाद हुई सुलह में यह मुद्दा उठा था। पायलट खेमे से सुलह के सप्ताह भर बाद ही अविनाश पांडे को प्रभारी पद से हटाकर अजय माकन को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया था। अजय माकन को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिलना तय माना जा रहा है। आज खड़गे के पदभार समारोह में माकन जिस तरह सक्रिय रहे और उनका भाषण करवाया गया, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि उन्हें हाईकमान राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी देगा। माकन के राजस्थान प्रभारी पद से इस्तीफा अकेले नहीं है।

राजस्थान में टीचर भर्ती से पहले छिड़ा विवाद

अभ्यर्थी बोले- कांग्रेस सरकार वादा भूली, 28 को जयपुर में प्रदर्शन

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में 46,500 पदों पर टीचर्स की भर्ती को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। लेवल-2 में 6000 पदों को बढ़ाने की मांग को लेकर बेरोजगार 28 अक्टूबर को जयपुर में प्रदर्शन करेंगे। सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक विरोध हो रहा है। बीजेपी भी बेरोजगारों के समर्थन में आ गई है।

पूर्व शिक्षा मंत्री और बीजेपी विधायक वासुदेव देवनानी कहा, 'कांग्रेस ने बिना तैयारी किए भर्ती प्रक्रिया की घोषणा की थी। उसकी वजह से ही आज गफलत की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार की गलती और लापरवाही से हजारों युवाओं के सपने अधरझूल में अटक गए हैं। ऐसे में लेवल-2 के पदों को फिर से बढ़ाया जाना चाहिए। ताकि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिल सके।' इसी तरह बीजेपी एमएलए कैलाश चंद्र मीणा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख लेवल-2 के पद फिर से बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 2021 में भी लेवल-2 का पेपर रद्द हो गया था। ऐसे में इस बार लेवल-2 के अभ्यर्थियों की संख्या काफी ज्यादा है। इसलिए सरकार को लेवल-2 के पदों में कटौती नहीं करनी चाहिए। अगर सरकार ने फिर भी ऐसा किया तो हम सड़क से सदन तक इसका विरोध करेंगे।

उधर, राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि कांग्रेस युवाओं को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रही है। एक और जहां सरकार ने लेवल-2 में 6000 पद कम कर दिए। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में संविदा पर टीचर्स की नियुक्ति की तैयारी की जा रही है। इसे राजस्थान के युवा बेरोजगार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसे में अगर भर्ती विज्ञप्ति जारी होने से पहले सरकार ने पदों की संख्या को नहीं बढ़ाया तो हम प्रदेशभर में इसका विरोध करेंगे।

रीट परीक्षा पास कर लेवल-2 की तैयारी कर रहे अमित शर्मा ने बताया कि आधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार ने फैसला बदला है।

गहलोत-पायलट गुट के बीच सुलह कराने में जुटी कांग्रेस

राजस्थान में गुटबाजी सुलझाने के लिए 3 फॉर्मूले; संगठन हुआ न्यूट्रल

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सियासी संकट से जूझ रही कांग्रेस इन दिनों राजस्थान को लेकर सहमति बनाने में लगी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच विवाद सुलझा नहीं है। कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बुधवार को पदभार ग्रहण कर रहे हैं। माना जा रहा है कि इसके बाद कांग्रेस राजस्थान के मसले को सुलझाने में लगेगी। ऐसे में राजनीतिक जानकारों और कांग्रेस के सूत्रों का मानना है कि कांग्रेस इसे लेकर सहमति बनाने में जुट गई है। गहलोत और पायलट खेमे के बीच विवाद किस स्तर पर है, यह पिछले दिनों सामने आ चुका है। 25 सितंबर को जिस तरह विधायकों ने इस्तीफे दिए और उसके बाद मंत्रियों-विधायकों की ओर से लगातार बयानबाजी। इससे कांग्रेस की राजस्थान सरकार संकट गहराता नजर आया। ऐसे में सरकार को बचाए रखने और गुटबाजी से निपटने के लिए अब कांग्रेस आपस में सहमति बनाने में जुट गई है।

इस मसले का हल निकालने समय कांग्रेस के सामने यह संकट भी है कि 2023 के विधानसभा चुनाव को भी ध्यान रखना है। पिछले साल पंजाब में चुनाव से ऐन पहले चरणजीत चन्नी को सीएम बनाए जाने के बाद कांग्रेस बुरी तरह से हार गई थी। फिर कांग्रेस के उस निर्णय पर कई सवाल उठे। ऐसे में कांग्रेस राजस्थान में उन हालातों से बचने के लिए नए समीकरण बनाने में लगी है।

3 तरीके से दोनों खेमों में सहमति बनाने के प्रयास

अशोक गहलोत के नाम पर

हाईकमान अशोक गहलोत के नाम पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है। प्रेशर पॉलिटिक्स और पिछले कुछ समय में जो कुछ भी हुआ उसे देखते हुए हाईकमान की नाराजगी जरूर है। मगर राजस्थान में गहलोत की लोकप्रियता और खासतौर से वर्तमान सरकार को सुरक्षित ढंग से चलाने को लेकर हाईकमान गहलोत के नाम पर

सहमति बनाने की कोशिश में है। हालांकि पायलट गुट इसके लिए राजी नहीं है।

सचिन पायलट के नाम पर

इस्तीफा पॉलिटिक्स के बावजूद हाईकमान कोशिश कर रहा है कि सचिन पायलट के नाम पर सहमति बन जाए। मगर यह काफी मुश्किल लगता है। जिस तरह से विधायकों ने इस्तीफे दिए उसके बाद हाईकमान अगर अपनी ओर से एक लाइन का मैसेज देता भी है तो सरकार गिरने का खतरा है। हाईकमान इसकी कोशिश कर रहा है। मगर गहलोत गुट इसके लिए तैयार नहीं है।

किसी तीसरे नाम पर सहमति बनाने की कोशिश

हाईकमान यह भी देख रहा कि गहलोत-पायलट की लड़ाई में किसी ऐसे व्यक्ति को राजस्थान की कमान दे दी जाए, जिससे सभी सहमत हों। मगर इसमें संकट यह है कि ऐसे ही किसी तीसरे व्यक्ति को कमान देने से उसका असर 2023 विधानसभा चुनाव पर पड़ने की संभावना है। 2023 में कांग्रेस को वोट दिलाने वाले चेहरों में फिलहाल गहलोत और पायलट ही हैं। ऐसे में सहमति बनाने के प्रयास में अगर किसी ऐसे चेहरे को सीएम बना दिया जाए, जिसकी स्वीकार्यता न हो तो इसका बुरा असर 2023 चुनाव पर पड़ सकता है।

संगठन हुआ न्यूट्रल, बयानबाजी भी थमी

पिछले कुछ समय से इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजस्थान का कांग्रेस संगठन न्यूट्रल हो गया है। वहीं, नेताओं की ओर से बयानबाजी रुक चुकी है। कुछ एक नेताओं को छोड़ ज्यादातर नेताओं ने चुप्पी साध ली है। इस बीच गोविंद सिंह डोटासरा पीसीसी चीफ होने के नाते पिछले कुछ समय से बिल्कुल न्यूट्रल नजर आ रहे हैं। पिछले दिनों प्रताप सिंह खाचरियावास की सचिन पायलट से मुलाकात और अशोक चांदना के जन्मदिन पर पायलट के उन्हें बधाई देने से विधायकों के बीच स्थितियां बेहतर होती दिखाई पड़ रही हैं।

इसी दौरान कांग्रेस ने अपने स्तर पर भी विधायकों से सर्वे करवाया है, जिसमें ज्यादातर विधायक हाईकमान के फैसले को सहमति देते नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ विधायक गहलोत तो कुछ पायलट खेमे के साथ अपनी वफादारी बताते नजर आए हैं। ऐसे में कांग्रेस का फोकस इस पर है कि किस तरह ऐसा निर्णय किया जाए जिससे वर्तमान सरकार पर भी संकट न आए और 2023 के लिहाज से भी निर्णय बेहतर साबित हो।

पंजाब में कुछ ऐसा ही हुआ था विवाद

सालभर पहले हाईकमान ने पंजाब में अमरिंदर सिंह को पंजाब सीएम के पद से इस्तीफा देने को कह दिया था। उस दौरान पंजाब में अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तनातनी थी। इसके बाद सिद्धू को सीएम नहीं बनाकर चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाया गया। सिद्धू को प्रदेश की कमान सौंपी गई। इन प्रयोगों का असर यह हुआ कि सत्ता में काबिज कांग्रेस पंजाब के 2022 के चुनाव में महज 18 सीटों पर आ गई। पंजाब की जनता तय ही नहीं कर पाई कि वह किस चेहरे के लिए वोट कर रही है।

किसान संगठन करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव

जवाई बांध का पानी नदी में छोड़ने की मांग, 186 गांवों को होगा फायदा

जालोर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जवाई बांध का पानी नदी में छोड़ने की मांग को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं। इसको लेकर दो किसान संगठनों ने 27 और 28 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट का घेराव करने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि कई सालों से नदी में पानी नहीं आने से 186 गांवों को भूमि जलस्तर काफी गिर गया है। अगर जवाई बांध का पानी नदी में छोड़ा जाए तो जलस्तर बढ़ सकता है।

भारतीय किसान संघ ने रतन सिंह कानिवाड़ा के नेतृत्व में जवाई बांध से जवाई नदी में पानी छोड़ने की मांग को लेकर 27 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन करने का ऐलान कर दिया है। वहीं, दूसरी ओर इसी मांग को लेकर किसान एकता संघ के बैनर तले किसान नेता प्रताप आंजणा के नेतृत्व में 28 अक्टूबर को महापड़ाव का ऐलान किया है। आंजणा ने किसानों से ज्यादा से ज्यादा ट्रैक्टर लेकर पहुंचने की अपील की।

जवाई-सुकड़ी नदी किनारे पावटा, आहोर, जालोर, सायला, बागोड़ा तहसील के 186 गांव बसे हुए हैं। इन गांवों का क्षेत्रफल 3 लाख 233 हेक्टेयर है और कृषि योग्य क्षेत्र 2 लाख 70 हजार 585 हेक्टेयर है। नदियों के प्राकृतिक बहाव बंद होने से केवल 5 फीसदी क्षेत्र ही सिंचित हो रहा है, जबकि बाकी क्षेत्र बंजर हो चुका है। इन क्षेत्रों में किसानों के कुल 16 हजार 327 कुएं और 168 ट्यूबवेल हैं।

इसके अलावा पाली जिले की सुमेरपुर तहसील के 26, सिरोही जिले की शिवगंज तहसील के 20 गांव बसे हुए हैं। इन क्षेत्र की नदियों पर जवाई बांध के अलावा अन्य 16 छोटे बांध बने हुए हैं। कई सालों से जवाई नदी में पानी नहीं छोड़ने से नदी किनारे कुएं सूख चुके हैं। आने वाले समय में पीने के पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ऐसी स्थिति में जवाई बांध का पानी नदी में छोड़ना ही समस्या का समाधान है।

ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, 2 की मौत

रात को काम से लौटते समय एक्सीडेंट

अलवर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर के एनईबी पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार रात सूर्य नगर के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार दो जनों की मौत हो गई। लक्ष्मणगढ़ इलाके के खोह गांव निवासी हाल अलवर के बेलाका निवासी भागचंद पुत्र रघुनाथ (30) और संजय पुत्र मदन लाल(30) अलवर में रंग पेंट का काम करते थे।

दोनों मंगलवार रात को काम करके रात आठ बजे बाइक से घर बेला जा रहे थे। सूर्य नगर के समीप एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। भागचंद की मौके पर ही मौत हो गई। संजय ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस ने बुधवार सुबह दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

दोनों के 5 बच्चे

पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक बेला गांव के हैं। भागचंद के दो बेटे हैं। वहीं संजय के तीन बेटियां है। रात को ही इन परिवारों में कोहराम मच गया। त्योहार की खुशिया मातम में तब्दील हो गईं।

राजस्थान में 6 नए जिले बना सकती है सरकार

24 जिलों से 60 क्षेत्र दावेदार ; रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट पर होगा फैसला

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनावी साल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में पांच से छह नए जिले बनाने की घोषणा कर सकते हैं। नए जिलों के गठन पर सिफारिश के लिए रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट आने में दो महीने की देरी के आसार हैं। दिसंबर तक कमेटी अपनी रिपोर्ट सरकार को दे सकती है, जिसमें प्रदेश के 60 अलग-अलग जगहों को जिला बनाने की मांग पर कमेटी अपना मत देगी।

रामलुभाया कमेटी को विधायकों, नेताओं के अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने भी जिला बनाने के लिए अलग-अलग ज्ञापन दिए हैं। नए जिलों के लिए आई डिमांड के बाद कमेटी अब रिपोर्ट तैयार करने के काम में जुटी है। हर जगह का डिटेल से ब्यौरा तैयार किया जा रहा है। कौन सा क्षेत्र या कस्बा जिला बनने के मापदंड पूरे करता है, कौन सा नहीं, कौन से फैक्ट पक्ष या विपक्ष में हैं, इसका उल्लेख रिपोर्ट में होगा।

पांच से छह नए जिले संभव

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री अगले बजट से पहले ही रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट और सिफारिशों पर फाइनल मुहर लगा सकते हैं। रामलुभाया कमेटी जिस तेजी से रिपोर्ट पर काम

कर रही है, उससे लग रहा है कि सरकार पांच से छह नए जिले बना सकती है। कोटपूतली, बालोतरा, फलोदी, डीडवाना, ब्यावर, भिवाड़ी नए जिले बनाने की रेस में आगे हैं, हालांकि इस पर सरकार के स्तर पर ही फैसला होगा।

रामलुभाया कमेटी का मार्च तक कार्यकाल बढ़ाया

इस साल के बजट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नए जिलों के गठन के लिए हाईपावर कमेटी बनाने की घोषणा की थी, इसके बाद 17 मार्च को रामलुभाया की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी। छह महीने में रिपोर्ट देनी थी, लेकिन सितंबर में कमेटी का कार्यकाल पूरा हो गया। बाद में इसे मार्च 2023 तक के लिए बढ़ा दिया गया। अब कमेटी दो महीने में रिपोर्ट देने की तैयारी कर रही है। पहले कमेटी को सितंबर तक रिपोर्ट देनी थी। कार्यकाल बढ़ाने से अब यह रिपोर्ट इस साल के आखिर तक आने की संभावना है।

पिछले 14 साल से कोई नया जिला नहीं बना

प्रदेश के पिछले 14 साल से कोई नया जिला नहीं बना है। वसुंधरा राजे की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार ने 26 जनवरी 2008 में प्रतापगढ़ को जिला बनाया था। इसके बाद तीन सरकारें आईं और हर सरकार ने नए जिलों के लिए कमेटी बनाई, लेकिन जिले नहीं बने। बीजेपी राज में नए जिलों के लिए 2014 में रिटायर्ड IAS परमेश चंद की अध्यक्षता में कमेटी बनाई थी। कमेटी ने 2018 में सरकार को रिपोर्ट दे दी थी लेकिन कोई नया जिला बनाने की घोषणा नहीं हुई। गहलोत सरकार ने परमेश चंद कमेटी की रिपोर्ट मानने से इनकार कर दिया और नए सिरे से रिपोर्ट तैयार करने के लिए रामलुभाया कमेटी बनाई।

नए जिलों के लिए बढ़ रहा विधायकों का दबाव

प्रदेश में नए जिले बनाने के लिए कांग्रेस और समर्थक विधायक लगातार सरकार पर दबाव बना रहे हैं। कांग्रेस विधायक मदन प्रजापत बालोतरा को जिला बनाने की मांग को लेकर मार्च से ही जूते नहीं पहन रहे हैं। मदन प्रजापत ने बालोतरा को जिला नहीं बनाने तक नंगे पैर रहने की घोषणा कर रखी है।

सरकार को समर्थन दे रहे निर्दलीय विधायक भी दबाव बना रहे हैं। निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर दूदू, आलोक बेनीवाल ने शाहपुरा को जिला बनाने की मांग पर दबाव बना रखा है। महादेव सिंह खंडेला ने खंडेला, मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा उदयपुरवाटी को जिला बनाने की मांग कर रहे हैं।

जिला बनाने की मांग पर विवाद, मंत्री- विधायक हुए आमने-सामने

नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग पर कांग्रेस के मंत्री विधायक के बीच ही विवाद हो चुका है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा नीमकाथाना को जिला बनाने के लिए उदयपुरवाटी के क्षेत्र को शामिल करने का विरोध कर रहे हैं।

झोलाछाप के गलत इलाज से मासूम बच्ची की मौत

आक्रोशित परिजनों ने दिया धरना, बच्ची को आ रहा था बुखार

बाड़मेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झोलाछाप डॉक्टर द्वारा 11 साल की मासूम बच्ची के गलत इलाज से मौत होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने शव को वहीं रखकर धरने पर बैठ गए। मामला बाड़मेर जिले के सनावड़ा गांव का है। सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों के साथ वार्ता के बाद बच्ची के शव को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस को अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी है।

मासूम बच्ची के परिजनों का कहना है कि लक्ष्मी पुत्री लाभूराम निवासी जाखड़ों की ढाणी (सनावड़ा) को बीते तीन दिन से बुखार आ रहा था। मंगलवार को बच्ची की मां व उसका भाई पास के गांव झोलाछापा डॉक्टर के वहां पर लेकर गए। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाने से मासूम बच्ची की इलाज की तबीयत बिगड़ने लगी। झोलाछाप डॉक्टर ने उसे बाड़मेर रेफर कर दिया। गाड़ी बैठाने के दौरान मासूम बच्ची ने दम तोड़ दिया। आक्रोशित परिजन व ग्रामीण ने वहीं पर धरना देकर बैठ गए। सूचना पर सदर थाने के हेड कांस्टेबल जितेंद्रसिंह मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे। परिजनों व लोगों से समझाने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे बाद रात 10 बजे परिजन डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाने के लिए माने।

राजगोपाल रेड्डी को मुनुगोड़े में वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं : गंगुला

नलगोंडा, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर ने बुधवार को कहा कि भाजपा उम्मीदवार कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को मुनुगोड़े में वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने साढ़े तीन साल तक विधायक रहने के दौरान मुनुगोड़े के विकास की उपेक्षा की है। संस्थान नारायणपुर में गौड़ा समुदाय के लोगों की एक बैठक में बोलते हुए, कमलाकर ने मुनुगोड़े निर्वाचन क्षेत्र के पिछड़ेपन के लिए राजगोपाल रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजगोपाल रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों के क्रियान्वयन में कभी दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में सिंचाई की समस्या को हल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए जलाशयों पर काम करने में बाधा उत्पन्न करने का भी प्रयास किया, उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुनुगोड़े को राज्य के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के समान विकसित नहीं किया गया है।

राजगोपाल रेड्डी, जिन्होंने कभी मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव या किसी अन्य मंत्री को मुनुगोड़े के मुद्दों का प्रतिनिधित्व नहीं किया, फिर से उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। कमलाकर ने कहा कि जब वह वोट मांगने आए तो उनसे निर्वाचन क्षेत्र में उनके द्वारा की गई सेवाओं के बारे में पूछताछ की जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि उपचुनाव ने मुनुगोड़े के लोगों को राजगोपाल रेड्डी को सबक सिखाने का अवसर प्रदान किया है।

राज्य सरकार ने जाति-आधारित व्यवसायों के पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित किया था और इस उद्देश्य के लिए कई योजनाएं शुरू की थीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना कू हरिथा हरम और नीरा परियोजना के तहत ताड़ के पेड़ लगाने का उद्देश्य ताड़ी निकालने वालों की आजीविका में सुधार करना है। आबकारी मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र में फ्लोरोसिस और सिंचाई की समस्या को हल करने के लिए एक योजना के साथ काम किया था। उन्होंने कहा कि टीआरएस को वोट देने का मतलब राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों को समर्थन देना होगा

व्यापारी संघ अध्यक्ष ने की कैंटोनमेंट विधायक से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दीपावली के शुभावसर पर व्यापारी संघ अध्यक्ष गौतम जैन ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विधायक जी. सायन्ना से मुलाकात की। इस संदर्भ में, व्यापारिक सूत्रों ने बताया कि, सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ अध्यक्ष ए. गौतम जैन ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विधायक जी. सायन्ना से मुलाकात की। इस दौरान गौतम जैन ने व्यापारी संघ की ओर से विधायक जी. सायन्ना को दीपावली त्योहार की शुभकामनाएं दी तथा उनके साथ व्यापारी समाज से जुडी समस्याओं पर गहन विचार विमर्श किया। इस संबंध में गौतम जैन ने आगे कहा कि, मार्केट यार्ड में लगभग 5 वर्षों से अनाज व्यापारियों की दुकानों के पीछे के ओपन ड्रैनेज को ढकने के लिए सीसी स्लैब का कार्य आजतक पूरा नही किया गया है। परिणामस्वरूप इस एरिया के व्यापारी भाईयों एवं संबंधित स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर असर रहा है। इसके चलते जैन ने तुरंत उक्त ओपन ड्रैनेज पर सीसी स्लैब ढकने की मांग की। साथ ही गौतम जैन ने यह भी बताया कि, वेजेटेबुल मार्केट यार्ड में सुबह के दौरान तरकारी सब्जियों की हेवी लारियों के एक साथ आवागमन होने से कई घंटोंतक ट्राफिक जाम की समस्या हो रही है। इसके चलते यहां के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने भी भाग लिया।

गौ नवरात्रि के संदर्भ में सीतारामबाग जगन्नाथ स्वामी मठ में बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, गौ सेवा समिति के तत्वावधान में गौ सेवा गतिविधि अंतर्गत गौ नवरात्रि का आयोजन किया जा रहा है। प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष पारस जागीरदार ने बताया गया कि गौ नवरात्रि के संदर्भ में एक बैठक सीताराम बाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में त्रिदंडी रामानुजा श्रीनिवासा जीयर स्वामी के पावन मंगला शासन में किया गया, जिसमे राष्ट्रीय स्वयम सेवक संघ के गो सेवा विभाग तेलंगाना प्रांत संयोजक दिलीप शहाणे, गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष तरूण महेता, भारतीय जैन संघठाना महिला विभाग मंत्री रंजना शाह, आल इन्डीया टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमेन आर.के.जैन आदि ने भाग लिया तथा वहा उपस्थित लोगो को संबोधित किया। आगामी गौ नवरात्र के संबंध में फाउंडेशन के तत्वावधान मे आज चारमिनार स्थित भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर, बिरला मंदिर स्थित बालाजी मंदिर में श्रीश्रीश्री त्रिदंडी रामानुजा श्रीनिवासा जीयर स्वामी के पावन सानिध्य में गौ, जन, राष्ट्र, जगत हिताय अहम संकल्प कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। अवसर पर प्रयागराज अलाहबाद कुम्ब मेला संयोजक स्वामी देवाचार्य महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीदार, अखिल भारत हिन्दु महासभा राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी कमलेश महाराज, भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार की ट्रस्टी शशिकला तथा सुर्यप्रकाश, बिरला मंदिर के मुख्य पूजारी श्री नरसिम्हाचार्य, श्री कांची वेलफेर सोसायटी की अध्यक्षा परमेश्वरी शर्मा, भा.ज.पा. महिला मोर्चा नेता मेघना जैन आदि ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच ने की गोवर्धन पूजा

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा गोवर्धन पूजा के उपलक्ष में दोमलगुडा स्थित रीता कानोडिया के निवास स्थान पर गोवर्धन पूजा की गई। इस अवसर पर बबिता गर्ग, रूपा गुप्ता, स्मिता शाह, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, अंजना कानोडिया आदि उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारी हिमायतनगर शाखा द्वारा दीपावली उत्सव आयोजित

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्माकुमारी हिमायतनगर शाखा पर दीपावली का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव के अवसर पर शाखा प्रभारी ब्रह्माकुमारी अंजली बहन ने दीपावली के रहस्य को समझाते हुए कहा कि यह त्योहार विशेष दीपावली अमावस्या को आता है। अमावस्या के दिन घना अंधकार होता है यह प्रतीक है कि जब संसार में संपूर्ण अंधकार हो जाता है, धर्म और मानवीय मूल्य पूरी तरह से गिर चुके होते हैं, ऐसे अवसर पर स्वयं ज्ञान सूर्य परमपिता परमात्मा हम आत्माओं का दीपक ज्ञान से जलाते हैं। उन्होंने बताया कि परमात्मा कहते हैं कि वास्तव में आप आत्मा सुख, शांति, प्रेम, आनंद, पवित्रता, ज्ञान और शक्ति से सम्पन्न संस्कारों वाली हो। जब हम ऐसे स्व के गुणों का दर्शन करते हैं वा स्व आत्मा के गुणों को कर्मों में लाते हैं तो हम स्वयं की संपूर्ण पवित्र स्थिति को प्राप्त करते हैं। ऐसे सभी ने इस संगोष्ठी में भाग लेकर बहुत खुशी जाहिर की और कहा कि आज हमें दीपावली के 5 दिन का आध्यात्मिक रहस्य यथार्थ रूप में समझ में आया और सब ने इस खुशी में आत्मा की ज्योत जगाने के निमित्त सब ने ज्योति प्रज्वलन किया। इस प्रकार सच्ची दीपावली का सभी ने उमंग-उत्साह से त्यौहार मनाया।

पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महानगर ज्वेलर्स एण्ड पार्न बोकर्स एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा आसिफ नगर डिवीजन एसीपी शिवामूर्ति, हुमायूंनगर एसएचओ के. नारायण रेड्डी, मंगलहाट एसएचओ एन .रवी, नामपल्ली एसएचओ राजू नाइक, टप्पाचबूतरा एसएचओ सुनकरी श्रीनिवास राव आदि का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डी. मोहनदास, अध्यक्ष श्रवण कुमार दाधिच, उपाध्यक्ष धर्माराम ढाका, मंत्री विट्ठल दाधिच, सलाकार राजसिंह राठौड, सलाकार मदनलाल प्रजापत, प्रचारमंत्री प्रकाश अलोदीया, सलाहकार भाकरराम लारना व एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल रहे।

साइबर क्राइम पर जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया

आसिफाबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के आदेशानुसार बुधवार के दिन शी टीम और एएचटीयूटी टीम ने आसिफाबाद डिवीजन के तीन कॉलेजों, गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज, कस्तूरबा गांधी गर्ल्स हाई स्कूल, माइनॉरिटी रेजिडेंशियल स्कूल एंड कॉलेज, बाबापुर में साइबर क्राइम पर जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर आसिफाबाद एडिशनल एसपी अच्छेश्वर राव ने साइबर धोखाधड़ी, साइबर हमले, हैकिंग, सोशल मीडिया, सेल के उपयोग और दुरुपयोग के बारे में बताया गया है। शी टीम की प्रभारी सुनीता ने कहा कि अगर कोई साइबर क्राइम का शिकार है तो वह तुरंत शी टीम आसिफाबाद नंबर 8333986783 पर 1930 पर कॉल करें। इस कार्यक्रम में एएचटीयू प्रभारी भीजमन एचसी, एसएचई टीम के सदस्य स्वप्ना श्रीलता, प्राचार्य पुष्पलता, शासकीय जूनियर कॉलेज के प्राचार्य रामदास ने भाग लिया।

बिहार सहयोग समिति ने लिया छठपूजा घाट का निरीक्षण

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समीति के पदाधिकारियों ने छठ पूजा की तायारी के तहत बंडा चेरुवु बतुकमा घाट, आंनदबाग सफीलगुड़ा का जायजा लिया। उनके साथ मलकाजगिरी से एमसीएच अधिकारी महेश, हेल्थ आफीसर आदि शामिल रहे। छठघाट का जायजा लेने के बाद उन्होंने बताया कि काफी काम हो चुका है और बाकी काम भी पूजा से पहले पूरे हो जाएंगे। इस अवसर पर जन सेवा संघ के घाट इंचार्ज ऐके सिंह और दिनेश यादव और राकेश यादव ने भी मौजूद रहे। बिहार सहयोग समिति के महासचिव राजनारायन सिंह, मनोज यादव ने बताया कि बिहार के महापर्व छठ की तैयारी समय पर हो जाएगी और सभी भक्तों के लिए पूरा इंतजाम किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने सभी युवा कार्यकर्ताओं को इस पूजा में अपना योगदान के लिए आह्वान किया। इस मौके पर युवा सेना जैन्त यादव, हरीश यादव, अनील ठाकुर, शतीश यादव, संतोष सिंह, पंचम भगत, नवीन झा एवं सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छठ पूजा के लिए तालाब की साफ-सफाई का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर भारती नागरिक संघ का प्रतिनिधिमंडल आज कर्मनघाट हनुमान मंदिर में 4 दिवसीय सूर्योपासना छठ पूजा के लिए की जा रही तालाब की साफ सफाई का निरीक्षण किया।

तालाब का जमा हुआ पानी को निकलने का काम शुरू हो गया है। तालाब की साफ-सफाई के बाद 28 तारीख तक इसमें पानी भरने का काम पूरा कर लिया जाएगा। छठ पूजा के लिए उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह और अन्य सदस्यगणों ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि सब लोग कर्मनघाट हनुमान मंदिर में आकार भगवान सूर्य देव को अर्घ्य प्रदान करें।

उन्होंने बताया कि उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा सभी प्रकार की व्यवस्था की जाएगी। इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, मनोहर सिंह, अमरजीत सिंह (युवा अध्यक्ष) राजकुमार पांडे, संतोष दुबे, राजू वर्मा, और मंदिर समिति के सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री शिवलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में कार्तिक मास पूजा शुरू

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनपल्ली चिन्नाथोकट्टा संजीवैया नगर कॉलोनी में श्री देवी पोचम्मा श्री शिवलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में कार्तिक मास पूजा भव्य रूप से शुरू हो गई है। हर दिन बुधवार से अगले महीने की 23 तारीख तक अभिषेक, अर्चना, सामूहिक सत्यनारायण व्रत सहस्र दीपा अलंकरण, अन्नपूजा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पहले दिन बुधवार को मंडल के पूर्व उपाध्यक्षों जंपन्ना प्रताप ने आकाश पूजन कर कार्तिक मास की पूजा की शुरुआत की। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष डीएम. अशोक कुमार, महासचिव जी.एस. यादव राव, मंदिर के पुजारी मंगवेली शेष चार्यु, हरिकृष्णा, वरप्रसाद, नमका महेंद्र, स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया।

तेलंगाना ऑयल इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स एसोसिएशन का स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आइल इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स एसोसियेशन का स्नेह मिलन कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ। संघ के स्नेह मिलन कार्यक्रम में अध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए तेल के क्षेत्र में तेजी और मंदी को देखते हुए व्यापार करने की प्रेरणा दी।

मंत्री करोडीमल अग्रवाल ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष सभी का व्यापार अच्छा हो और तेजी व मंदी को ध्यान में रखकर व्यापार करें। अवसर पर पी.शंकर, किरोडीमल नरसिंगपुरिया, गौतमचंद गुगलिया ने सभी को शुभकामनाएं दीं। अवसर पर संघ के चुनाव अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने चुनाव की प्रक्रिया की जानकारी दी और सर्वसम्मति से नवीन कुमार केडिया, पी.शंकर, करोडीमल अग्रवाल, पी.सच्चिदानंद, के.राजेन्द्र प्रसाद, सुरेश कुमार अग्रवाल, अशोक सारडा, पवन कुमार अग्रवाल, गौतमचंद गुगलिया, शिव कुमार भिक्षापति एवं कैलाश डालिया को सर्वसम्मति से चयनित घोषित किया। अवसर पर संघ की पहली कार्यकारिणी की सभा में सर्वसम्मति से सुरेश कुमार अग्रवाल को अध्यक्ष, पी.सच्चिदानंद रेड्डी एवं पी.शंकर को उपाध्यक्ष, करोडीमल अग्रवाल को मंत्री, गौतमचन्द गुगलिया को सह-मंत्री, कैलाश डालिया को कोषाध्यक्ष चयनित किया गया। संघ के को-आप्ट सदस्य के रूप में नीरज अग्रवाल व विपुल शाह तथा विशेष आमंत्रित में श्रीनिवास असावा, नंदकिशोर देवडा, दीपक भानुशाली, गोविन्द पलोड और मनीष अग्रवाल को चयनित किया गया। अवसर पर परामर्शदाता राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल को बनाया गया।

गोशामहल क्षेत्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में समाजसेवी नंदकिशोर व्यास बिलाल का सम्मान करते हुए टीआरएस नेता एच. कुमार, पप्पु, राजा यादव, सुनील सिंह व अन्य।

शर्मिला ने राहुल गांधी को लिखा खुला पत्र

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में घोटाला का मुद्दा उठाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण में किए गए घोटाले का मुद्दा उठाने का आग्रह किया। उन्होंने इस घोटाले को देश के सबसे बड़े घोटालों में से एक करार दिया और आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा परियोजना के निर्माण के नाम पर 70,000 करोड़ रुपये से अधिक का गबन किया गया। उन्होंने राहुल से तेलंगाना राज्य के लोगों और मीडिया के सामने इस मुद्दे को उठाने और राज्य सरकार को बेनकाब करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि मूल रूप से उनके पिता और अविभाजित आंध्रप्रवेश राज्य के पूर्व सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी द्वारा डॉ बीआर अंबेडकर प्रणहिता चेवेल्ला परियोजना के रूप में कलेश्वरम परियोजना को डिजाइन किया गया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के किसानों की मदद के लिए 38000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ परियोजना शुरू की गई थी।

मदनूर मंडल स्थित जिनिंग मिल में हर वर्ष की तरह बलिप्रतिपदा के पावन अवसर कपास की खरीदी शुरू हुई। इस अवसर पर नरसिंह जीनिग मिल के मालिक सुर्यकांत नारलावार सेठ, बबलू सेठ आदि ने पूजा-अर्चना की। किसानों के पास से 8001 रूपये प्रति क्विंटल की कीमत से कपास खरीदी गई।

केबीआर पार्क में आयोजित दीपावली पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल बल्दवा, विजयकुमार, एडवोकेट प्रवीण कुमार रूंगटा, डॉ. राधाकृष्ण, विट्ठलदासजी बड़ागांव वाले, अशोक लखोटिया, सुरेंद्र, राहुल सिंघल, चोपड़ा दादरी नारायण व अन्य।

वर्ल्ड कप में एक और बड़ा उलटफेर : 2010 की वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड को आयरलैंड ने 5 रन से हराया

मेलबर्न, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को एक और बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। 2010 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम को आयरलैंड ने डकवर्थ लुईस नियम से 5 रन से हरा दिया। टी-20 रैंकिंग में आयरलैंड 12वें नंबर पर है। वहीं, इंग्लैंड की टीम तीसरे नंबर पर है।

जब बारिश हुई तब इंग्लैंड ने 14.3 ओवर में 105 रन बनाए थे और उनके 5 विकेट गिर चुके थे। मोईन अली 24 रन और लियाम लिविंगस्टोन 1 रन बनाकर क्रीज पर थे। इससे पहले आयरलैंड ने जीत के लिए इंग्लैंड को 158 रन का टारगेट दिया था।

खराब शुरुआत

158 रनों का टारगेट चेज करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। उसने 29 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। उसके दोनों ओपनर महज 14 रन जोड़ सके। कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर शून्य पर आउट हो गए, जबकि एलेक्स हेल्स ने 5 गेंद में एक चौके की मदद से 7 रन बनाए। दोनों विकेट जोशुआ लिटिल को मिले।

बलबार्नी-टकर की साझेदारी

इंग्लैंड गेंदबाज मीडिल ओवर्स में आयरलैंड के विकेट नहीं गिरा सके। आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी और लोर्कन टकर के बीच 57 बॉल पर 82 रनों की साझेदारी हुई। ऐसे में टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

5 विकेट गंवाने के बाद भी माना जा रहा था कि इंग्लैंड स्कोर चेज कर लेगी, क्योंकि मोईन अली बड़े शॉट लगा रहे थे, लेकिन बारिश ने खेल बिगाड़ दिया।

क्या है डकवर्थ एंड लुईस नियम...

फ्रैंड डकवर्थ और टोनी लुईस ने एक सिद्धांत दिया था। जिसका उद्देश्य वर्षा बाधित मैचों का रिजल्ट निकालना था। 1997 में

पहली बार इंटरनेशनल मैच में इसका इस्तेमाल किया था। इससे पहले आईसीसी सिर्फ टीम का रन औसत ही देखती थी। यानी मैच में जिस टीम ने बारिश के समय ज्यादा औसत से रन बनाए होते थे, उसे विजेता घोषित कर दिया जाता था। इस पुराने नियम में विकेट गिरने की बात का ख्याल नहीं रखा जाता था, जबकि डकवर्थ-लुईस नियम में बारिश से बाधित मैच तक के ओवरों में दोनों टीमों का रन औसत और विकेट को ध्यान में रखा जाता है।

ऐसे आउट हुए इंग्लिश बल्लेबाज

लिटिल ने जोस बटलर को विकेट के पीछे लोर्कन टकर के हाथ कैच कराया।

लिटिल ने अपने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर हेल्स को अडायर के हाथ कैच कराया।

बैन स्टोक्स को हैंड ने क्लीन बोल्ड कर दिया। वे 6 रन बनाकर आउट हुए।

हैरी ब्रूक्स डॉकरेल की शार्ट बॉल को बाउंड्री के पार पहुंचाना चाहते थे, लेकिन डीप मिडविकेट की दिशा में डेलानी के हाथ कैच हुए।

डेविड मलान ने मैकर्थी को गेंद को पुल किया और डीप थर्ड मैन में हैंड के हाथ कैच हुए।

वुड ने फेंकी टी-20 वर्ल्ड कप की सबसे तेज बॉल

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने टी-20 वर्ल्ड कप के मौजूदा सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकी। उनकी गेंद की स्पीड 154 किमी/घंटा के आसपास थी।

कैसे गिरे आयरलैंड के विकेट

मार्क वुड ने 150 किमी/ घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। इसे स्टर्लिंग ने कट करने का प्रयास किया, लेकिन डीप थर्ड मैच में सैम करेन के द्वारा कैच कर लिए गए।

बालबर्नी ने बॉल की दिशा में शॉट खेला और नॉन स्ट्राइक पर खड़े लोर्कन टकर रन लेने के लिए क्रीज से बाहर निकले। इस बीच फॉलो थ्रो पर आदिल राशिद बॉल को टच करने में कामयाब रहे और बॉल स्टंप पर जा लगी।

वुड ने 153 किमी/घंटा की स्पीड से बॉल फेंकी और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद टेकर के बैट का एज लेते हुए बटलर के दस्तानों में चली गई।

कप्तान बालबर्नी डीप स्क्वैयर की दिशा में हेल्स के हाथ कैच हुए। वे बॉल को बाउंड्री के पार नहीं पहुंचा सके।

डॉकरेल को लिविंगस्टन ने बोल्ड कर दिया।

मार्क वुड ने कैंपर को बाउंसर डाली और वे कैच थमाकर आउट हो गए।

टॉस के बाद बारिश ने रोका मैच

टॉस के बाद आयरलैंड के बल्लेबाज बैटिंग करने उतरे इससे पहले बारिश आ गई और दर्शकों का इंतजार बढ़ गया। मुकाबला तेज बारिश के कारण दोबारा रोकना पड़ा। हालांकि, ओवर्स में कटौती नहीं की गई।

मैक्सवेल के गले पर लगी खतरनाक बाउंसर

दर्द से मैदान पर ही बैठ गए, श्रीलंका के खिलाफ मैच रोकना पड़ा

पर्थ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 ग्रुप में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच मैच खेला गया। मैच की दूसरी इनिंग में श्रीलंका के लहिरु कुमारा ने घातक गेंदबाजी की फिर 13वें ओवर में सबस्टिट्यूट फिल्डर अशीन बंडारा ने शानदार कैच लपका। ग्रुप-1 के इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 21 बॉल बाकी रहते 7 विकेट से जीत लिया।

कुमारा का खतरनाक ओवर

श्रीलंका के लिए 12वां ओवर करने लाहिरु कुमारा आए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल और एरोन फिंच को 6 खतरनाक बॉल डालीं। ओवर की तीसरी बॉल तो मैक्सवेल के गले पर जा लगी। मैक्सवेल को चोट इतनी तेज लगी कि वो दर्द के कारण मैदान पर ही बैठ गए।

इसके बाद तुरंत फिजियो को मैदान पर बुलाना पड़ा और मैच कुछ देर तक रुका रहा। कुमारा ने चौथी और पांचवीं बॉल 140 किमी प्रति घंटे की ज्यादा रफ्तार से फेंकी, जिसे मैक्सवेल ठीक से खेल नहीं पाए। पहली बॉलः लहिरू कुमारा ने 137 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी, मैक्सवेल पुल मारने की कोशिश करने गए, लेकिन वह मिस कर गए। दूसरी बॉलः कुमारा की तेज गति की गेंद मैक्सवेल फिर मिस कर गए। बॉल उनके सिर से ऊपर निकल गई। तीसरी बॉलः कुमारा की खतरनाक बाउंसर मैक्सवेल की गर्दन पर लगी, जिसके कारण मैच कुछ देर तक रुका रहा। तुरंत स्टेडियम में फिजियो को बुलाया गया। श्रीलंका के खिलाड़ी भी मैक्सवेल को देखने गए। हालांकि, चोट ज्यादा गंभीर नहीं थी और मैक्सवेल फिर खेलने के लिए खड़े हो गए। चौथी बॉलः 142 किलोमीटर प्रति घंटे की बाउंसर पर मैक्सवेल ने स्कूप करने की कोशिश की, लेकिन मिस कर गए। पांचवीं बॉलः ये बॉल 140 किलोमीटर प्रति घंटे की फुलर लेंथ बॉल थी, मैक्सवेल ने स्ट्रेट ड्राइव लगाकर एक रन लिया। आखिरी बॉलः कुमारा ने फिंच को लेग-लाइन पर शॉर्ट ऑफ लेंथ बॉल फेंकी। फिंच मिस कर गए, लेग बाई का एक रन मिल गया।

टीम इंडिया का प्रैक्टिस से इनकार

वजह- होटल से ग्राउंड 42 किमी दूर था; ठंडा नाश्ता मिलने से भी प्लेयर्स नाराज...वीरू भड़के

सिडनी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया मंगलवार को सिडनी पहुंची। यहां गुरुवार को नीदरलैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप का सुपर-12 में अपना दूसरा मैच खेलेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा मुकाबला गुरुवार को नीदरलैंड से होगा। मैच सिडनी में दोपहर 12:30 बजे से खेला जाएगा, लेकिन इसके पहले प्रैक्टिस और अरेंजमेंट को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय प्लेयर्स ने बुधवार को प्रैक्टिस करने से इनकार कर दिया। इसके अलावा, मंगलवार को अच्छा नाश्ता ना मिलने के बाद लंच का बायकॉट किया। हालांकि, इसे लेकर BCCI का अभी तक आधिकारिक बयान नहीं आया है। हां, विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग जरूर भड़क गए हैं। सर वीरू ने क्या कहा...आगे पढ़ेंगे।

2 बातें, जिन पर विवाद हुआ

प्रैक्टिस ग्राउंड होटल से दूर थाः

यह मामला बुधवार का है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ICC ने टीम इंडिया को ब्लैक टाउन में प्रैक्टिस करने के लिए कहा था। होटल से इस ग्राउंड की दूरी 42 किमी है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों ने जाने से इनकार दिया।

ठंडा नाश्ता मिलाः टीम इंडिया का प्रैक्टिस पर ना जाने के पीछे एक कारण और भी बताया जा रहा है। वह है ठंडा नाश्ता मिलना। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार दोपहर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में दो घंटे के ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन के बाद नाश्ता करने पहुंची तो मेन्यू में फ्रूट्स, 'मेक योर ओन सेंडविच' शामिल थे। यह कई खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया। इसकी शिकायत सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर संबंधित अधिकारी से की गई।

एक भारतीय टीम के सदस्य ने न्यूज पेपर इंडियन एक्सप्रेस को बताया- 'फूड मानकों के अनुरूप नहीं था। अभ्यास सत्र के बाद हम सैंडविच नहीं खा सकते हैं। कुछ खिलाड़ियों ने मैदान पर फ्रूटस खाए, जबकि बाकी ने होटल में खाना खाया।' इस विवाद के बाद टीम इंडिया ने नीदरलैंड के खिलाफ अपने मैच के पहले प्रैक्टिस से आराम करने का फैसला किया है।

रोहित ने रिपोर्टर के टिफिन से खाना खाया, प्राइवेट टैक्सी भी लेनी पड़ी

एक टीवी चैनल के रिपोटर ने बताया कि मंगलवार को प्रैक्टिस के बाद कप्तान रोहित शर्मा को मेरे टिफिन से खाना खाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मेलबर्न से वापसी के लिए प्राइवेट टैक्सी लेनी पड़ी। इतना ही नहीं, जब रोहित सिडनी पहुंचे तो उन्हें कोई रिसीव करने भी नहीं आया। भारतीय कप्तान टैक्सी से होटल तक गए।

वीरेंद्र सहवाग ने क्या कहा...

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ऑस्ट्रेलिया की सुविधाओं का तंज कसले हुए कहा- 'वो दिन गए जब मुझे लगता था कि वेस्टर्न कंट्रीज अच्छी में मेहमाननवाजी होती थी। लेकिन, अब मुझे लगता है कि भारत ही है, जहां अच्छी सुविधाएं मौजूद हैं।'

पाकिस्तान को पस्त करने के लिए हमारा एक बल्लेबाज काफी

विराट 5 मुकाबलों में 4 बार नाबाद रहे

खेल डेस्क, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। 4 मार्च 1992 ऑस्ट्रेलिया के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर वर्ल्ड कप में पहली बार भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना हुआ। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाए।

सचिन तेंदुलकर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा 54 रन की पारी खेली। उन्होंने 62 बॉल का सामना किया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 48.1 ओवर में 173 रन ही बना पाई और भारत ये मुकाबला 43 रन से जीत लिया। सचिन तेंदुलकर इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच थे।

अब कट टु कट बात करते हैं 2015 वनडे वर्ल्ड कप की, एक बार फिर विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला जा रहा था। सचिन तेंदुलकर संन्यास ले चुके थे। एडिलेड में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने आई और 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 300 रन बना दिए।

टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए। उन्होंने 126 बॉल का सामना किया और 107 रन की पारी खेली। कोहली इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच थे। 1992 से 2011 तक जब तक सचिन तेंदुलकर टीम इंडिया के लिए खेले, पाकिस्तान के खिलाफ उनका बल्ला आग उगलता था।

उनके संन्यास लेने के बाद विराट कोहली ने उनकी जगह ले ली है। क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में विराट जब-जब पाकिस्तान के खिलाफ खेले उनके बल्ले से रन निकलना तय है।

क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 308 रन बनाए हैं। उनका औसत 308 का रहा है। इन पांच मुकाबलों में 4 बार पाकिस्तान की टीम किंग कोहली को आउट ही नहीं कर पाई है।

पहली बार विराट टी-20 वर्ल्ड कप में 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरे थे। पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 128 रन ही बना पाई थी। जवाब में कोहली के बल्ले से 78 रन निकले। उन्होंने अकेले अपने दम पर भारत को 8 विकेट से मैच जिता दिया। जब टीम इंडिया को जीत मिली तब 3 ओवर बचे थे। कोहली ने इस मैच में बॉलिंग से भी कमाल किया था और 21 रन देकर 1 विकेट भी अपने नाम किया था। 2014 के टी-20 वर्ल्ड कप में जब दोनों टीमों की भिड़ंत हुई तो पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर केवल 130 रन बनाए। इस मैच में भी कोहली ने 36 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने ये मुकाबला 7 विकेट से जीता था।

2016 में बनाए 55 रन

2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला कोलकाता में खेला गया था। एक बार फिर पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और वो फिसड्डी साबित हुई। उसने 20 ओवर में सिर्फ 118 रन बनाए। हालांकि, टीम इंडिया जब बल्लेबाजी करने आई तो भारत को शुरुआती झटके लगे।

टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप में कोहली का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड

टी-20 वर्ल्ड कप		वनडे वर्ल्ड कप
5	मैच	3
308	रन	193
308.00	औसत	64.33

मोहम्मद आमिर और मोहम्मद सामी ने भारत के तीन विकेट जल्दी गिरा दिए। रोहित शर्मा 10, शिखर धवन 6 और सुरेश रैना खाता खोले बिना आउट हो गए।

ऐसा लगा पाकिस्तान मैच पलट देगा, लेकिन विराट कोहली ने 37 गेंदों में 55 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 7 चौके और 1 छक्का लगाया। टीम इंडिया ये मैच 6 विकेट से जीत गई। विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच बने।

2019 के बाद पहली बार वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-5 में पहुंचीं पीवी सिंधु, ध्रुव-अर्जुन ने भी किया कमाल

खेल डेस्क, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु तीन साल बाद बैडमिंटन की वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पांच में जगह बनाने में कामयाब हो पाई हैं। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड रैंकिंग द्वारा जारी की गई ताजा रैंकिंग में 27 वर्षीय सिंधु पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु की रैंकिंग में सुधार उनके चोटिल होने के बावजूद हुआ है। सिंधु बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से चोटिल हैं और कोई टूर्नामेंट नहीं खेल पाई हैं।

सिंधु 87,218 अंकों के साथ मौजूदा रैंकिंग में छठे से पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु ने इस साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिला सिंगल्स में स्वर्ण पदक जीता था। यह उनका कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा स्वर्ण और कुल पांचवां पदक था। 2018 गोल्ड कोस्ट में मिक्स्ड टीम इवेंट में सिंधु ने स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह दो रजत और एक कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

सिंधु पिछली बार सितंबर 2019 में दुनिया की टॉप फाइव रैंकिंग में शामिल हुई थीं। वह इस महीने शीर्ष पांच में जगह बनाने से पहले इस साल की शुरुआत में आठवें स्थान पर आ गई थीं। पिछले कुछ समय तक सिंधु सातवें स्थान पर बनी हुई थीं, क्योंकि बीडब्ल्यूएफ ने कोरोना के कारण विश्व रैंकिंग को फ्रीज कर दिया था। पीवी सिंधु की अब तक की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग अक्तूबर 2018 में आई थी, जब वह दूसरे नंबर पर पहुंच गई थीं।

इस साल की शुरुआत में राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद से सिंधु एक्शन से गायब हैं। उन्हें टूर्नामेंट के दौरान टखने की चोट से जूझना पड़ा था। इसके बावजूद वह खेलती रही थीं। सिंधु ने सोमवार को कोर्ट में वापसी की और अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। अब उनकी नजर इस साल के अंत में होने वाले वर्ल्ड टूर फाइनल्स में पदक जीतने पर होगी।

पीवी सिंधु की उपलब्धियां

पीवी सिंधु ने 2016 ओलंपिक में रजत और 2020 ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वहीं, विश्व चैंपियनशिप में वो छह पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2019 में स्वर्ण, 2018 और 2017 में रजत और 2013-2014 में कांस्य पदक हासिल किया था। एशियन गेम्स में सिंधु ने 2018 में रजत और 2014 में महिला टीम के साथ कांस्य पदक जीता है। कॉमनवेल्थ में भी सिंधु के नाम एक रजत, एक कांस्य और टीम इवेंट में एक स्वर्ण पदक है। एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने 2014 में कांस्य पदक जीता था।

सिंधु एक बार बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर जीत चुकी हैं और एक बार उपविजेता रही हैं। इंडिया ओपन सुपर सीरीज में वो 2017 में चैंपियन बनी थीं और 2018 में उपविजेता रहीं। 2016 में उन्होंने चीन ओपन भी जीता। सिंधु 2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज भी जीत चुकी हैं।

मेंस सिंगल्स में प्रणय की रैंकिंग में सुधार

मेंस सिंगल्स में एचएस प्रणय एक स्थान के सुधार के साथ 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट लक्ष्य सेन आठवें और किदांबी श्रीकांत 11वें स्थान पर बने हुए हैं। सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की मेंस डबल्स की जोड़ी आठवें स्थान पर है।

ध्रुव-अर्जुन का भी कमाल

भारत के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे अर्जुन और ध्रुव ने भी इस साल कई मैच जीते हैं। इन दोनों साल की शुरुआत 42वें पोजिशन से की थी। अब वह 19वें पायदान पर पहुंच गए हैं। इन दोनों ने हाल ही में इंडिया महाराष्ट्र इंटरनेशनल चैलेंज 2022 खिताब जीता था। यह दोनों किसी भी टूर्नामेंट में उलटफेर करने में माहिर है।

इसका उदाहरण बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में देखने को मिला था, जब इस भारतीय जोड़ी ने 40 मिनट के अंदर डेनमार्क के किम अस्त्रुप और एंडर्स रासमुसन की वर्ल्ड नंबर आठ जोड़ी को हरा दिया था। इसके अलावा त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला डबल्स की जोड़ी भी 27वें स्थान पर पहुंच गई है। साथ ही ईशान और तनिषा की मिक्स्ड डबल्स की जोड़ी 29वें स्थान पर पहुंच गई है।

कौन हैं भारत की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी?

रोजर फेडरर को मानती हैं आदर्श

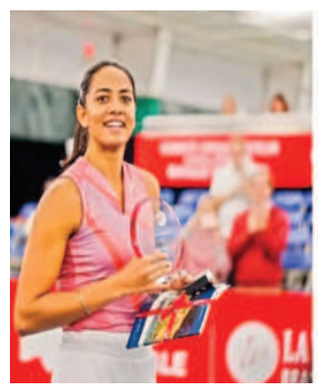

खेल डेस्क, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के सगुएने में डब्ल्यू 60 आईटीएफ इवेंट में अपनी हालिया जीत के बाद करमन कौर थांडी अब भारत की नंबर-1 महिला एकल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने अंकिता रैना को पीछे छोड़ दिया है। यह जीत करमन के करियर की अब तक की सबसे बड़ी एकल खिताबी जीत है। इसने उन्हें महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) रैंकिंग में 217वें स्थान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने 91 स्थानों की छलांग लगाई है। ओलंपियन अंकिता अब 13 स्थान नीचे खिसककर 297वें स्थान पर आ गई हैं।

करमन ने 2018 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 196 रैंकिंग हासिल की थी।

सगुएने में जीत करमन का तीसरा एकल खिताब है। इस साल उन्होंने दूसरी बार एकल खिताब अपने नाम किया है। उन्होंने जून में गुरुग्राम में डब्ल्यू 25 टूर्नामेंट जीता था।

करमन ने 2018 में हांगकांग में अपना पहला एकल खिताब जीता था। कनाडा के सगुएने में डब्ल्यू 60 आईटीएफ इवेंट के फाइनल में करमन ने कनाडा की कैथरीन सेबोव को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया।

करमन का जन्म 16 जून 1998 को हुआ है। वह महानतम टेनिस खिलाड़ी स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर को अपना आदर्श मानती हैं। करमन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। 2018 में एशियाई खेलों के दौरान दिविज सरन के साथ वह टूर्नामेंट में शामिल हुई थीं। तब वह तीसरे दौर में बाहर हो गई थीं।

करमन के लिए टेनिस में करियर बनाना आसान नहीं था। विराट कोहली फाउंडेशन और महेश भूपति फाउंडेशन ने उनकी मदद की। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों की मदद करते हैं।

टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स ने फिर लिया यू-टर्न

कहा- रिटायर नहीं हुई, जल्द कर सकती हैं वापसी

खेल डेस्क, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अभी तक टेनिस से संन्यास नहीं लिया है और उनके कोर्ट पर लौटने की संभावना ₹बहुत अधिक₹ है। सेरेना ने हाल ही में कहा था कि वह अब इस खेल से संन्यास ले सकती हैं। उन्होंने कहा था कि यूएस ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। हालांकि, अब उन्होंने यू टर्न लिया है। इससे पहले भी सेरेना संन्यास को लेकर बात कर चुकी हैं, लेकिन इसके बाद कोर्ट पर वापसी भी की।

सेरेना ने कहा- मैं रिटायर नहीं हुई हूं। विलियम्स ने यह बात अपनी निवेश कंपनी का प्रचार करते हुए सैन फ्रांसिस्को में एक सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा- वापसी की संभावना बहुत अधिक है। आप मेरे घर आ सकते हैं, मेरे पास एक टेनिस कोर्ट है। विलियम्स ने नौ अगस्त को टेनिस से रिटायरमेंट की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि वह ठीक से नहीं खेल पा रही हैं। 40 वर्षीय टेनिस स्टार ने कहा कि वह परिवार पर ज्यादा ध्यान देना चाहती हैं।

सेरेना ने कहा- 'मुझे रिटायर शब्द पसंद नहीं है। मैं इसे जीवन का विकास कहूंगी। मैं अगले पड़ाव के बारे में सोच रही हूं। जीवन में एक समय आता है जब हमें एक अलग दिशा में आगे बढ़ने का फैसला करना होता है। जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं और उससे अलग होने की बारी आती है तो वह समय काफी कठिन होता है। अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक मां होने, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों और अंत में एक अलग रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है। मैं अगले कुछ हफ्तों में इसका आनंद लेने जा रही हूं। सेरेना ने यह बातें वोग पत्रिका के लिए एक लेख में कही थीं।

सेरेना ने 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते हैं, जो ओपन एरा में किसी भी महिला खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम हैं। वहीं ओवरऑल वह दूसरे नंबर पर हैं। सेरेना से आगे मारग्रेट कोर्ट हैं। मारग्रेट ने कुल 24 ग्रैंड स्लैम जीते थे।

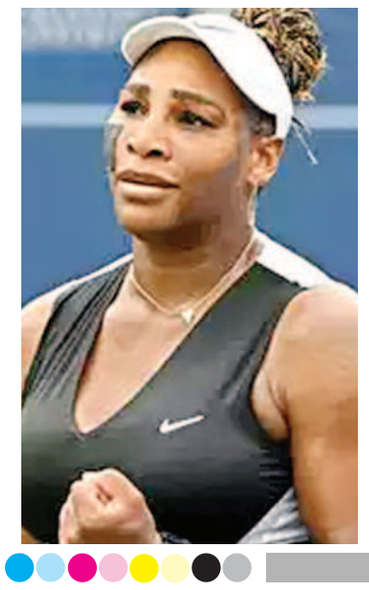

नगर में यातायात को आसान बनाने का हरसंभव प्रयास : केटीआर

मंत्री ने किया नागोल फ्लाईओवर का शुभारंभ

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने बुधवार को नागोल में स्टेटर्जिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम (एसआरडीपी) के हिस्से के रूप में निर्मित एक फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि शहर एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 990 मीटर लंबा नागोल फ्लाईओवर 143.58 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ बनाया गया है। नया फ्लाईओवर व्यस्त उप्पल से एलबी खंड (दोनों तरफ) पर यातायात को आसान

बनाएगा और इस सबसे व्यस्त मार्ग पर यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों का समय बचाने के लिए परेशानी मुक्त और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे की शुरुआत की है और इसका उद्देश्य एसआरडीपी के तहत मार्च, 2023 तक चार अन्य परियोजनाओं को पूरा करना है।छह लेन की द्वि-दिशा सुविधा व्यस्त उप्पल से एलबी खंड पर यातायात की समस्या को कम करेगी, जिसे शहर के पूर्वी हिस्से में सबसे व्यस्त में से एक माना जाता है। मंत्री ने कहा कि एसआरडीपी मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा वर्ष 2015 में तैयार किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेजी से बढ़ता हैदराबाद उन मुद्दों का सामना न करे जो वर्तमान में बेंगलुरु सामना कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि पहले चरण में प्रस्तावित 47 एसआरडीपी परियोजनाओं में से 17 को एलबी नगर और उप्पल में लिया गया था। एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों पर, मंत्री ने कहा कि यहां बने फ्लाईओवर और अंडरपास यात्रियों को बहुत आवश्यक राहत प्रदान करते हैं और एलबी नगर में और अधिक परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकरण और पट्टों से संबंधित समस्या का भी जल्द ही समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री मल्ला रेड्डी और एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी आदि उपस्थित रहे।

चांडक लैबोरेट्रीज में भीषण आग लगी

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनागिरी जिले में फार्मा कंपनी चंदूक लैबोरेट्रीज में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। सूत्रों के अनुसार, बीबीनगर मंडल में कोंडामडुगु के पास चांडक फार्मा कंपनी आग की चपेट में आ गई। धुआ पूरे इलाके में फैल गया। बताया जाता है कि भारी धुएं के कारण कंपनी के कर्मचारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए बचाव कार्य में जुट गई हैं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

बलात्कार मामले में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा सख्त कानून पेश किए जाने के बाद भी लड़कियों पर यौन हमले अभी भी बढ़ रहे हैं। डीएवी स्कूल की घटना के कुछ दिनों बाद, एक और अपराध सामने आया। समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई संदेह पैदा हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेडचल मलकाजगिरी के नेरेडमेट में एक चिल्ड्रन होम में एक अनाथ लड़की का अपहरण कर लिया गया। ग्रेस सोशल एंड एजुकेशनल सोसाइटी से चार लड़कियों के भाग जाने के बाद यह घटना सामने आई और उनमें से दो ने संगारेड्डी में शरण ली और दो लड़कियां सिकंदराबाद में रह गईं। सूचना मिलने के बाद पुलिस व महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों ने उनकी काउंसलिंग की। काउंसलिंग के दौरान लड़कियों में से एक ने अधिकारियों को बताया कि उसके साथ एकाउंटेंट ने बलात्कार किया गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बंडी संजय ने मनुगोडु विकास पर सीएम केसीआर की खिंचाई की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा। एक बयान में, बंडी संजय ने इस मुद्दे पर सीएम से कई सवाल किए। यह बताते हुए कि मुनुगोडु कुसुकुंतला से सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के उम्मीदवार प्रभाकर रेड्डी 2014-2018 के बीच सीएम के रूप में केसीआर के पहले कार्यकाल में निर्वाचन क्षेत्र से विधायक थे, उन्होंने सीएम से पूछा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में निर्वाचन क्षेत्र का कितना विकास किया? उन्होंने सीएम के कुल नौ साल के शासन में मुनुगोडु के विकास के मुद्दे पर बहस के लिए सीएम को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि वह अपनी पार्टी के उम्मीदवार कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के साथ सार्वजनिक बहस करने के लिए

तैयार हैं और सीएम से अपनी पार्टी के उम्मीदवार प्रभाकर रेड्डी को बहस के लिए भेजने के लिए कहा।

अपने 2018 के विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान मुनुगोडु को हरित निर्वाचन क्षेत्र में बदलने के अपने वादे के बारे में सीएम को याद दिलाते हुए, उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या उन्होंने अब तक अपना वादा पूरा किया है? उन्होंने सीएम से पूछा कि चौटुप्पल में डिग्री कॉलेज स्थापित करने के उनके 2018 के चुनावी वादे का क्या हुआ? उन्होंने सीएम से पूछा कि उनके आठ साल लंबे शासन में मुनुगोडु की कितनी एकड़ जमीन सिंचित हुई? उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि राज्य के बेघर गरीब परिवारों को डबल बेडरूम घर बनाने के उनके वादे का क्या हुआ?

हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी लगाने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 40 लाख रुपये के कारोबार तक किसी भी तरह का जीएसटी नहीं लगा रही है और आरोप लगाया कि राज्य सरकार 20 लाख रुपये के कारोबार पर जीएसटी लगा रही है। वहीं उत्पाद और इस मुद्दे पर सीएम से जवाब मांगा। उन्होंने सीएम से पूछा कि उन्होंने पिछले आठ सालों में बुनकर समाज के लिए चुनाव क्यों नहीं कराए? उन्होंने सीएम से मुनुगोडु के लोगों से झूठ बोलने के लिए माफी मांगने की मांग की।

एलपीजी विस्फोट में एक की मौत, पांच घायल

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुडा के दूधबावी में बुधवार को एक घर में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने कहा कि दुर्घटना सिलेंडर से एलपीजी रिसाव के कारण हुई और कथित तौर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट से हुई। सूचना मिलते ही पुलिस व दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। घायलों को गांधी अस्पताल ले जाया गया।

कामारेड्डी में देखा गया तेंदुआ

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के जुक्कल गांव के बाहरी इलाके में कुछ लोगों द्वारा तेंदुए को देखे जाने के बाद जुक्कल पिटलम के निवासियों में तनाव व्याप्त है। सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों ने कामारेड्डी जिले के चिनकोडंगल रामेश्वरम गुट्टा, जुक्कल पिटलम मंडल के पास तेंदुए की हरकत को देखा। उन्होंने तेंदुए की हरकतों को रिकॉर्ड किया और अब ये दृश्य इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। स्थानीय लोग वन अधिकारियों से तेंदुए को पकड़ने की गुहार लगा रहे हैं। वन अधिकारियों ने आसपास के ग्रामीणों को भी सतर्क रहने को कहा और अकेले अपने घरों से बाहर न निकलने की हिदायत दी है।

एसएसीआर ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों को अंतिम रूप दिया

सिकंदराबाद का 699 करोड़ रुपये की लागत से होगा कायाकल्प

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे ने 'रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास' शुरू किया है ताकि सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा सकें और स्टेशनों को सौंदर्यपूर्ण रूप दिया जा सके। इसके एक हिस्से के रूप में, दमरे ने अपने अधिकार क्षेत्र में प्रमुख स्टेशनों का उन्नयन किया है। अब, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने का ठेका दिया गया है और इसे 36 महीने की अवधि के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना के क्रियान्वयन की अनुमानित लागत 699 करोड़ रुपये है। सिकंदराबाद स्टेशन पूरे क्षेत्र में एकमात्र स्टेशन है जिसे एनएसजी 1 स्टेशन (गैर उपनगरीय ग्रेड 1) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 500 करोड़ रुपये की कमाई वाले स्टेशन/प्रति वर्ष 20 मिलियन यात्री एनएसजीआई के अंतर्गत आते हैं। तेलंगाना राज्य की राजधानी शहर क्षेत्र में स्थित स्टेशन को प्रमुख महत्व मिला है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर औसतन 1.8 लाख यात्रियों को लगभग 200 ट्रेनों माध्यम से मंजिल पर पहुंचाया जाता है। आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है और इसलिए आधुनिक सुविधाओं और सुविधाओं के साथ स्टेशन के बड़े उन्नयन का प्रस्ताव है। दमरे ने रेल उपयोगकर्ताओं को एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए स्टेशन परिसर को विश्व स्तरीय सुविधाओं, बुनियादी सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ एकीकृत करने के लिए एक मास्टर प्लान की संकल्पना की है।

विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैश होगा सिकंदराबाद स्टेशन

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्टेशन के उन्नयन के तहत कई प्रमुख कार्य होंगे। सिकंदराबाद स्टेशन पर जी+3 मंजिलों के साथ उत्तर की ओर एक नया स्टेशन भवन और जी+3 मंजिलों के साथ दक्षिण की ओर का भवन बनेगा। दो मंजिला स्काई कॉनकोर्स, स्टेशन के उत्तर की ओर बहु-स्तरीय पार्किंग और दक्षिण की ओर भूमिगत पार्किंग बनेगी। इसके साथ ही यात्रियों के लिए दो वॉकवे (7.5 मी) का निर्माण किया जाएगा। यह उत्तर और दक्षिण की ओर की इमारतों में जाने का के लिए सुलभ होगा। नए स्टेशन परिवेश के साथ मेल खाने के लिए मौजूदा प्लेटफार्मों का नवीनीकरण, आगमन और प्रस्थान यात्रियों और वाहनों की आवाजाही से बचने के लिए अलग प्रवेश और निकास ब्लॉक (ड्रॉप ऑफ और पिकअप स्थान), 5000 केडब्लूपी का सोलर पावर प्लांट लगाया जाएगा। स्टेशन उन्नयन का मुख्य उद्देश्य मल्टी मोडल एकीकरण के साथ सिटी कोर क्षेत्र का पुनर्विकास और पुन: निर्माण करना, एक मोड से दूसरे मोड में यात्रियों का निर्बाध स्थानांतरण, बेहतर कनेक्टिविटी और रेल यात्रियों की गतिशीलता, यात्रियों के लिए सुविधाजनक पिकअप और ड्रॉप ऑफ क्षेत्र, पर्याप्त पार्किंग सुविधा, परिसंचारी क्षेत्र को कम करने और शहर के सड़क नेटवर्क के साथ एकीकृत करने और व्यापार के अवसर और राजस्व सृजन आदि उत्पन्न करना है। इस संबंध में महाप्रबंधक (प्रभारी) अरुण कुमार जैन ने कहा है कि भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के उन्नयन की बहुत आवश्यकता है। जोन सभी वर्गों की आवश्यकता प्राथमिकता के आधार पर महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निष्पादन प्राधिकरण को पूरा सहयोग देने का भी निर्देश दिया है, ताकि पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय के भीतर पूरी हो सके।

पुलिस स्मृति सप्ताह : भूपालपल्ली में 201 यूनिट रक्त एकत्रित

भूपालपल्ली, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति सप्ताह के सिलसिले में बुधवार को यहां एआर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 201 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन करने वाले पुलिस अधीक्षक जे सुरेंद्र रेड्डी ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान से लोगों की जान बच सकती है। उन्होंने कहा कि कई पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी है।

रक्त दान करना महान चीजों में से एक है। रक्तदान को लेकर किसी तरह की आशंका नहीं होनी चाहिए। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। बाद में उन्होंने पुलिसकर्मियों सहित दानदाताओं को प्रमाण पत्र सौंपे। इस अवसर पर अतिरिक्त एसपी वी. श्रीनिवासुलु, भूपालपल्ली और कटाराम डीएसपी ए रामुलु और जी राममोहन रेड्डी, इंस्पेक्टर राजी रेड्डी, जानी नरसिम्हुलु, वासुदेव राव, अजय, जितेंद्र रेड्डी, किरण, रंजीत राव, सतीश, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला अध्यक्ष डॉ श्रीनिवास, उपाध्यक्ष। डॉ किरण, डॉ प्रवीण और अन्य ने भाग लिया।

टीआरएस को मुस्लिम वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं : शब्बीर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और तेलंगाना विधान परिषद में विपक्ष के पूर्व नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा कि टीआरएस पार्टी को मुनुगोड़े उपचुनाव में मुस्लिम समुदाय से वोट मांगने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

कांग्रेस प्रत्याशी पलवई श्रावंती के प्रचार अभियान के तहत बुधवार को चंदूर, कोंडापुर और अन्य जगहों पर कई सभाओं को संबोधित करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 2014 से झूठे वादों और झूठे आश्वासनों के साथ मुस्लिम समुदाय को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने 12 फीसदी मुस्लिम आरक्षण का वादा पूरा नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में 2004-05 में पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा लागू किए गए 4% मुस्लिम आरक्षण की रक्षा के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए।

इसी तरह, शब्बीर अली ने कहा कि टीआरएस सरकार ने वक्फ बोर्ड को न्यायिक अधिकार देने का वादा किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने न तो मौजूदा संपत्तियों की रक्षा की और न ही अवैध रूप से अतिक्रमित भूमि को बहाल करने के लिए कोई उपाय किया। उन्होंने कहा कि हजारों प्रमुख वक्फ

संपत्तियों के रिकॉर्ड बिना कोई कारण बताए एक गोदाम में डाल दिए गए हैं। कई महत्वपूर्ण फाइलें, जो विभिन्न अदालतों में अतिक्रमण के मामलों को जीतने के लिए महत्वपूर्ण हैं, अब दीमक खा रही हैं। लेकिन टीआरएस सरकार हजारों करोड़ की मूल संपत्ति के उन मूल दस्तावेजों की रक्षा के लिए कुछ नहीं कर रही है, उन्होंने आरोप लगाया।

शब्बीर अली ने कहा कि टीआरएस सरकार ने शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी नहीं किया, जिसके कारण पिछले 8 वर्षों में 80% से अधिक अल्पसंख्यक कॉलेज बंद हो गए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में अल्पसंख्यकों के नामांकन में चिंताजनक गिरावट आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने फंड जारी न करके लाखों अल्पसंख्यक छात्रों, खासकर मुसलमानों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित कर दिया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण के सभी संस्थानों को खत्म कर दिया है। धन और कर्मचारियों की भारी कमी के कारण, उर्दू अकादमी, अल्पसंख्यक वित्त निगम आदि जैसी संस्थाएँ किसी भी कल्याणकारी योजना को लागू करने में असमर्थ हैं। उर्दू अकादमी का एक प्रतीकात्मक प्रमुख है, जबकि सरकार ने अभी तक एक पूर्ण निकाय को नामित नहीं किया है। उर्दू अकादमी के अध्यक्ष और कर्मचारियों को वेतन देने के अलावा, टीआरएस सरकार उर्दू भाषा के प्रचार के लिए कुछ नहीं कर रही है

संसद आदर्श ग्राम योजना के तहत केंद्रीय मंत्री का आंध्र दौरा आज

अमरावती, 26 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदर्श ग्राम योजना के मामले पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन कल आंध्र प्रदेश का दौरा कर रही है। इस संदर्भ में, एपी सरकारी सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन कल आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के पेदमैनवानी लंका का दौरा कर रही है। गौरतलब है कि, इस बात से सभी अवगत है कि, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारामन ने हाल ही में पश्चिम गोदावरी जिले के पेदमैनवानी लंका गांव को गोद लिया है। ताकि इस गांव का पूरा विकास कर इसे आदर्श गांव बनाया जाए। इसके चलते इस गांव में किये गये विकास का मुआयना करने केंद्रीय मंत्री एपी दौरा कर

रही हैं। उनके इस दौरे में उनके द्वारा गोद लिए गये पश्चिम गोदावरी जिले के पेदमैनवानी लंका गांव में स्थापित डिजीटल कम्युनिटी सेंटर का भी सर्वे करेंगी। इसके पहले केंद्र मंत्री द्वारा तत्संबंधित जिले के मत्स्यपुरम गांव का भी दौरा करेंगी। इस मामले में अधिकारियों ने यह भी बताया कि, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारामन जोकि अपने आंध्र प्रदेश दौरे के तहत कल दिल्ली से गन्नवरम हवाई अड्डा पहुंचेगी तथा वहां से वे सडक मार्ग से पश्चिम गोदावरी जिले के मत्स्यपुरम गांव पहुंचकर इस गांव में स्थापित शुद्ध पेयजल योजनाओं का अवलोकन करेंगी। इसके बाद वे नर्सापूर से पेदमैनवानी लंका गांव को पहुंचेगी। इस गांव के अवलोकन के बाद वे नर्सापूर से काकीनाडा रवाना होगी। बाद में वे शुक्रवार को काकीनाडा सहित विशाखापट्टणम में आयोजित कुछ कार्यक्रमों में भाग लेंगी। तदनतर वे शनिवार को दिल्ली प्रस्थान करेंगी।

विधायक राजा सिंह को झटका, सलाहकार समिति ने पीडी एक्ट को बरकरार रखा

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हेट स्पीच मामले में बुधवार को गोशामहल विधायक राजा सिंह को झटका लगा है। ज्ञात हुआ है कि राजा सिंह ने अभद्र टिप्पणी करने पर पुलिस द्वारा दर्ज पीडी एक्ट को सलाहकार समिति में चुनौती दी थी। बुधवार को सलाहकार समिति ने राजा सिंह की याचिका पर सुनवाई की। समिति ने राजा सिंह के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज पीडी अधिनियम को बरकरार रखा। ज्ञात हुआ है कि पुलिस ने राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे एक धर्म का अपमान करने वाला वीडियो जारी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में राजा सिंह अभी जेल में है। जेल में रहते हुए उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज पीडी एक्ट को चुनौती देते हुए एडवाइजरी बोर्ड में याचिका दायर की। उन्होंने समिति को बताया कि उन्होंने किसी धर्म के खिलाफ टिप्पणी नहीं की और पुलिस ने उनके खिलाफ पीडी एक्ट लागू किया। उन्होंने कमेटी से पुलिस द्वारा दर्ज पीडी एक्ट को निरस्त करने को कहा। समिति ने राजा सिंह के अनुरोध को खारिज कर दिया।

तीसरी कक्षा के छात्र की हार्टअटैक से मौत

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्याह्न भोजन की कतार में खड़े रहने के दौरान दिल का दौरा पड़ने से तीसरी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गयी। दिल दहला देने वाली घटना मंगलवार को सिरसिल्ला बोइनपल्ली मंडल के वेंकटरोपल्ली अपर प्राइमरी स्कूल में हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेंकटरोपल्ली में तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले बुर्रा कौशिक (8) छात्र मध्याह्न भोजन की कतार में खड़ा था अचानकर गिर गया।

स्कूल के कर्मचारियों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत उसे करीमनगर के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। रिपोर्टों में कहा गया है कि उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ।

फिल्म निर्माता रामगोपाल वर्मा ने की सीएम जगन से मुलाकात

सिनेमा टिकट दरों में संशोधन मामले पर की चर्चा

हैदराबाद, 26 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सिनेमा टिकट दरों में संशोधन मामले पर फिल्म निर्माता रामगोपाल वर्मा ने सीएम जगन से मुलाकात की। इस संदर्भ में, एपी सरकारी सूत्रों ने बताया कि, बुधवार को फिल्म निर्माता रामगोपाल वर्मा हैदराबाद से ताडेपल्ली पहुंचे। इसके बाद उन्होंने सीएम कैम्प कार्यालय में जाकर सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात कर उनके साथ राज्य के सिनेमा टिकट दरों में संशोधन मामले में बातचीत कर मध्याह्न लंच भी किया।

इस मामले में अधिकारियों ने यह भी बताया कि, सीएम जगन एवं रामगोपाल वर्मा की मुलाकात लगभग चालीस मिनट तक चली। इस मुलाकात में राज्य के सिनेमा टिकट दरों में संशोधन मामले पर गहन विचार विमर्श किया गया। गौरतलब है कि, गत में रामगोपाल वर्मा ने पूर्व छायांकन मंत्री पेर्नी नानी से मुलाकात कर राज्य के सिनेमा टिकट दरों के मामलों पर बातचीत की थी। जिसमें यह भी बताया गया कि, इन दोनों के बातचीत में रामगोपाल वर्मा ने सीएम जगन से इस बात की जानकारी दी कि, वे जल्द ही राजनीति से जुडी एक फिल्म करने जा रहे हैं। जिसमें वर्तमान राजनीति मामलों पर प्रकाश डाला जायेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.